डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

गुरुवार

04 अप्रैल 2024

आपकी आवाज

शहाबुद्दीन ने जिस पार्टी को आसमान पर पहुंचाया, वह कर रही है अनदेखी

2

कोर्ट ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह को दिया निर्देश- ईडी की जांच में करना होगा सहयोग

संजय सिंह छह महीने बाद तिहाड़ जेल से रिहा : बोले.... ये संघर्ष का समय

♦ डीआरजी और सीआरपीएफ कोबरा के साथ बस्तर बटालियन के जवानों द्वारा इलाके में चलाई जा रही सर्चिंग

केटी न्यूज/छतीसगढ़

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और नेता संजय सिंह तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। जेल से बाहर आकर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे सलाखों के पीछे रखा गया था। मुझे पूरा भरोसा है कि जेल के ताले टूटेंगे। उन्होंने कहा कि जश्न मनाने का वक्त नहीं है, यह संघर्ष करने का वक्त है, यह जंग करने का वक्त है। इस दौरान जेल परिसर के बाहर आप नेता और कार्यकताओं का हुजूम भी मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उनकी रिहाई का आदेश दिया था। आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सांसद संजय सिंह को अदालत ने दो लाख रुपये के जमानत बॉन्ड और इतनी ही राशि की जमानत राशि पर जमानत दे दी। उनकी पत्नी ने जमानत बॉन्ड भरा। संजय सिंह को ईडी ने चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था।

ट्रायल कोर्ट द्वारा तय की गई जमानत की शर्तें

- सांसद संजय सिंह को अपना पासपोर्ट सरेंडर करने होगा।
- जांच अधिकारी को अपना मोबाइल नंबर उपलब्ध कराएंगे, जांच में सहयोग करेंगे।
- शराब घोटाला मामले में अपनी भूमिका के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।
- अगर वह एनसीआर छोड़ते है तो वह अपनी यात्रा के कार्यक्रम आईओ के साथ साझा करेंगे।
- वह अपनी लोकेशन शेयरिंग भी ऑन रखेगें और जांच अधिकारी के साथ साझा करेंगे। सुबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे।

इसके साथ ही ईडी की जांच में सहयोग करना होगा।

केजरीवाल की गिरफ्तारी-रिमांड पर फैसला सुरक्षित, ईडी ने कहा अंधेरे में नहीं चलाया तीर

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत में सुनवाई चल रही है। केजरीवाल की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी और एडवोकेट विक्रम चौधरी मौजूद हैं। ईडी की तरफ से अधिवक्ता एसवी राजू ने पैरवी की। सिंघवी ने कहा- लेवल प्लेइंग को ध्यान में रखते हुए यह बहुत इम्पॉर्टेंट केस है। इसमें स्वतंत्र और निष्पक्ष लोकसभा चुनाव शामिल हैं, जो लोकतंत्र का हिस्सा है। इससे हमारा मूलभूत ढांचा बनता है। केजरीवाल की गिरफ्तारी से यह निश्चित हो गया है कि वो लोकतांत्रिक गतिविधियों में नहीं शामिल हो पाएंगे। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि पहला समन अक्टूबर 2023 को भेजा गया और गिरफ्तारी 21 मार्च को हुई। इससे दुर्भावना की बू आती है और इससे हमारे मूलभूत ढांचे को नुकसान पहुंच रहा है। मैं यहां राजनीति की नहीं, बल्कि कानून की बात कर रहा हूं। गिरफ्तारी की टाइमिंग इशारा करती है कि यह असंवैधानिक है। इस पर ईडी के वकील ने कहा- मान लीजिए कोई इलेक्शन से 2 दिन पहले मर्डर कर देता है तो क्या उसे गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। क्या उसकी गिरफ्तारी मूलभूत ढांचे को नुकसान पहुंचाएगी। आप मर्डर करेंगे और कहेंगे कि मुझे गिरफ्तार नहीं किया जा सकता, क्योंकि इससे मूलभूत ढांचे को नुकसान होगा।

कोर कमेटियों को अमित शाह ने दिया जीत का मंत्र

कहा... चुनाव तक हर घर तीन बार पहुंचे कार्यकर्ता

♦ पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद मेरठ सहारनपुर मंडल की 14 ब्रज प्रांत की मथुरा और अलीगढ़ और अवध की पीलीभीत लोकसभा सीट के कोर कमेटी के पदाधिकारी बैठक में हुए शामिल

केटी न्यूज/मुरादाबाद

कोर कमेटी बैठक में पहले और दूसरे चरण में होने वाले मतदान में शामिल पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद मेरठ सहारनपुर मंडल की 14 ब्रज प्रांत की मथुरा और अलीगढ़ और अवध की पीलीभीत लोकसभा सीट के कोर कमेटी के पदाधिकारी शामिल हुए। सबसे पहले उन्होंने लोकसभा चुनाव प्रचार और जनसंपर्क अभियान की समीक्षा की इसमें पन्ना प्रमुख पर जोर दिया गया। कोर कमेटियों को गृह मंत्री अमित शाह ने दिया जीत का मंत्र- चुनाव तक हर घर तीन बार पहुंचे कार्यकर्ता कोर कमेटी बैठक में पहले और दूसरे चरण में होने वाले मतदान में शामिल पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद मेरठ सहारनपुर मंडल की 14 ब्रज प्रांत की मथुरा और अलीगढ़ और अवध की पीलीभीत लोकसभा सीट के कोर कमेटी के पदाधिकारी शामिल हुए। सबसे पहले उन्होंने लोकसभा चुनाव प्रचार और जनसंपर्क अभियान की समीक्षा की इसमें पन्ना प्रमुख पर जोर दिया गया। कोर कमेटी बैठक में पहले और दूसरे चरण में होने वाले मतदान में शामिल पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद, मेरठ, सहारनपुर मंडल की 14, ब्रज प्रांत की मथुरा और अलीगढ़ और अवध की पीलीभीत लोकसभा सीट के कोर कमेटी के पदाधिकारी शामिल हुए। सबसे पहले उन्होंने लोकसभा चुनाव प्रचार और जनसंपर्क अभियान की समीक्षा की इसमें पन्ना प्रमुख पर जोर दिया गया। केंद्रीय स्तर पर दिए गए अभियानों की स्थिति के बारे में जाना। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि एक-एक वोट महत्वपूर्ण है। हमें किसी भी वोट को नजरअंदाज नहीं करना है। मतदान तक हमें हर मतदाता के घर पर तीन बार पहुंचना है। पहले पत्रक पहुंचाने के लिए, दूसरी बार प्रत्याशी की अपील के लिए और तीसरी बार चुनाव पर्ची पहुंचाने। जिनके बारे में हम यह जानते हैं कि वह भाजपा के मतदाता नहीं हैं, उनके भी घर जाना है, विशेषकर लाभार्थी वर्ग के। उन्होंने कहा कि हर बूथ आवश्यक है। बूथ प्रबंधन के बल पर ही चुनाव में जीत प्राप्त की जा सकती है। हर घर कुंडी खटखटानी है, जो अपने मतदाता है।

दम घुटने से परिवार के 7 लोगों की मौत, मरने वालों में दो मासूम बच्चे भी शामिल

केटी न्यूज/महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक कपड़े की दुकान में आग लगने से ऊपरी मंजिल पर रहने वाले एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन महिलाएं, दो पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं। हादसा बुधवार सुबह 3 बजे हुआ।आग लगने से इलाके में धुएं का बड़ा गुबार पैदा हो गया। जब आग लगी तो ऊपरी मंजिल पर लोग सो रहे थे। उन्हें नीचे आने का मौका ही नहीं मिला। नतीजतन सातों लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और उन्होंने आग पर काबू पाया।इमारत में कुल 16 लोग थे, सात की जान गई। छत्रपति संभाजीनगर के पुलिस कमिश्नर मनोज लोहिया ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी उसमें कुल 16 लोग मौजूद थे। पहली मंजिल पर 7 लोग थे, तो दूसरी मंजिल पर 7 लोग और तीसरी मंजिल पर 2 लोग थे। इसमें पहली मंजिल पर मौजूद सभी लोगों की मौत हो गई है।

कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए बॉक्सर विजेंदर सिंह

केटी न्यूज/नई दिल्ली

आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। मुक्केबाजी में भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता और कांग्रेस नेता विजेंदर सिंह भाजपा में शामिल हो गए हैं।विजेंदर सिंह ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था लेकिन वो हार गए थे। उनका नाम पिछले कुछ दिनों से मथुरा से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चर्चा में था। जहां से अभिनेत्री और मौजूदा सांसद हेमा मालिनी फिर से चुनाव लड़ रही हैं। विजेंदर सिंह जाट समुदाय से आते हैं, जिसका हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बड़ी संख्या में सीटों पर राजनीतिक प्रभाव है।

भाजपा में शामिल होने के बाद विजेंदर सिंह ने कहा देश के विकास और लोगों की सेवा के लिए मैं आज भाजपा में शामिल हुआ हूं। बॉक्सर विजेंदर ने देश को ओलपिंक में बॉक्सिंग में पहला पदक जिताया था। विजेंदर सिंह का जन्म 29 अक्टूबर, 1985 को हरियाणा के भिवानी में हुआ। पिता नाम महिपाल सिंह बेनीवाल है। जो हरियाणा रोडवेज में बस ड्राइवर रहे। उनकी मां गृहणी हैं। विजेंद्र बेहद निम्न मध्यम वर्गीय परिवार से जुड़े हैं। विजेंद्र सिंह ने अपनी शुरूआती पढाई भिवानी से ही पूरी की है। उन्होंने भिवानी के कॉलेज से स्नातक की पढाई की। विजेंद्र सिंह को कॉलेज के दिनों से ही मुक्केबाजी और कुश्ती का शौक था, वह इसकी प्रैक्टिस भिवानी बॉक्सिंग क्लब में करते थे। उन्होंने कोचिंग का प्रशिक्षण भारतीय बॉक्सिंग कोच गुरबक्श सिंह संधू से लिया हैं।

तेलंगाना की फैक्ट्री में रिएक्टर फटा, 5 की मौत, हादसे के वक्त 50 लोग थे मौजूद

केटी न्यूज/तेलंगाना

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में एक केमिकल फैक्ट्री में रिएक्टर फटने से पांच लोगों की मौत हो गई। 10 अन्य घायल हो गए। घटना बुधवारकी शाम 5 बजे की बतायी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि कई अन्य लोग अभी भी फंसे हुए हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, विस्फोट के समय इमारत में 50 लोग थे। जिस फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ है उसका नाम एसबी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड है। जो सांगरेड्डी जिले के चंदुर गांव में हैं। धमाके के बाद फैक्ट्री से काला धुआं उठने लगा। स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस बुलाई गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कुछ ही हालत गंभीर है। सभी की स्थिति नाजूक बतायी जा रही है। सूत्रों के अनुसार इनमें से कई की हालत काफी गंभीर है। उनका जान जाने का खतरा बना हुआ है। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि इलाज का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। ताकि जान बच सके।

कांग्रेस की सूची: मुकेश धनगर होंगे मथुरा से उम्मीदवार, रायबरेली व अमेठी पर संशय बरकरार

केटी न्यूज/नई दिल्ली

कांग्रेस मथुरा लोकसभा क्षेत्र से मुकेश धनगर को उम्मीदवार बनाया है। जबकि सीतापुर से नकुल दुबे का टिकट काट कर राकेश राठौर पर दांव लगाया गया है। रायबरेली और अमेठी को लेकर संशय बरकरार है। कांग्रेस को गठबंधन के तहत 17 सीटें मिली हैं, जिसमें 14 की घोषणा हो चुकी है। बुधवार को मथुरा से मुकेश धनगर को उम्मीदवार घोषित किया गया है। वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य और प्रदेश महासचिव भी हैं। छात्र संगठन और युवा कांग्रेस में भी विभिन्न पदों पर रहे हैं। मथुरा में धनगर समाज में गहरी पैठ है। उनका नाम पहले भी पार्टी की प्रस्तावित सूची में था। लेकिन बाद में मुक्केबाज विजेंदर सिंह को उतारने की चर्चा शुरू हुई, लेकिन ऐन मौके पर कांग्रेस ने उनके नाम पर मुहर नहीं लगाई। इसी बीच वह भाजपा में चले गए। सीतापुर से कांग्रेस ने पूर्व मंत्री नकुल दुबे के उम्मीदवार घोषित किया था। वह पहले भी बसपा के टिकट पर सीतापुर से चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन स्थानीय विरोध की वजह से कांग्रेस को टिकट बदलना पड़ा। नकुल दुबे के स्थान पर पूर्व विधायक राकेश राठौर की घोषणा की गई है। वह भाजपा के टिकट पर विधायक बने थे, लेकिन पिछड़ों की अनदेखी का आरोप लगाकर विधानसभा चुनाव 2022 से पहले इस्तीफा दे दिया था। कुछ वक्त सपा में रहे और फिर कांग्रेस में आ गए। उम्मीदवारों की घोषणा होने के बाद कांग्रेस को आलोचना का शिकार होना पड़ा था। क्योंकि राहुल गांधी लगातार पिछड़ों की भागीदारी और जातीय जनगणना को अपनी प्राथमिकता बता रहे थे, जबकि टिकट में यह हिस्सेदारी नहीं दिख रही थी। ऐसे में शीर्ष नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश के प्रत्याशियों की स्थिति की समीक्षा की। बुधवार को घोषित दोनों उम्मीदवार पिछड़ी जाति के हैं। अब तक घोषित 14 उम्मीदवारों में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक तीन-तीन हैं। अल्पसंख्यकों में दो मुस्लिम और एक जैन हैं। बाकी बची तीन सीटों में इलाहाबाद से उज्जवल रमण सिंह का नाम तय माना जा रहा है।

बीजापुर मुठभेड़ में 13 माओवादियों के शव बरामद, 18 घंटे चला एनकाउंटर

केटी न्यूज/छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुई मुठभेड़ में 13 नक्सलियों के शव बरामद हो गए हैं। मंगलवार देर रात तक 10 ही शव मिलने की सूचना थी। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव के मुताबिक करीब 18 घंटे चले एनकाउंटर में कुल 13 नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें महिला नक्सली भी हैं। विदित हो कि मंगलवार सुबह 6 बजे से शुरू हुई मुठभेड़ रात करीब 11 बजे खत्म हुई। जवानों ने नक्सलियों के पास से एके-47, एलएमजी जैसे ऑटो मैटिक हथियार भी बरामद किए हैं। बता दें कि टेकलगुड़ेम मुठभेड़ की आज तीसरी बरसी है। 3 अप्रैल 2021 में इस मुठभेड़ में 22 जवानों को नक्सलियों ने मारा था। वहीं, 3 साल बाद उसी इलाके में पुलिस ने एक साथ 13 माओवादियों को ढेर किया है। मुठभेड़ पर छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि सरकार नक्सलियों से चर्चा के लिए तैयार है। नक्सलियों के कोर इलाके में मुठभेड़पुलिस को सूचना मिली थी कि कोरचोली और लेंड्रा के जंगल में भारी संख्या में गंगालूर एरिया कमेटी के नक्सली मौजूद हैं। मंगलवार सुबह करीब 6 बजे जवान जब गंगालूर थाना क्षेत्र में नक्सलियों के कोर इलाके में पहुंचे तो मुठभेड़ हो गई। नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाते हुए फायरिंग शुरू कर दी।

इंडी गठबंधन के लोग दल मिलाना चाहते पर उनके दिल नहीं मिल रहे

अब जेल जाने में भी डर रहे अपराधी: सीएम योगी आदित्यनाथ

केटी न्यूज/आगरा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को फतेहपुर सीकरी में अपनी रौब में थे। एक तरफ उन्होंने उत्तर प्रदेश के अपराधियों पर प्रहार किया तो दूसरी तरफ इंडी गठबंधन को भी खूब लताड़ा। सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्ष के कार्यकाल का जिक्र कर लोगों से ही फिर एक बार मोदी सरकार की हामी भरवाई तो विपक्षी दलों पर हमला करते हुए कहा कि सपा-कांग्रेस को प्रत्याशी तक नहीं मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को फतेहपुर सीकरी से भाजपा प्रत्याशी, सांसद व भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर के समर्थन में विशाल जनचौपाल को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले अधिकांश क्षेत्रों में सूर्य अस्त होने के बाद थानों में भी ताले लग जाते थे। सामान्य नागरिकों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। अपराधी सोचते थे कि पिछली सरकारों की तरह ही यह सरकार भी रहेगी, लेकिन सरकार ने कहा कि हम जीरो टालरेंस की नीति पर चलेंगे। तुम अपराध बंद करो या कीमत चुकाने को तैयार रहो। ज्यादातर अपराधी जमानत तुड़वाकर जेल में चले गए। अब तो कह रहे हैं कि हमें जेल भी न भेजें। अब वहां भी जाने से डर रहे हैं। आप देख रहे होंगे, ज्यादातर अपराधी गली में तख्ती लगाकर घूम रहे हैं कि जिंदगी भर ठेला लगाकर पेट पाल लूंगा पर अब कुछ गलत काम नहीं करुंगा। बस एक बार जान बख्श दो। कानून का डर माफिया व अपराधियों पर न हो तो यह गरीबों, व्यापारियों व सामान्य नागरिकों का जीना मुहाल कर देंगे। यूपी में हर दूसरे दिन दंगा होता था। कांग्रेस व सपा की दंगा-कर्फ्यू पॉलिसी को जिस प्रदेश ने झेला है, वहां अब दंगा-कर्फ्यू नहीं चलेगा। यह प्रदेश अब उपद्रव बर्दाश्त नहीं करेगा, बल्कि परंपरागत उत्सव के साथ जुड़ेगा। उत्सव प्रदेश मोदी की गारंटी पर विश्वास करता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक ओर भाजपा के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन है तो दूसरी तरफ वे लोग हैं, जो दल को मिलाना चाहते हैं, लेकिन उनके दिल नहीं मिल पा रहे हैं। इंडी गठबंधन में जो लोग हैं, उनकी स्थिति भी आप देख रहे होंगे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने सभी सीटों पर प्रत?ाशी उतार दिए, लेकिन कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी, फिर भी वे गठबंधन का हिस्सा हैं। केरल में कम्युनिस्टों ने कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया, लेकिन वे इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं। यही हाल महाराष्ट्र समेत अलग-अलग क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। इनको प्रत्याशी नहीं मिल रहा है। कांग्रेस का प्रत्याशी सपा में और सपा का प्रत्याशी कांग्रेस में जा रहा है। तब किसी प्रकार जोड़तोड़ कर चुनावी अखाड़े में यह दांव आजमा रहे हैं।

चिराग पासवान पर पैसा फर्स्ट-परिवार फर्स्ट के तहत टिकट बेचने का लगाया आरोप

जनशक्ति पार्टी को लगा बड़ा झटका, ई. रविंद्र सिंह समेत कई दिग्गजों ने छोड़ी पार्टी

केटी न्यूज/पटना

देश के आम चुनाव से पूर्व आज एनडीए के घटक दल चिराग पासवान की जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को बड़ा झटका लगा है, जब पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव ई. रविंद्र सिंह, पूर्व मंत्री पूर्व लोकसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेणु कुशवाहा, पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुमार,मुख्य विस्तारक अजय कुशवाहा समेत कई नेताओं ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस दौरान इन नेताओं ने चिराग पासवान पर लोकसभा चुनाव के दौरान टिकट बेचने का आरोप भी लगाया और कहा कि जब आपके परिवार से लेकर पार्टी और सहयोगी दल भाजपा ने आपका साथ छोड़ दिया था, तब हम लोगों के जैसे सैकड़ों कार्यकताओं ने खून-पसीने से इस पार्टी को सींचा। हमने चिराग पासवान के विजन पर भरोसा कर दिन-रात अपनी पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के हजारों कार्यकताओं के ही मेहनत का फल था कि एनडीए गठबंधन को सीट शेयरिंग में लोजपा (रा) को पांच लोकसभा सीट देने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन, टिकट वितरण में जिस तरह से पार्टी के कार्यकताओं की भावनाओं, उनके खून-पसीने के मेहनत को रौंद दिया गया, वह हतप्रद कर देने वाला है। पार्टी के किसी कार्यकर्ता को लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया गया। 12 जून 2021 को हमारी पार्टी को तोड़ने में सबसे अहम भूमिका सांसद वीणा देवी ने निभायी थी। सर्वज्ञात है कि पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व में जिन पांच सांसदों ने पार्टी को तोड़ा था। उनकी सारी बैठक श्रीमती वीणा देवी के आवास पर होती थी। ई. रविंद्र सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वीणा देवी ने 12 जून 2021 को पार्टी में टूट के बाद चिराग पासवान के ही खिलाफ कैसी आपत्तिजनक बयानबाजी की थी। वे तब कह रही थी कि चिराग पासवान ने विधानसभा चुनाव में टिकट बेचा था। सांसद वीणा देवी ने हमलोगों के आदर्श पुरुष स्व. रामविलास पासवान के निधन को लेकर भी काफी अमर्यादित टिप्पणियां की थी। लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे के दो दिन पहले तक चिराग खुद कह रहे थे कि गद्दारों को टिकट नहीं दिया जायेगा।लेकिन उन्होंने ही न सिर्फ वीणा देवी को पार्टी का टिकट दिया बल्कि मीडिया में आकर उन्हें टिकट से पुरस्कृत करने को सही फैसला बताया, हमलोगों को स्तब्ध कर दिया है। पूर्व मंत्री पूर्व लोकसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेणु कुशवाहा ने कहा कि आज पूरे बिहार में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पार्टी और सदस्यता से त्याग पत्र देने वालों की सूची : -

1. **रेणु कुशवाहा, पूर्व मंत्री पूर्व लोकसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष**
2. **सतीश कुमार, पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय महासचिव**
3. **इं० रविन्द्र सिंह, प्रदेश संगठन सचिव**
4. **अजय कुशवाहा, मुख्य पार्टी विस्तारक**
5 **राजेश डांगी, प्रदेश महासचिव**
6 **डॉ० सुधीर प्र० यादव, कला संस्कृति एवं क्रिड़ा खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष**
7 **संजय लाल, प्रदेश सचिव**
8 **चितरंजन कुमार प्रदेश महासचिव**
9 **क्लेश कुमार यादव**
10 **दीपक कुमार**
11 **अविनव चंद्र** शामिल है।

शहाबुद्दीन ने जिस पार्टी को आसमान पर पहुंचाया, वह कर रही है अनदेखी

केटी न्यूज/पटना

पूर्व सांसद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने एक बयान देकर लालू-तेजस्वी की टेंशन बढ़ा दी है। सीवान सीट आरजेडी के खाते में है और हिना शहाब क्षेत्र में दौरा करते हुए लोगों से कह रही हैं कि जिस पार्टी को शहाबुद्दीन ने जमीन से आसमान तक पहुंचाया वह आज अनदेखी कर रही है। उनका यह बयान वाला वीडियो वायरल हो रहा है। हिना शहाब सीवान के गुठनी प्रखंड में गई थीं। यहीं एक कार्यक्रम के दौरान लोगों से बातचीत में उन्होंने आरजेडी को निशाने पर लिया। हिना शहाब ने लोगों से कहा कि यह जगह पुरानी नहीं है और ना ही नई है। हमेशा के लिए यह जगह हम लोगों की है और हम लोगों की रहेगी। समय ऐसा बना, परिस्थिति ऐसी बनी कि हम लोग को साहब ने जिस पार्टी को सींचकर जमीन से आसमान तक पहुंचाया उनके जाने के बाद स्वतः उन लोगों ने समेटना शुरू कर दिया। दरअसल हिना शहाब इस बार सीवान लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं। हिना शहाब का बयान वाला यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उनके इस बयान के बाद सीवान में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बता दें कि जब तक मोहम्मद शहाबुद्दीन थे तब तक आरजेडी ने हिना शहाब को सीवान से टिकट देकर चुनाव लड़ाया। अब शहाबुद्दीन के निधन के बाद हिना शहाब के बदले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी को आरजेडी से टिकट दिया गया और सीवान लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। ऐसे में हिना शहाब के समर्थकों का मानना है कि इस बार वे लोग आरजेडी का पुरजोर विरोध करेंगे। दूसरी ओर, भले हिना शहाब सीवान सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रही हों। लेकिन, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा है कि उनकी पार्टी हर तरह से मदद के लिए तैयार है।

पीएम मोदी करेंगे बिहार में चुनावी शंखनाद

जमुई। परिवारवाद की राजनीति को लेकर एक-दूसरे पर हमलावर रहने वाले पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खींचने लगी हैं। जहां सत्तारूढ़ दल भाजपा बिहार की सभी विपक्षी पार्टियों और खास कर-के लालू परिवार पर हमलावर रहती हैं वहीं तेजस्वी यादव ने अब परिवारवाद को लेकर भाजपा को निशाने पर लिया है। एनडीए के नेता अक्सर यह कहते नजर आते हैं कि राजद का मतलब सिर्फ लालू परिवार होता है। ऐसे में इस बार लोकसभा चुनाव में एनडीए कैंडिडेट के नाम जारी होने के बाद राजद को बैठे-बिठाए एनडीए के खिलाफ परिवारवाद पर बोलने का मौका दे दिया है तेजस्वी यादव ने परिवारवाद को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला बोला है। तेजस्वी ने कहा कि वो परिवारवाद की बात करते हैं। लेकिन खुद बिहार में अपनी चुनावी सभा की शुरूआत परिवारवादी कैंडिडेट के लिए ही कर रहे हैं। पीएम मोदी जमुई से बिहार में लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। एनडीए ने इस बार लोजपा के प्रमुख चिराग पासवान के बहनोई अरुण भारती को अपना प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में तेजस्वी ने पीएम मोदी पर ही परिवाद को बढ़ावा देने की बात कहकर जोरदार हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जमुई में चुनाव प्रचार करने आ रहे हैं। तेजस्वी ने कहा कि उनको खुद सोचना चाहिए कि वो अपनी पहली चुनावी सभा की शुरुआत अपने गठबंधन के लिए परिवारवादी उम्मीदवार के लिए कर रहे हैं। ऐसे में उनकी कथनी और करनी के बीच में बड़ा अंतर है।

प्रवीण तोगड़िया बोले-राम मंदिर को तोड़ने वालों की सोच अभी भी जिंदा

पटना। विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया बुधवार को पटना पहुंचे हैं। उन्होंने कहा है कि चुनाव आ रहा है, अपने पसंद की सरकार बनाएं। वहीं राम मंदिर क्या चुनावी मुद्दा बनेगा। इस सवाल पर प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि राम मंदिर चुनाव का मुद्दा कभी नहीं था। यह श्रद्धा का मुद्दा था, इसलिए राम मंदिर बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि काशी और मथुरा में भी मंदिर बनेगा। राम मंदिर को तोड़ने वाले के सवाल पर कहा कि जिन्होंने राम मंदिर तोड़ा है। वह ताकत भारत में आज भी जिंदा है।

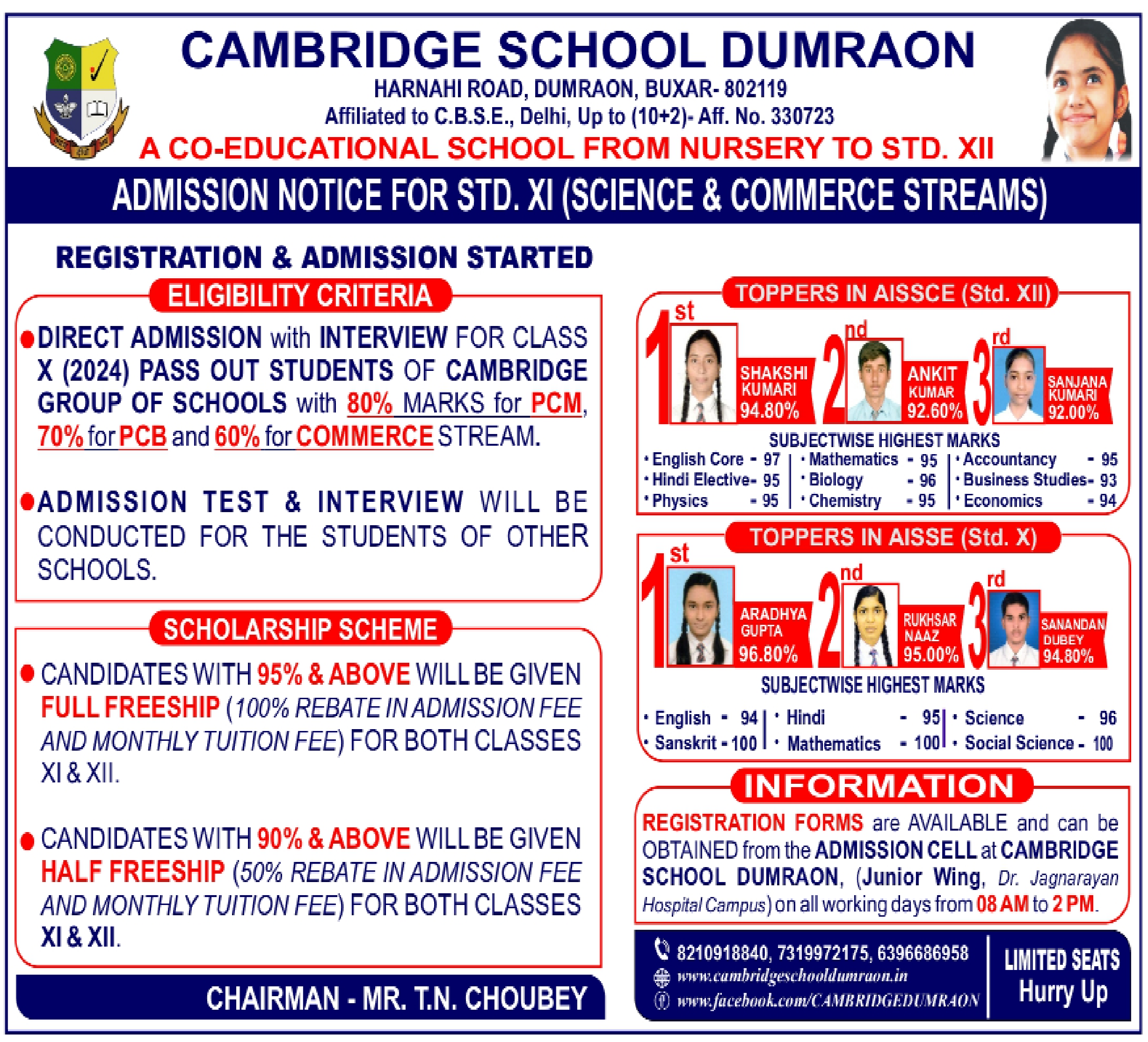

समाज सेवा के लिए प्लेटफार्म चाहिए, पैसों की भूख नहीं :आनंद मिश्रा

- आईपीएस आनंद मिश्र ने डुमरांव में आयोजित किया जन संवाद कार्यक्रम, बोले मैं किसी के बहकावे में नहीं बल्कि जमीर की आवाज पर नौकरी छोड़ आया हूं

केटी न्यूज/डुमरांव

मुझे समाज सेवा के लिए एक प्लेटफार्म चाहिए न कि पैसों के लिए मैं राजनीति में आया हूं। आईपीएस रहते भी समाज व देश की सेवा का मौका जरूर था, लेकिन वहां स्वच्छंदता नहीं थी। मैं समाज सेवा के परिधि को बढ़ाने तथा बिहार व बक्सर को विकसित बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। उक्त बातें आईपीएस आनंद मिश्र ने बुधवार को डुमरांव में अपने जन संवाद कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि एक खाकी वाला अनुशासित तथा राष्ट्रभक्त होता है। मुझमें भी वह गुण कुट कुट कर भरा है। उन्होंने कहा कि मैं स्वच्छंदता पूर्वक समाज की सेवा के लिए ही आपके बीच आया हूं। आईपीएस रहते मैने पद पदवी तथा प्रोटोकॉल देखे है। लेकिन जब भी छुट्टियों में गांव आता था तो मुझे अहसास होता था कि हमसे अधिक प्रतिभाशाली युवा भी हमारे समाज में है, जिन्हें सिर्फ मार्गदर्शन व सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सफलता के उंचाई पर चढ़ने के बाद भी जब मैं अपने पीछे सितारे के रूप में चमकते प्रतिभाशाली युवाओं को

देखता तो यह एहसास हुआ कि उन्हें भी वहां होना चाहिए जहां मैं आज हूं, बस इसी सोच के साथ मैं नौकरी छोड़ आ गया हूं। एक सवाल के जबाव में उन्होंने कहा कि मैं किसी लालच या किसी के बहकावे में नहीं बल्कि जमीन की आवाज सुन यहां आया हूं तथा लौट कर जाने वाला नहीं हूं। सिर्फ चुनाव लड़ना ही मेरा मकसद नहीं है, बल्कि मेरा मकसद है कि बक्सर जिला व पूरे बिहार में विकास की पहिया तेजी से बढ़े। युवाओं को रोजगार मिले, लोगों को स्वास्थ्य व शिक्षा की अच्छी सुविधा मिले। लेकिन, इसके लिए मुझे एक प्लेटफार्म की जरूरत है। मैं अपने सीमित संसाधनों अधिक लोगों की मदद नहीं कर सकता हूं। जिस कारण मैं चुनावी मैदान में उतर रहा हूं। उन्होंने वर्तमान राजनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सिर्फ सत्ता के लिए यहां सांट-गांठ और जाति धर्म की बातें होती है। लेकिन लोगों को बुनियादी सुविधाएं भी मयस्सर नहीं हैं। उन्होंने कहा मैं गड्ढें खोदने की जगह ब्रिज बनाने वाला हूं। चुनाव में जीत मिले या हार में अपने निर्धारित कार्यों को पूरा जरूर करूंगा। उन्होंने अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए लोगों से आशीर्वाद मांगा। मौके पर डुमरांव राज के युवराज शिवांग विजय सिंह, अंबरीश पाठक, रवि मिश्र, राजीव रंजन सिंह, विश्वजीत पाठक, बाल मुकुंद चौबे, अमरेन्द्र तिवारी समेत दर्जनों युवा मौजूद थे।

सिकरौल थाना क्षेत्र के पांडेयपुर गांव में सुबह की है घटना, सूचना पर पहुंची पुलिस

शौच के लिए घर से निकली महिला की गोली मार हत्या, देवर पर शक

- पति के हत्या के आरोप में जेल जा चुकी है मृतका, पिछले महीना ही बेल पर आई थी बाहर
- घटना के बाद गांव में हो रही है कई तरह की चर्चाएं, कई बिंदुओं पर जांच कर रही है पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव/नावानगर

सिकरौल थाना क्षेत्र के पांडेयपुर गांव में एक महिला की गोलीमार हत्या कर दी गई है। घटना बुधवार की अहले सुबह पांच बजे की बताई जा रही है। मृतका की पहचान पांडेयपुर के स्व. अक्षय कुमार पांडेय उर्फ बड़े पांडेय की पत्नी ममता देवी 40 वर्ष के रूप में हुई है। हत्या का आरोप उसके एक देवर पर लग रहा है। हालांकि, पुलिस अभी इस मामले में कुछ स्पष्ट नहीं बता सकी है वही समाचार लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज भी नहीं हुई थी। मृतका की छवि खुद दागदार रही है तथा उस पर उसी गांव के अपने कथित प्रेमी जितेन्द्र दूबे के साथ मिल 28 अप्रैल 2023 की रात अपने पति की धारदार हथियार से गला काट हत्या करने का आरोप भी है। इस आरोप में पुलिस उसे तथा उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेजी थी। अभी भी जितेन्द्र जेल में ही है, जबकि पिछले महीने ही ममता बेल पर बाहर आई थी तथा करीब एक पखवाड़े तक अपने मायके में रहने के बाद एक सप्ताह पहले ही अपने ससुराल आई थी। मिली जानकारी के अनुसार वह बुधवार की सुबह घर से शौच के लिए निकली थी, इसी दौरान घर के पास स्थित खलिहान में गोली मार उसकी हत्या कर दी गई। उसे दो गोली मारी गई है। हत्या का आरोप उसके देवर पर लग रहा है। घटना के बाद से देवर फरार है। वहीं इसकी सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुटी है। गौरतलब है कि 28 अप्रैल 2023 की रात अपने दरवाजे पर सो रहे अक्षय कुमार पांडेय की धारदार हथियार से गला रेत नृशंश हत्या कर दी गई थी। पुलिस की जांच में इस बात का खुलासा हुआ था कि उसकी पत्नी ममता ने अपने कथित प्रेमी जितेंद्र दुबे के साथ मिल इस हत्याकांड को अंजाम दिया है। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन जेल से बाहर आते ही उसकी भी हत्या कर दी गई। घटना के बाद से अनाथ हुए मासूम बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है। सिकरौल थानाध्यक्ष बिरेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव उसके एक रिश्तेदार तथा ग्रामीणों को सौंप दिया गया है। वही अभी तक इस मामले में किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। वैसे पुलिस इस मामले में कई बिंदुओं पर सूक्ष्मता से जांच कर रही है। वही जानकारी के अनुसार उक्त रिश्तेदार तथा कुछ ग्रामीणों ने ही मिलकर मृतका का अंतिम संस्कार किया।

पिता के बाद मां की हत्या से अनाथ हुए छह बच्चें, रो रोकर बुरा हाल: ममता की मौत से उसके छह बच्चें अनाथ हो गए है। पहले मां की हवस के कारण उनके सर से बाप का छाया हट गया था। जिसके बाद बच्चों की परवरिश उसके दो चाचा अजय पांडेय उर्फ छोटे पांडेय तथा विजय पांडेय उर्फ लवजी पांडेय कर रहे थे। लेकिन, जैसे ही ममता जेल से बाहर आई तो वह अपने बच्चों का देखभाल खुद करने लगी। इधर भाई की मौत के प्रतिशोध में दोनों ने मिलकर अपनी भाभी की हत्या कर दी। घटना के बाद से दोनों तथा उनकी पत्नियां भी घर से फरार हो गई है। अब घर में सिर्फ स्व. अक्षय पांडेय व ममता के पांच बच्चें बचे है, एक पहले से ही अपने मामा के घर रहता है। जानकारी के अनुसार मृतका के चार बच्चियां तथा दो बच्चों समेत कुल छह बच्चें है। सभी अभी नाबालिग है। बतया जाता है कि बड़ी बेटी भूमि अभी 13 वर्ष की है। उससे छोटी महिमा 11 वर्ष, पुतल 9 वर्ष, बेटा कान्हा 6 वर्ष तथा अंशी 4 वर्ष के अलावे एक अन्य बेटी का परवरिश उसके ननिहाल में होता है। इस घटना के बाद से घर में बच्चों के अलावे और कोई नहीं था। जिस कारण बच्चें दहाड़ मारकर रो रहे थे।

खबरें फटाफट

डीएम ने किया महदह बालिका छात्रावास का निरीक्षण

बक्सर। डीएम अंशुल अग्रवाल के द्वारा बक्सर प्रखंड के महदह में नवनिर्मित 100 आवासन वाले पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास का स्थलीय निरीक्षण किया गया। डीएम ने सत्र 2024-25 के प्रारंभ दिवस पर विभिन्न आयामों में विद्यालय प्रबंधन का जायजा लिया गया। विद्यालय में कक्षा 6, कक्षा 7 एवं कक्षा 9 में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग की बालिकाओं का शिक्षण एवं आवासान की व्यवस्था है। वर्तमान में अभी 82 बालिकाए नामांकित है। कुल पांच शिक्षक हैं, जिनमें से 04 महिला शिक्षिकाएं है। उक्त भवन में बालिकाओं के लिए मैस , चिकित्सा कक्ष, कॉमन रूम, आगंतुक कक्ष, लाइब्रेरी इत्यादि निर्मित है। डीएम ने प्रधानाध्यापक एवं सभी शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास में ही आवासन करने के साथ- साथ मेस में बने हुए भोजन करेंगे तथा भोजन परोसने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि भोजन ज्यादा गर्म न हो। डीएम ने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश किया गया कि छात्रावास परिसर अंतर्गत जितने भी साइन बोर्ड अंग्रेजी में लगे हुए हैं उन साइन बोर्ड को हिंदी में भी लगवाने का निर्देश दिया गया। साथ ही छात्रावास परिसर में पर्याप्त साफ सफाई कराने को भी कहा गया। संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को नियमित रूप से छात्रावास का पर्यवेक्षण करने का भी निर्देश दिया गया।

बीएलओ के साथ प्रेरित करेंगे सेक्टर पदाधिकारी

डुमरांव। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा बक्सर प्रखंड अंतर्गत मतदान केंद्रों यथा-मध्य विद्यालय महदह, उत्क्रमित उच्च विद्यालय नदांव एवं ग्राम कचहरी भवन का स्थलीय निरीक्षण किया गया। डीएम ने सेक्टर पदाधिकारियों को निर्देशित दिया कि संबंधित बीएलओ के साथ स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत 25-25 घरों में जाकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करें। डीएम ने नदांव के नोनिया टोला में डोर-टू-डोर मतदाताओं को एक जून को वोट देने हेतु प्रेरित करें। डीएम ने निर्देश दिया कि मतदान तिथि के दिन मतदान केन्द्रों पर साफ-सफाई, पेयजल, पर्याप्त रौशनी, शौचालय इत्यादि की व्यवस्था करें।

राजपुर में स्वच्छता अभियान पर ग्रहण, चार पंचायतों के मजदूरों ने खड़े किए हाथ

केटी न्यूज/केसठ

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के दूसरे फेज में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की अलख जगाने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च किए है। सभी पंचायतों में वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना के साथ ही डोर टू डोर कूड़ा का उठाव शुरू कराया गया है। लेकिन, कई पंचायातों में यह योजना धरातल पर नहीं उतर पा रही है। वही, स्थानीय प्रखंड के चार पंचायतों के मजदूरों ने मजदूरी नहीं मिलने से नाराज हो कूड़े का उठाव बंद कर दिया है। जिसकी शिकायत बीडीओ से की गई है। जिसपर संज्ञान लेते हुए बीडीओ ने पंचायत कार्यालय को पत्र निर्गत कर मजदूरों का भुगतान का फरमान जारी किया है। मिली जानकारी के अनुसार नागपुर, बन्नी, तियरा एवं हेठुआ पंचायत में ई-रिक्शा गाड़ी, ठेला गाड़ी की खरीद की गई, साथ ही घर-घर सूखे एवं गीले कचरे के लिए डस्टबिन का वितरण किया गया है। वही वार्ड अनुसार सफाई कर्मी बहाल किये गए। लेकिन, मजदूरों के मजदूरी का भुगतान नहीं होने से इन चार पंचायतों में कचरा उठाव का काम पिछले कई महीने से बंद पड़ा है। बताया जाता है कि मजदूरों के मजदूरी का भुगतान ग्रामीणों द्वारा दिए जाने वाले स्वच्छता शुल्क से ही किया जाना है। प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 30 रूपए बतौर शुल्क देना था। लेकिन ग्रामीण भी इस मामूली राशि का भुगतान नहीं कर रहे है। जिससे मजदूरों को समय से पैसा नहीं मिला पा रहा है। कूड़े का उठाव नहीं होने से गांव में गंदगी पसरने लगी है। इस संबंध में स्वच्छता समन्वयक रूपेश कुमार सिंह ने बताया कि सम्बंधित पंचायत के मुखिया एवं सचिव को पत्र देकर शीघ्र मजदूरों के मजदूरी का भुगतान करा दिया जाएगा।

कन्या मध्य विद्यालय डुमरांव की रिटायर्ड शिक्षिका सुधा कुमारी का समारोहपूर्वक हुआ विदाई

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के राजगढ़ चौक स्थित कन्या मध्य विद्यालय की सेवानिवृत्त शिक्षिका सुधा कुमारी को समारोह पूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम का आयोजन कन्या मध्य विद्यालय के प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत माल्यार्पण के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक ललन सिंह, वर्तमान प्रधानाध्यापक कमलेश सिंह सहित पूर्व बीआरपी शैलेन्द्र पांडेय उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में बीपीएम निर्भय कुमार रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक ललन सिंह ने व मंच संचालन का कार्य शिक्षक जय किशन केसरी ने काफी रोचक ढंग से किया। इस अवसर पर सभी ने अपने-अपने उद्गार व्यक्त किया। विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक ललन सिंह ने रिटायरमेंट को एक नए अध्याय की शुरूआत बताया तथा इसको अपने परिवार के साथ संतोष और शांति पूर्वक बिताने की नसीहत दी। इसी क्रम में विद्यालय के वर्तमान प्रधानाध्यापक कमलेश सिंह ने विद्यालय परिवार के तरफ से तैयार किया गया प्रतिवेदन को पढ़ा। इस अवसर पर डुमरांव नगर के सारे शिक्षक और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उपस्थित व्यक्तियों में प्रमुख

रूप से संतोष ठाकुर, अर्चना सिंह, अनीता सिंह, आरती केसरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के कड़ी के रूप में महारानी उषा रानी बालिका मध्य विद्यालय की सेवानिवृत शिक्षिका गीता कुमारी देवी ने भी अपने अनुभवों को मंच के माध्यम से साझा किया। उन्होंने इसको सकारात्मक ढंग से लेने की बात कही तथा सेवानिवृत्ति को जीवन का एक नया अध्याय बताया। कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए विद्यालय परिवार सहित विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आईआरएस के लिए पड़री, साहोपारा और बड़का नुआंव गांव का किया गया है चयन

कालाजार उन्मूलन को लेकर सदर प्रखंड के तीन गांवों में होगा दवाओं का छिड़काव

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में कालाजार उन्मूलन को लेकर दवाओं के छिड़काव की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस क्रम में बीते दिन सदर प्रखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सभागार में छिड़काव दल को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उन्हें छिड़काव से संबंधित बारीकियों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता करते हुए अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि विगत तीन वर्षों में मिले कालाजार के मामलों को देखते हुए जिले के सदर प्रखंड स्थित तीन गांवों में ही इंडोर अंदरूनी अवशिष्ट छिड़काव (आईआरएस) के लिए पड़री, साहोपारा और बड़का नुआंव गांव का चयन गया है। इन कालाजार प्रभावित गांवों में सिंथेटिक पैराथायराइड (एसपी) पाउडर का छिड़काव किया जायेगा। अभियान की सफलता को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सारी तैयारियां पूरी कर रखी हैं। वहीं, गांवों में छिड़काव के दौरान किसी प्रकार की कोताही न बरती

जाए, इसके लिए निगरानी टीम का गठन किया जायेगा। जो घरों में हो रहे छिड़काव की निगरानी के साथ पूर्व के मरीजों का फॉलोअप भी करेंगे। ताकि उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके।

आईआरएस के पूर्व किया गया सर्वे: सदर प्रखंड के सामुदायिक उत्प्रेरक प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि जिन गांवों में 2021 से 23 तक कालाजार के मरीज मिले हैं, वहां सर्वे किया गया। जिसके तहत अब उन गांवों में कालाजार उन्मूलन को लेकर दवाओं का भी छिड़काव कराया जाएगा। ताकि, लोगों को कालाजार की चपेट में आने से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि 2023 में सदर प्रखंड के पड़री में पीकेडीएल का एक मरीज और साहोपारा में कालजार के एक मरीज की पुष्टि हुई थी। 2022 में पड़री में एक कालाजार के मरीज की पुष्टि हुई। आईआरएस के लिए संबंधित गांव के आशा फैसिलिटेटर से माइक्रोप्लान ले लिया गया है। प्रखंडों के साथ-साथ जिलास्तर पर भी एक माइक्रोप्लान तैयार किया गया। जिसके एक्शन प्लान के अनुसार तय मियाद में छिड़काव का कार्य पूरा किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी। यदि कोई कार्य में लापरवाही करता है। तो उसके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

दो पक्षों के बीच हुए मारपीट में तीन घायल

केसठ। प्रखंड के स्थानीय गांव में बुधवार की शाम दो पक्ष में जमकर लाठी डंडे चले। जिसमे दोनो पक्ष के तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम अजीत तुरहा व छठू प्रसाद की पत्नी फूल कुमारी के बीच जमकर मारपीट हो गई। जिसमे एक पक्ष के अजीत तुरहा व उनकी पत्नी लीलावती देवी बुरी तरह घायल हो गए। वही दूसरे पक्ष के फूल कुमारी देवी घायल हो गई। सभी घायलों का ईलाज प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र केसठ में कराया गया। अजीत तुरहा की पत्नी लीलावती देवी व अजीत तुरहा को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया गया।घटना के संबंध में अजीत तुरहा ने बताया की पूर्व में उनका जमीन उनके भाइयों द्वारा बिना उनसे पूछे ही छठु प्रसाद को बेच दिया है। तो दूसरे पक्ष के फूलकुमारी देवी ने बताया की अजीत तुरहा शराब पीकर उसके दरवाजा पर आ कर गाली गलौज व मारपीट करने लगा। वही इस संदर्भ में नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया की दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद में मारपीट हुआ जिसमे दोनों पक्ष के लोग घायल है। जिनका ईलाज चल रहा। पुलिस घटना स्थल पर पहुंच अनुसंधान कर रही है। आगे आवेदन मिलने पर करवाई की जाएगी।

जमीन मापी के दौरान भिड़े दोनों पक्ष, चार जख्मी

नावानगर। बासुदेवा ओपी क्षेत्र के गोविंदपुर गांव में जमीन मापी के दो पक्षों में जमकर लाठियां चली। जिसमें चार लोग कामेश्वर सिंह, बिरेंदर सिंह, अक्षय कुमार व चंदन कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मिली जानकारी के अनुसार गोविंदपुर गांव में कामेश्वर सिंह व तेजनारायण सिंह के बीच पूर्व से जमीन विवाद चल रहा था। फिलहाल नाली निर्माण को लेकर तेजनारायण सिंह द्वारा अंचल कार्यालय में मापी के लिए आवेदन दिया गया था।आवेदन के आलोक में अंचल अमीन द्वारा जमीन की मापी की गई। मापी के बाद निरीक्षण के लिए बुधवार को जैसे ही सीओ रानी कुमारी पहुंची दोनो पक्ष आपस में भिड़ गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए घटना स्थल पर पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस द्वारा हालात को काबू में किया गाया। जख्मी कामेश्वर सिंह ने बताया कि मेरे रैयती जमीन में जबरन नाला का निर्माण करवाया जा रहा है। वही सीओ ने बताया की दोनो पक्षों के बीच पूर्व से जमीनी विवादी थी। बुधवार को जमीन मापी के बाद दोनो पक्ष आप में भिड़ गए। साथ ही ओपी अध्यक्ष ने बताया की दोनो पक्षों से अभी आवेदन नहीं मिली है। आवेदन मिलते ही कर्रवाई की जाएगी।

मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन, एक गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव स्थित एक चिन्हित जगह पर छापेमारी कर मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने मौके से 25 लीटर देशी चुलाई शराब तथा शराब बनाने के उपकरण के साथ ही एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान टुनटुन चौधरी पिता लालबाबू चौधरी के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई है।

कृष्णा नगर से चोरों ने उड़ाये लाखों के गहने

डुमरांव। अनुमंडल के नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के डीके कॉलेज रोड स्थित कृष्णा नगर कॉलोनी से अज्ञात चोरों ने एक घर से लाखों के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। इस मामले में पीड़ित कृष्णा नगर निवासी मुन्ना प्रसाद ने ओपी थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कराया हैं। पीड़ित ने अपने आवेदन में पुलिस को बताया है कि वह अपना घर बंद कर अर्जुनपुर गांव गया था। इसी दरम्यान अज्ञात चोर सीढ़ी के गेट का ताला तोड़ घर में घुस आया और कमरे का ताला तोड़ बक्से में रखे गये सोने के अंगूठी, लॉकेट, चेन, हार, नथिया, बाला, मांगटीका, चांदी के कमरबंद, पायल, बिछिया, लैपटॉप, टीवी के अलावे अन्य महंगे सामानों की चोरी कर ली। घर बंद रहने के कारण किसी को इसकी भनक तक नहीं मिल पायी थी। जब वापस लौटे। तब उनलोगों को इस घटना की जानकारी मिली। ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर चोरों की खोजबीन शुरू दी हैं।

आपसी विवाद में मारपीट केस दर्ज

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर में आपसी विवाद को लेकर दो पक्ष आपस मे उलझ पड़े, जिसमें एक पक्ष के बाप-बेटे जख्मी हो गये, जिनका इलाज अस्पताल में हुआ। इस मामले में ओपी थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर निवासी विनोद प्रसाद ने पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया हैं। घटना को लेकर बताया जाता है कि पीड़ित अपने घर के बाहर बैठा था। तब ही शशिकांत गुप्ता समेत पांच लोगों वहां आ धमके और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जब बीचबचाव करने बेटा अंकुर आया तो उसकी भी पिटाई कर दो गयी। ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर पुलिस मामले को दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी हैं।

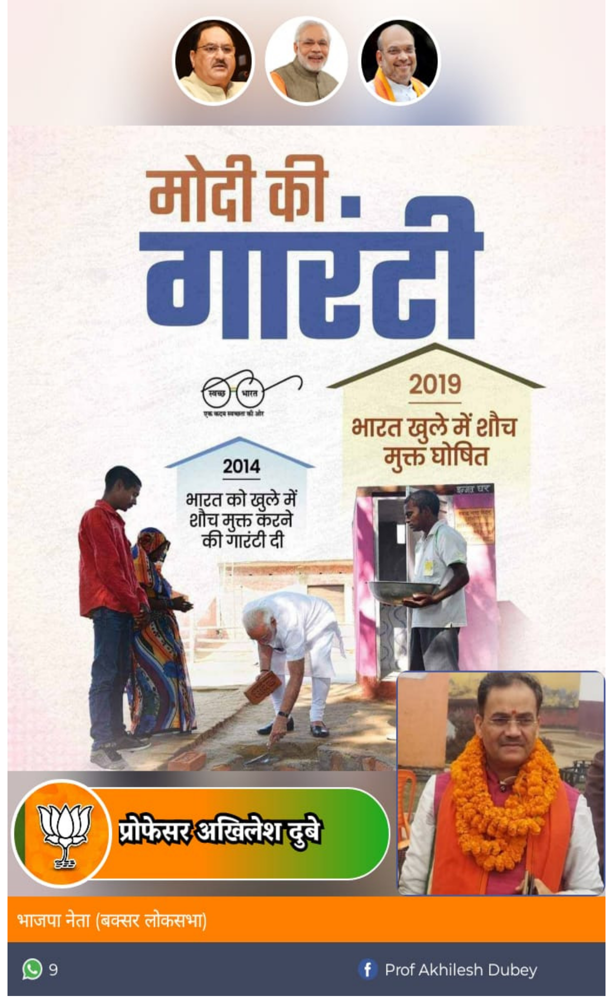

खिड़की का ग्रिल उखाड़ घर से जेवर और नगदी समेत लाखों की संपत्ति की चोरी

- होली में मायके गयी थी गृहस्वामिनी, घर खाली देख सारा सामान उड़ा ले गए चोर
- आवेदन मिलने के बाद मामले की छानबीन और चोरों की धरपकड़ में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा

शहर के नवादा थाना क्षेत्र के न्यू शीतल टोला मोहल्ले में स्थित एक घर में चोरी की घटना हुई है। चोर घर की खिड़की का ग्रिल उखाड़ जेवर और नगदी समेत लाखों रुपए का सामना लेकर चंपत हो गये हैं। चोरी शशिकला देवी के घर हुई है। घटना के समय वह अपने मायके गयी थी। किरायेदार भी अपने गांव गये थे। इस संबंध में शशिकला की ओर से थाना में आवेदन दिया गया है। उसमें डेढ़ लाख नगद और करीब 15 लाख रुपए के सोने व चांदी के जेवरात की चोरी की बात कही गई है। आवेदन में कहा गया है कि वह अपने बेटे के साथ होली मनाने 22 मार्च को अपने मायके जमशेदपुर चलीं गई थी। किराएदार भी 20 मार्च को अपने गांव चलीं गई थी। 29 मार्च को किराएदार आरा आयी, तो उनके घर की एक कमरे की कुंडी

टूटी और दरवाजा खुला मिला। उसकी जानकारी उन्होंने वीडियो और ऑडियो कॉल से दी। उससे चोरी की आशंका हुई। उस पर वह एक अप्रैल 24 को बेटे सन्नी के साथ घर पहुंची, तो देखा कि एक दूसरे कमरे की खिड़की का ग्रील खुला है। कमरे के दरवाजा को खोला, तो गोदरेज का सारा सामान पलंग पर बिखर पाया। गोदरेज में रखा डेढ़ लाख कैश के अलावा उनकी बहू और बेटी के सोने व चांदी के सारे जेवर गायब हैं। इसके बाद वह छत पर गईं, तो सिंदूर का किया और हार का कटा हुआ धागा गिरा था। शशिकला देवी के अनुसार चोरी गये जेवर की कीमत लगभग 15 लाख थी। उसमें सोने के दो हार, सोने के दो जोड़ा कंगन, सोने के दो मंगटीका दो, सोने के दो जोड़ी झुमके, सोने के चार जोड़ी टाप, सोने की दो नथिया दो, सोने की छह अंगूठी, सोने की दो चेन, डायमंड का मंगलसूत्र और चांदी के छह जोड़ी पायल शामिल हैं। पुलिस मामले की छानबीन और चोरों की धरपकड़ में जुटी है।

एक नजर

शौच करने गए बुजुर्ग की नदी में डूबने से हुई मौत

जहानाबाद। बुधवार की दोपहर नदी में डूबने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मामला मखदुमपुर डीह इस्थित समोचक मुसहर टोली के समीप

जमुना नदी की है। मृतक की पहचान मखदुमपुर डीह वार्ड 16 समोचक मुसहर टोली निवासी 55 वर्षीय बिलास मांझी के रूप में की गई है। घटना के सम्बंध में मृतक बिलास मांझी की पत्नी शांति देवी ने बताया कि बिलास मांझी बुधवार की दोपहर करीब 2 बजे शौच करने के लिए राजकीय प्राथमिक विद्यालय मुसहर टोली के करीब जमुना नदी के किनारे गए थे। कुछ घण्टे बीतने के बाद खबर मिली कि वो नदी के दलदल में गिरे हुए है। घटना स्थल पर जाकर देखा तो वो मृत पाए गए। आगे पत्नी जानकारी देते हुए बताई कि घर मे सब ठीक ठाक था बेटे की शादी में 12 दिन बचे थे लेकिन वो खुद ही दुनिया से चले गए। घटना से घर वालो का रो रो कर बुरा हाल है।

इंद्रपुरी पुलिस लोकसभा चुनाव को लेकर हुई अलर्ट

इंद्रपुरी (रोहतास)। बस चंद दिनों में होने वाली लोकसभा चुनाव को लेकर इंद्रपुरी पुलिस हुई अलर्ट। जिस चुनाव को ध्यान में रखते हुए स्थानीय

पुलिस ने क्षेत्र के सभी मुख्य सड़क पथों पर सघन जांच को लेकर चेक पोस्ट स्थापित कर दिया है। इस बात की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस चेक पोस्ट की मदद से थाना क्षेत्र में सभी दो पहिया,चार पहिया, नीजी सहित सार्वजनिक वाहनों के हर तरह की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। साथ ही बताया कि इंद्रपुरी थाना क्षेत्र के सभी जगहों पर 24 घंटे पुलिस की मौजूदगी में सभी वाहनों की सघन जांच जारी रहेगी।

अवैध रूप से बिजली चोरी में तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज (रोहतास)। बिलिंग गुणवत्ता एवं बकायेदार उपभोक्ताओं की जांच को लेकर एक जांच दल का गठन किया गया। जिस जांच में अवैध रूप से विद्युत चोरी को लेकर कनीय विद्युत अभियंता दावथ अर्जुन कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराया है। उसने बताया कि बकायेदार उपभोक्ताओं का विद्युत विपत्र की राशि बकाया रहने के कारण विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर विद्युत कनेक्शन काट रही है। इसके बावजूद कुछ उपभोक्ताओं द्वारा बिना बकाया राशि एवं रिकनेक्शन शुल्क जमा किये बिना अवैध रूप से तार जोड़कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे थे। जो विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार ग्राम सेमरी गांव उपभोक्ताओं का बकाया पर विद्युत कनेक्शन कटने के पश्चात अवैध रूप से तार जोड़कर जलाने को लेकर पुष्पा देवी पर 72481रुपए, सीताराम साह पर 31510 रुपये राजस्व की क्षति लगाई गई है। वही बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से बिजली चोरी को लेकर ग्राम-मालियाबाग के मुकेश कुमार पर 18526 रुपए जुमार्ना लगाई गयी है। श्री कुमार से बिजली संबंधित कागजात की मांग करने पर कोई कागजात नहीं दिखाई गई।

खबरें फटाफट

मरम्मत कार्य को लेकर विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

सासाराम (रोहतास)। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा, तकिया अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तकनीकी गड़बड़ी सुधारने को लेकर 4 से 5 अप्रैल को 11 केवी गौरक्षणि फीडर का लाइन सुबह 7 बजे से 9 बजे तक बन्द रहेगी। कनीय विद्यु अभियंता तकिया सौरभ गुप्ता के द्वारा बताया गया कि गौरक्षणि फीडर से निर्गत सभी एलटी एवं एचटी लाइन में सटे वृक्ष की छटाई हेतु तथा अनिवार्य तकनीकी गड़बड़ी सुधारने को लेकर विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। कनीय विद्युत अभियंता, उनके द्वारा सभी उपभोक्ताओ को आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपनी जरूरी काम को लोग निपटा ले।

वाहन चेकिंग में पुलिस ने काटा 25 हजार का चालान

काराकाट (रोहतास)। वाहन चेकिंग अभियान के तहत काराकाट पुलिस ने बाइक व चार पहिया वाहनों से ऑन लाइन जुमार्ना काटा। एएसआई घनश्याम कुमार व एएसआई रफीक अंसारी के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। बताया गया कि नासरीगंज-बिक्रमगंज एनएच 120 पर जोरावरपुर के पास वाहन चेकिंग किया गया। वाहन चेकिंग में बाइक व वाहनों से चालक से हेलमेट, कागजात , ड्राइविंग लाइसेंस सहित सभी प्रकार के कागजातों की जांच की गई। वाहन चेकिंग में ऑन लाइन चालान 25 हजार रुपये जुमार्ना काटा गया। साथ ही बताया कि वाहन चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

पशु मेला से चोरों ने उड़ाया बाइक

काराकाट (रोहतास)। काराकाट में लगने वाले पशु मेला से चोरों ने एक बाइक उड़ाया। इस संबंध में बाइक ऑनर रामपूजन मौआर जो भोजपुर जिला के सहार थाना क्षेत्र के खड़ाव चतुर्भुज का निवासी ने बताया कि वह काराकाट पशु मेला में पशु खरीदने बाइक से आये हुए थे। जो पशु मेला परिसर में बाइक लगा पशु खरीदारी में लग गए।

रफ्तार का कहरः धनपुरा में पेट्रोल पंप के समीप की आज दोपहर की घटना

ट्रैक्टर व ऑटो की भिड़ंत में महिला समेत दो की मौत, पति-पत्नी समेत पांच जख्मी

- ऑटो पर सवार लोग आलू उखाड़ने चरपोखरी से जा रहे थे गीधा, रास्ते में ट्रैक्टर ने मार दी ठोकर
- एक ने इलाज के दौरान सदर तो दूसरे ने प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाने के दौरान तोड़ा दम

केटी न्यूज/आरा

आरा-पटना हाइवे पर टाउन थाना क्षेत्र के धनुपरा स्थित पेट्रोल पंप के समीप बुधवार की सुबह ट्रैक्टर और ऑटो में जोरदार टक्कर हो गई। उसमें ऑटो सवार महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। एक ने इलाज के दौरान, तो दूसरे ने हॉस्पिटल ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे में मृत महिला के पति पांच अन्य लोग भी जख्मी हो गए। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर भाग निकला। ऑटो चालक भी फरार हो गया। मृतकों में चरपोखरी थाना क्षेत्र के बरनी गांव निवासी प्रेमचंद राम का 55 वर्षीय पुत्र दिनेश राम और उसी थाना क्षेत्र के रसूलपुर टोला निवासी बैजनाथ राम की 54 वर्षीया पत्नी मुनेश्वरी देवी शामिल थी। घायलों में बरनी गांव निवासी 45 वर्षीय विनोद राम, उनकी 40 वर्षीया पत्नी इंदु देवी, आठ वर्षीय पुत्र अंशु कुमार तीन वर्षीय पुत्र मिथलेश कुमार और रसूलपुर टोला निवासी स्व.जगदेव राम के 60 वर्षीय पुत्र वैजनाथ राम शामिल हैं। वैजनाथ राम मृतका मुनेश्वरी देवी के पति हैं। मृत दिनेश राम की भाभी इंदु देवी ने बताया कि सभी लोग बरनी गांव से ऑटो रिजर्व कर आलू उखाड़ने के लिए गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर गांव जा रहे थे। उसी दौरान धनुपरा रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप सामने से दिशा से आ रहे एक ट्रैक्टर ने ऑटो में जोरदार ठोकर मार दी। उससे ऑटो सवार सभी लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उसके बाद स्थानीय लोग की मदद से टाउन थाने की पुलिस द्वारा सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। उसी क्रम में दिनेश राम ने अस्पताल ले रास्ते में दम तोड़ दिया, तो मुनेश्वरी देवी की इलाज के दौरान सदर अस्पताल मौत हो गयी। उसके बाद सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी द्वारा दोनों का पोस्टमार्टम कराया गया।

हादसे ने किसी की मां, तो किसी के पिता को छीना, दो घरों में कोहराम

भोजपुर में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। हर रोज लोग सड़क हादसे के शिकार हो रहे हैं और किसी न किसी घर की खुशियां छीन रही है। बुधवार की सुबह भी सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गयी। उससे दोनों घरों में कोहराम मच गया। हादसे ने किसी का पति, किसी की मां तो किसी का पिता छीन लिया। बताया जा रहा कि मुनेश्वरी देवी को चार पुत्र और दो पुत्री है। वहीं दिनेश राम के परिवार में पत्नी लीलावती देवी, दो पुत्री और एक पुत्र है। घटना के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है। दोनों के घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चुनाव से पहले ही काराकाट में उपेंद्र कुशवाहा ने जीत का बिगुल फूका

- लोकसभा में एनडीए के 400 पार जीत के लिए कार्यकर्ता हुए एकजुट

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

काराकाट संसदीय क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को काराकाट विधानसभा स्तरीय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सभी कार्यकताओं के साथ बिक्रमगंज स्थानीय शहर के राणा सागर सभागार में काराकाट लोकसभा एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा ने बैठक की। जिस लोकसभा चुनाव को लेकर एनडीए कार्यकताओं ने संकल्प लेते हुए एनडीए प्रत्याशी सह पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को प्रचंड बहुमत से जीत के प्रति विपक्षी दलों को आश्वस्त करते हुए संदेश दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें उपेंद्र कुशवाहा ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि काराकाट लोकसभा में एनडीए कार्यकर्ता क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं दिल से सुने। इसकी जानकारी मुझे तत्काल दें। क्योंकि एनडीए गठबंधन का एक उद्देश्य है कि पूरे देश में लोगों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ-सबका विकास हो। जो इस बार लोकसभा चुनाव में देश की जनता यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में हुए ऐतिहासिक विकास कार्य को लेकर 400 के पार जीत पर मुहर

लगाने का कार्य करेगी। चुनाव के दिन मतदाता बूथ केंद्रों पर लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी को चुनाव चिन्ह पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार कर विपक्षी दलों को करारा जवाब देगी। जिसको लेकर अभी से ही काराकाट लोकसभा क्षेत्र में विपक्षी दलों के प्रत्याशी सहमे नजर आ रहें है। मौके पर जिलाध्यक्ष कपिल कुशवाहा,भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील चंद्रवंशी, अजय कुशवाहा, पंकज सिंह, संतोष चंद्रवंशी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश चौहान,अजय कुशवाहा, बसंत पटेल,आकाश पटेल, भाजपा अतिपिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष नवीन चंद्र शाह, संजय वर्मा,अमरेश चौधरी,अजय यादव,विजय सिंह, पिंटू चंद्रवंशी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

आपराधिक वारदात को अंजाम देने निकला बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

- जगदीशपुर थाने के बभनिआंव गांव से मंगलवार की रात पकड़ा गया अपराध कर्मी
- गिरफ्तार अपराध कर्मी के पास से एक देसी कट्टा और चार गोलियां बरामद

केटी न्यूज/आरा

जगदीशपुर थाने की पुलिस ने किसी बड़ी घटना को अंजाम देने निकले एक अपराध कर्मी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक देसी कट्टा और चार गोलियां भी बरामद की गयी है। पकड़ा गया अपराध कर्मी जगदीशपुर थाने के बभनिआंव गांव निवासी सुद्धेश्वर सिंह का पुत्र मनजी कुमार है। बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से प्रेस बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। कहा गया है कि मंगलवार की रात करीब करीब दस बजे सूचना मिली कि बभनिआंव गांव में एक अपराधी तत्व किसी बड़ी घटना को को अंजाम देने की फिराक में हथियार लेकर घूम रहा है। उस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए अपराधी कर्मी की गिरफ्तारी को लेकर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम द्वारा तत्काल छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और चार गोलियां बरामद की गयी। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर और पूछताछ करने के बाद उसे जेल भेजा जा रहा है। छापेमारी टीम में एएसआई रामानुज कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

शौच को निकली भाभी को देवरों ने गोली मार की हत्या

केटी न्यूज/औरंगाबाद

नावानगर (बक्सर) सिकरौल थाना के पाण्डेयपुर गांव में बेटी के साथ शौच करने जा रही विधवा महिला की गोली मारकर हुई हत्या। जिसके बाद गांव में अफरा तफरी मच गई। बताया जाता है कि इस घटना को वारदात देने वाला कोई और नही उसका अपना दो देवर ही निकला। जो मृतिका अपने पति के हत्या के आरोप में लगभग एक साल जेल में रह कर होली के एक दिन पूर्व घर पहुची थी। पुलिस से मृतिका की बेटी महिमा कुमारी ने कहा कि वह अपनी मां ममता कुंवर के साथ सुबह शौच को जा रही थी।

इसी बीच उसके दोनो चाचा ने रास्ते मे रोक कर मारपीट करने लगे। जिस मारपीट में उसकी मां गिर गई। इसी बीच दोनों ने देशी कट्टा निकाल गोली चला दिया। जिसमें पहली गोली नही चली तो पुनः दूसरी बार फायर कर गोली मार दी। जिस घटना में उसकी गोली मां जख्मी हो गई। जिसे बचाने के बच्ची ने लोगो को आवाज लगा बुलाने लगी। इसके बावजूद उसे कोई बचाने नही आया। जिस घटना में उसकी मौत हो गई। दूसरी तरफ इस घटना की जानकारी मिलते ही सिकरौल थानाध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये बक्सर जिला सदर अस्पताल भेज दिया। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक पीड़ित परिवार के तरफ से कोई आवेदन नही मिला है लेकिन मृतिका के बेटी द्वारा देवर अजय पाण्डेय और विजय पाण्डेय पर हत्या का इल्जाम लगाया गया है दोनो घर से फरार है। मृतिका ममता देवी के पति अक्षय पाण्डेय का हत्या कुल्हाड़ी से गला काट कर 28 अप्रैल 23 को हो गई थी। जिस वक्त हत्या हुई थी उस वक्त मृतक अपने दरवाजे पर सोया हुआ था पुलिस को गुमराह करते हुए मृतिका ने प्राथमिकी दर्ज कराया गया था जबकि पुलिस ने हत्या में पत्नी और उसके प्रेमी जितेंद दुबे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था मृतिका अपने पीछे चार बेटी और दो बेटा छोड़ कर गई है।

खबरें फटाफट

लावारिस युवक का शव मिलने से क्षेत्र में मची सनसनी

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के पटपरा गांव के समीप सड़क किनारे 40 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए जिला चिकित्सालय स्थित मर्चरी में रखवा दिया। क्षेत्र के पटपरा गांव के समीप सड़क किनारे 40 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते ग्रामीणों की काफी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पहचान करने का काफी प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं होने पर शव को जिला चिकित्सालय स्थित मर्चरी में पहचान के लिए रखवा दिया। इस संबंध में एसआई अर्जुन ने बताया कि मृतक गोरा रंग, एकहरी बदन का है ।काल टी-शर्ट,ब्लू रंग का फुल लोअर पहना हुआ है। लावारिस हालत में इसका शव मिला। पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

स्कूल वाहन ने बाइक और टेंपू में मारी टक्कर, टेंपू पलटा, पांच जख्मी

बलिया। उभांव थाना के बभनियांव गांव के पास बुधवार को मधुबन मार्ग पर तेज रफ्तार एक स्कूली टाटा मैजिक वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी और हादसे के बाद भागने के प्रयास में एक टेंपू से भी जा टकराया। जिससे टेंपू पलट गया। जिससे बाइक और टेंपू सवार दो महिला समेत पांच लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गए। हादसे के बाद तत्काल स्कूली टाटा मैजिक वाहन चालक मौके से वाहन समेत फरार हो गया। जबकि आसपास के लोगों की मदद से किसी तरह टेंपू को सीधा किया गया। टेंपू चालक को हल्की चोटें आई थी। जिसके कारण टेंपू चालक भी अपना वाहन लेकर मौके से निकल गया। जबकि टेंपू सवार श्रीमती संगीता देवी 30 वर्ष और लीलावती देवी 45 वर्ष सिकंदरपुर निवासी दोनों सास-बहू गंभीर रुप से जख्मी हो गई। वहीं बाइक सवार साहिल और राहुल कुमार ग्राम जवाहिरपुर निवासी गंभीर रुप से जख्मी हो गए।

काले धान को नहीं मिला बाजार, किसानों का स्याह भविष्य

पवन तिवारी/चंदौली

वर्ष 1997 में बाबा विश्वनाथ की काशी नगरी से अलग होकर धान का कटोरा कहे जाने वाला क्षेत्र चंदौली के नए नाम से पहचाने जाने लगा। तत्कालीन मायावती सरकार ने जब इस क्षेत्र को जिला बनाने का निर्णय लिया था तो ऐसा लगा था कि वाराणसी के पूर्वी क्षेत्र स्थित यह क्षेत्र कृषि विकास के नए प्रतिमान स्थापित करेगा, लेकिन प्रशासनिक जिजीविषा की कमी ने काले धान के किसानों का भविष्य भी स्याह बना दिया है।

योगी सरकार ने एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत चंदौली को काले धान का हब बनाने का प्रयास किया, लेकिन अफसरों के अदूरदर्शी निर्णयों ने धान की नई प्रजाति की खेती करने वाले किसानों की उम्मीदों को तार तार कर दिया। स्थिति यह रही कि जिन किसानों ने काले धान की खेती तमाम संसाधन लगा कर किया था उनको ना तो बाजार मिला और ना ही खरीदार। शासन की ओर से कहा गया था कि काले धान की विदेशों में बड़ी मांग है। जिला प्रशासन द्वारा कई तरह की कृषि प्रदर्शनियों में इसकी मांग को बढ़ा चढ़ा कर प्रस्तुत किया गया था। इससे उत्साहित होकर काफी संख्या में किसानों ने काले धान का बीजारोपण किया था, लेकिन जब फसल तैयार हुई तो इसके खरीदार नदारत मिले। अब काले धान की खेती करने वाले किसान अपने निर्णय पर पछताने के अलावा कुछ नहीं कर पा रहे हैं। नई प्रजाति के धान को रोपने के लिए किसानों ने काफी धन भी लगाया था जिसकी भरपाई करना भी मुश्किल हो रहा है। चकिया के प्रगतिशील किसान राम अवध सिंह बताते हैं कि जिस जोर-शोर से काले धान के व्यवसाय को प्रचारित प्रसारित किया गया था दरअसल वह कहीं था ही नहीं। कहा गया था कि मधुमेह के रोग में यह धान हितकारी होगा, लेकिन अब तक औषधि गुण से भरपूर कहे जाने वाला धान अपने लिए बाजार नहीं ढूंढ सका।काले चावल की खेती करने वाले कांता जलालपुर गाँव के धनंजय मौर्य ने अब इसे उगाना बंद कर दिया है। काले चावल की मिलिंग एक समस्या है। अधिकारियों को मध्यम और छोटे किसानों को उचित मिलिंग और प्रसंस्करण सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करने की जरूरत है।

अपर जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी की गई निषेधाज्ञा

इस बार धारा 144 के बीच मनेगा ईद, रामनवमी, महावीर जयंती व बुद्ध पूर्णिमा का पर्व

♦ कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह जुलूस या गिरोह बनाकर किसी सार्वजनिक वाहन या मार्ग पर सामान्य आवागमन में कोई अवरोध नहीं करेगा

केटी न्यूज/ गाजीपुर

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के कार्यक्रम की घोषणा के फलस्वरूप जनपद में आदर्श आचार संहिता के सुसंगत उपबंध 16 मार्च 2024 से प्रभावी हैं। ऐसे में आयोग के निर्देश पर जिला प्रशासन को पूरी तरह से सजग एवं सतर्क किया गया है। इस वर्ष आगामी त्योहारों के मद्देनजर देखें तो 11 अप्रैल को ईद उल फित्तर, 14 अप्रैल 2024 को डा0 भीमराव अंबेडकर का जन्म दिवस है। 17 अप्रैल को रामनवमी, 21 अप्रैल को महावीर जयंती व दिनांक 23 मई को बुद्ध पुर्णिमा का त्योहार मनाया जाना है। जिसमें विभिन्न व्यक्यिों, विभिन्न संगठनों/दलों समर्थक व असामाजिक तत्वों परोक्ष या अपरोक्ष रूप से शान्ति व्यवस्था प्रभावित कर सकते हैं।

इस दौरान सम्भावित प्रत्याशियों एवं राजनैतिक दलों द्वारा निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न किए जाने तथा विभिन वर्गों धार्मिक समुदायों में विद्वेश उत्पन्न करने एवं अवांछनीय अपराधिक तत्वों व समाज विरोधी व्यक्तियों के गठजोड़ से अपराध व अपकृत्य करने की स्थिति होने की सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। चुनाव व्यवधान/साम्प्रदायिक दंगा एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न न हो, को देखते हुए कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखना आवश्यक है। मतदान एवं उपरोक्त त्योहारों को सकुशल एवं शान्ति पूर्वक सम्पन्न कराने तथा शान्ति कानून व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत जनपद में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के अन्तर्ग निषेधाज्ञा लागू करना आवश्यक है।

अतः मैं, दिनेश कुमार, अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि/रा), गाजीपुर दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये आगामी त्यौहार शान्तिपूर्ण एवं भयमुक्त ढंग से सम्पन्न कराने तथा जन-जीवन एवं निजी/लोक सम्पत्ति की हानि एवं दंगा, बलवा के निवारण के उद्देश्य से जनपद के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में निम्नलिखित निषेधाज्ञा जारी करता हूँ। तात्कालिक आवश्यकता के महत्व को देखते हुए उन आदेश पारित करने के पूर्व आम नागरिकों को व्यक्तिगत या सामूहिक सूचना देकर सुनवाई हेतु पर्याप्त समय नहीं है. इस स्थिति में प्रश्नगत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है। आदेश के किसी अंश का उल्लंघन भा0द0वि0 की धारा 188 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के कम में किसी भी प्रकार के रोड शो, पदयात्र साईकिल/चाईक/वाहन रैली और जुलूस आदि एवं किसी भी राजनितिक दलों या सम्भावित उम्मीदवारों चुनाव से सम्बन्धित किसी अन्य समुह की भौतिक रैली बिना अनुमति नहीं की जायेगी, यदि भौतिक रैलियों/ज सनाओं की अनुमति दी जाती है तब भी रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच किसी भी अभियान के दिन कि भी रैलियों और जनसभाओं की अनुमत्ति नहीं दी जायेगी, किसी भी राजनैतिक दल/ प्रत्याशी के कार्यकताओं/ समर्थको द्वारा किसी भी प्रकार से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन/ अपराध किया जाता है तो इसके लिए प्रत्याशी/ राजनैतिक दल भी उत्तरदायी होंगे, किसी सार्वजनिक स्थान पर पांच या पांच से अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे और न ही गैर कानूनी सभा करेंगे तथा न ही ऐसे स्थान पर प्रदर्शन व अनशन आदि का आयोजन करेंगे, किसी भी धार्मिक स्थल का प्रयोग धार्मिक उन्माद फैलाने, भाषण आदि के लिए नहीं किया जायेगा। कोई भी व्यक्ति गलत खबरें या अफवाहें, जिससे शान्ति भंग होने की आशंका हो सकती है. फैलायेगा और न किसी प्रकार ऐसी अफवाहों को किसी अन्य माध्यम से किसी दूसरे व्यक्ति के पास भेजेगा, कोई भी व्यक्ति या लाइसेंस धारक अपना लाइसेंसी असलहा लेकर किसी भी परिस्थिति में विचरण कि अनुमति के नहीं करेगा। कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह जुलूस या गिरोह बनाकर किसी सार्वजनिक वाहन या मार्ग पर सामान्य आवागमन में कोई अवरोध नहीं करेगा, न ऐसी चेष्टा ही करेगा और न ही समूह या जुलूस बनाकर सार्वजनिक मार्गो पर चलने वाले वाहनों या अन्य सरकारी जन सम्पत्तियों की कोई तोड़-फोड़ करेगा या उन्हें अन्य प्रकार से हानि पहुंचायेगा।

डीएम ने कंट्रोल रूम, मीडिया प्रमाणन व अनुवीक्षण समिति कक्ष का किया निरीक्षण

गाजीपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने निर्वाचन कार्यालय में बनाये गए कन्ट्रोल रूम तथा मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति कक्ष का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्देश दिये गये कि मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण का कार्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है और इसे पूरी सर्तकता एवं गम्भीरता पूर्वक किया जाए, कन्ट्रोल रूम 24 घण्टे संचालित रहे तथा जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति के द्वारा प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सोशल मीडिया पर प्रकाशित व प्रसारित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों पर नजर रखी जाए। कन्ट्रोल रूम में उपस्थित कर्मचारियों से सी0वीजिल एप पर आने वाली शिकायतों और निर्वाचन से सम्बन्धित हेल्प लाइन नम्बर 1950 पर आने वाली शिकायतों के सन्दर्भ में जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि निर्धारित समयावधि के भीतर शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

एक नजर

अपने सामानों को सावधानी से बेचे, जांच में पकड़े गए तो होगी कार्यवाही: डॉ वेद प्रकाश मिश्रा

बलिया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ वेद प्रकाश मिश्रा ने बलिया जनपद के समस्त खाद्य सामग्री बेचने वाले एव सभी दुकानदारों को अवगत कराया है कि भीषण गर्मी को देखते हुए खाने पीने वाले सामानों को वासी ना बेचे इससे बीमारी फैलेगी और खाद्य सामग्री खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता जांच कर ले, इसके अलावा रोड पर बेचने वाले या बड़े व्यापारी खाने वाले सामान को ढककर रखें ताकि धूल, मिट्टी, मक्खी सुरक्षित रहे। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के मार्गदर्शन में नियमानुसार कार्य हो रहे हैं बोतल में बिक रहे पानी उसको भी उसे लेवल को ठीक से पढ़ ले सही हो तो सेवन करिए पूरे जिले में ईद के मौके पर रंग बिरंगी सेवई बिक रही है। उन्होंने दुकानदारों से अपील किया है कि जो मानक में रंग है उसी का ही उपयोग हो चाहे जहां से ले सेवइयां क्योंकि सेहत का सवाल है जो भी मानक में रंग नहीं है उसे खाने वाले सामान में उपयोग न करें, वैसे तो हमारे टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश राय के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा की टीम हर जगह जांच करने के साथ सावधानी के साथ अपने सामानों को बेचे अगर किसी प्रकार की शिकायत मिली तो दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लू-प्रकोप/हीट वेब से बचाव हेतु आपातकाल वार्ड में हुई व्यवस्था : डा0 सुजीत यादव

बलिया। स्वास्थ्य महानिदेशक उत्तर प्रदेश की आदेश के क्रम में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय डॉक्टर सुजीत यादव ने बताया है कि भीषण गर्मी में लू-प्रकोप/हीट वेब को देखते हुए आपातकाल वार्ड में 10 बेड सुरक्षित रखा गया है, इसके अलावा ओ0आर0एस0 का घोल,आपातकाल सेवा में ही व्यवस्था की गई है,बर्फ का भी व्यवस्था किया गया है ।साथ ही कई वार्डो में ए0सी0, कुलर का भी व्यवस्था किया गया। जिला चिकित्सालय के दो डॉक्टर रितेश सोनी और डॉ दीपक कुमार इस व्यवस्था को देखेंगे। इस दौरान हड्डी रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर आडीराम, डॉ रितेश सोनी डॉक्टर दीपक कुमार नागेंद्र कुमार सिंह अन्य स्टाफ गण उपस्थित रहे।

चुनाव को लेकर पुलिस ने निकाला रुटमार्च

मऊ। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को लेकर जनपद में शांति / सुरक्षा व्यवस्था सुद्द ढ़ बनाये रखने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक इलामारन के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी / प्रभारी निरीक्षकों के नेतृत्व में भारी संख्या में अर्धसैनिक बल व जनपदीय पुलिस बल के साथ संवेदनशील / मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, बाजार, भीड़-भाड़ वाले स्थानों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस-पास रूट मार्च/एरिया डॉमिनेशन कर आम जनमानस में शांति / सुरक्षा व्यवस्था के प्रतिआश्वस्त किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष के काफिला की स्कार्पियो की मिनी पिकप से हुई टक्कर, कई घायल

मऊ। नगर पालिका अध्यक्ष अरशद जमाल के काफिला की एक स्कार्पियो की मिनी पिकप टकरा जाने से जहां स्कार्पियो क्षति ग्रस्त हो गई वही कई लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि बहुजन समाज पार्टी के विधान सभा अध्यक्ष भोला जी के माता जी के निधन की खबर मिलने पर नगर पालिका अध्यक्ष अरशद जमाल गाड़ियों का काफिला के साथ दुवार /सांत्वना देने मधुबन जा रहे थे कि परसपुर चट्टी पर उनके गाड़ी के पीछे चल रही स्कार्पियो एक मिनी पिकप से टकरा गई और क्षति ग्रस्त हो गई ।जिसमे बैठे बसपा नेता शेष नाथ गंभीर रूप से घायल हो गए।

गुरु ही भक्त को भगवान से मिलाता है: प्रशांत महाराज

केटी न्यूज/चंदौली

जो लोग गुरु में श्रद्धा रखते हैं, उनके काम जरूर बनते हैं। गुरु भक्त को भगवान से मिला देते हैं। गुरु बनना बड़ी बात नहीं है, लेकिन उनमें श्रद्धा रखना बड़ी बात है। गुरु शरीर नहीं तत्व होता है। यह विचार ताराजीवनपुर चौराहे स्थित बुढ़िया माई मंदिर प्रांगण में आयोजित श्री रामचरित मानस आध्यात्म प्रचार सत्संग समिति के तत्वावधान में पांच दिवसीय श्री राम कथा के दूसरे दिन मंगलवार को कथा वाचक प्रशांत पांडेय महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने शिव और पार्वती के विवाह से जुड़े सभी प्रसंग सुनाए। शिवजी के गण श्रृंगार करने में लग गए। जटाओं का मुकुट बनाकर उसे पर सांपों का मौर सजाया गया। शिवजी ने सांपों का ही कुंडल व कंगन पहने, शरीर व विभूति रमाई और वस्त्र की जगह बाघ का खाल लपेटकर बारात लेकर पहुंचे जिसे देख लोग आश्चर्यचकित हो गए। शिवजी को इस रूप में देखने के लिए अनेक देवी देवता पहुंचे थे। शिव बारात में बारातियों का चयन कर लिया गया । सभी का नाम आ गया। लेकिन शिवगण श्रृंगी, भृगी, भूत प्रेत सोचने लगे कि उनका तो बारात में जाना संभव नहीं है। शिवजी उनके प्रेम भाव को समझ गए और बोले, जगत में जितने भूत पिशाच आदि हैं सभी को निमंत्रण है, बारात में सब चलेंगे। आरती के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान मानस मयंक, संजय पांडेय,संजय मिश्रा, बबलू पांडेय, राजेश सिंह, बंशीधर त्रिपाठी, दीनदयाल तिवारी आदि श्रोता उपस्थित रहे।

फुटियां पंचायत भवन में चोरी करने वाले को पुलिस ने पकड़ा

केटी न्यूज/ चंदौली

वांछित अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में चंदौली पुलिस टीम ने फुटिया पंचायत भवन का ताला तोडकर कीमती इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, दस्तावेजों की चोरी करने वाले अभियुक्त को अवैध असलहा, कारतूस व स्कूटी के साथ मझवार प्राथमिक स्कूल के पास से गिरफ्तार किया गया है। कोतवाल गगनराज सिंह ने बताया कि बीते चार फरवरी 2023 को वीरेंद्र प्रताप यादव (वर्तमान प्रधान) ग्राम फुटिया थाना व जिला-चन्दौली ने सूचना दर्ज कराया कि पंचायत भवन का ताला तोड़कर उसमें रखा सारा सामान चोरी कर लिया गया है। जिसमें डेस्कटाप सेट, सीपीयू, की-बोर्ड, माउस यू.पी.एस., सीसीटीवी कैमरा मशीन, पंखा, इनवर्टर, बैट्री, चार्जिंग सोलर बैट्री, मशीन, कुर्सी, आलमारी तोड़कर प्रिंटर मशीन फाइल रजिस्टर इत्यादि चोरी हुआ है। इस सूचना पर थाना स्थानीय मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी। बताते हैं कि तीन अप्रैल को कोतवाल गगनराज सिंह प्रभारी निरीक्षक चन्दौली पुलिस टीम के साथ कस्बे मे चेकिंग कर रहे थे इसी दौरान स्कूटी सवार एक व्यक्ति शंकर मोड की तरफ से आता हुआ दिखाई दिया। सामने से आ रहा व्यक्ति पुलिस को चेकिंग करते देख भागने का प्रयास किया, जिस पुलिस ने दबोच लिया। अभियुक्त कि तलाशी के दौरान एक तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस बरामद किया गया।

अध्यापकों ने गावों में डोर टू डोर सर्वे के तहत अभिभावकों,को स्कूल में नामांकन के लिए किया प्रेरित

शिक्षा के अधिकार को मजबूत बनाने के लिए स्कूल चलो रैली निकाली

केटी न्यूज/गाजीपुर

रेवतीपुर ब्लाक अंतर्गत बुधवार को विभिन्न परिषदीय स्कूलों में विद्यालय प्रबंध समिति का प्रशिक्षण एवं बैठक के साथ ही सर्वशिक्षा अभियान के तहत छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों ने शिक्षा के अधिकार को मजबूत बनाने के लिए स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली, साथ ही डोर- टू -डोर सर्वे व जागरूकता अभियान की भी शुरूआत किया गया।

जिसे बीईओ अशोक कुमार गौतम ने हरी झंडी दिखा रवाना किया। जो स्कूल से होकर विभिन्न सम्पर्क मार्गों ,गलि,कस्बों आदि से होते हुए पुनः स्कूल में आकर यह रैली समाप्त हुई,रैली के माध्यम से छात्रों व अध्यापकों ने शिक्षा के अधिकार की आवाज को बुलन्द किया। तख्तियों पर लिखे विभिन्न स्लोगनों, संदेशों को छात्र मम्मी पापा मुझे पढ़ाओ ,चलकर मेरा नाम लिखाओ के साथ ही आधी रोटी खायेगें फिर भी पढने जायेंगे आदि विभिन्न तरह के गगनभेदी नारे लगा रहे थे । इसी दौरान अध्यापकों ने गावों में डोर टू डोर सर्वे के तहत अभिभावकों, छात्रों को स्कूल में नामांकन आदि के लिए प्रेरित किया ।इसी दौरान स्कूलों में विद्यालय प्रबंध समिति का एक दिवसीय प्रशिक्षण व बैठक आहूत किया गया था,जिसमें उन्हें विद्यालय के विकास, बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था,बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं, के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई ।साथ ही समिति के लोगों को परिषदीय स्कूलों की ओर लोगों का रूझान बढाने व अधिकतम नामांकन को लेकर जोर दिया गया ।

इस अवसर पर बोलते हुए बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि शिक्षा की ज्योति ही जीवन के सभी अंधकार को दूर करती है। एक शिक्षित छात्र ही उज्जवल व मजबूत भारत का निर्माण कर सकता है। कहा कि शिक्षा को बढाना हमारा पहला कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न होने पाए इसके लिए डोर -टू -डोर जाकर अभिभावकों को जागरूक कर नवीन नामांकन किया जाए। इस कार्य में किसी स्तर लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर एआरपी संत कुमार गुप्ता, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, डेजी शर्मा, जयप्रकाश, भगवती प्रसाद तिवारी, चंद्रशेखर त्रिपाठी, अशोक, कृष्णानंद, शीला आदि शामिल थे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

दिसंबर 2024 तक महाकुंभ के लिए तैयार होगा रोपवे और डिजिटल कुंभ म्यूजियम

- महाकुंभ की तैयारियों के बीच रोपवे का काम प्रगति पर, रक्षा मंत्रालय दे चुका है एनओसी
- प्रयागराज के अरेल में तैयार हो रहा डिजिटल कुंभ म्यूजियम, 40 हजार स्क्वायर मीटर में चल रहा प्रोजेक्ट

केटी न्यूज/लखनऊ

प्रयागराज में अगले वर्ष होने जा रहे महाकुंभ 2025 को यादगार बनाने के लिए योगी सरकार ने कमर कस ली है। संगम स्थल के साथ-साथ आसपास कई प्रमुख कार्यों का विकास किया जाना प्रस्तावित है जो पर्यटकों के लिए महाकुंभ को खास बना देगा। इसके अंतर्गत हनुमान मंदिर स्थली का व्यापक पैमाने पर रेनोवेशन किया जा रहा है, जबकि रोपवे परियोजना की भी जल्द शुरूआत होने जा रही है। इसके साथ ही डिजिटल कुंभ म्यूजियम का भी निर्माण कार्य प्रस्तावित है। सरकार की ओर से इन सभी कार्यों को दिसंबर 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। महाकुंभ से पूर्व कार्य पूर्ण होने के बाद यह महाकुंभ के महाआयोजन को यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए यादगार बना देंगे।

अप्रैल में शुरू होगा हनुमान मंदिर स्थली का कार्य

29 नवंबर 2023 को शीर्ष समिति की बैठक में हनुमान मंदिर स्थली के निर्माण कार्य की सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। इसकी कार्य की कार्यदायी संस्था प्रयागराज विकास प्राधिकरण है। कार्य की कुल लागत 45.71 करोड़ रुपए प्रस्तावित है। परियोजना के लिए पीएमए द्वारा पूर्व न्यायाधीश उच्च न्यायालय पी.के.एस. बघेल. से लीगल ओपिनियन भी ली गई है। यही नहीं, सेना द्वारा कार्य स्थल की वर्किंग परमीशन भी प्रदान की जा चुकी है और भूमि हस्तांतरित किए जाने के लिए एमओयू हस्ताक्षर किए जाने की प्रक्रिया जल्द ही पूर्ण कर ली जाएगी, जिसके लिए लीगल वेटिंग की जा रही है। पीडीए द्वारा कार्य अप्रैल में प्रारंभ किया जाएगा और नवम्बर, 2024 में पूर्ण करने का लक्ष्य है। निर्धारित समय में कार्य पूरा होने के बाद अधिक संख्या में दर्शनार्थी यहां समाहित हो सकेंगे।

कुंभ के स्वर्णिम अतीत के दर्शन कराएगा डिजिटल कुंभ म्यूजियम

अरैल मार्ग पर 40 हजार स्क्वायर मीटर के प्रस्तावित क्षेत्रफल में बनाए जा रहे डिजिटल कुंभ म्यूजियम पर भी कार्य शुरू हो गया है। वर्तमान में डिजिटल कुंभ म्यूजियम के लिए ईओआई को प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा आमंत्रित किया गया है, जिसमें 2 बिडर ने योजना प्रस्तुत की है। डिजिटल कुंभ म्यूजियम में वीआर के माध्यम से अखाड़ों, समुद्र मंथन से संबंधित गैलरी का विकास, त्रिवेणी संगम गैलरी के साथ ही कुंभ के इतिहास और अध्यात्म को दशार्ती गैलरी का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, कुंभ की उत्पत्ति और पौराणिक गाथाओं से जुड़ी गैलरी, कुंभ मेला गैलरी का ऐतिहासिक विकास, प्रयागराज कुंभ मेला गैलरी, हरिद्वार-नासिक-उज्जैन कुंभ मेला गैलरी, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व गैलरी, 21वीं सदी में कुंभ मेला आदि का भी विकास किया जाएगा। वहीं, पार्किंग सुविधाओं, सांस्कृतिक हाट, फूड प्लाजा, भूदृश्य आदि का भी विकास किया जा रहा है।

एक नजर

समाज में एकता, सद्भावना का प्रतीक है होली: डॉ. रागिनी

जौनपुर। मछली शहर विधानसभा क्षेत्र में विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने अपने आवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर क्षेत्र सभी लोगों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर विधायक डॉक्टर रागिनी सोनकर ने होली मिलन समारोह में सभी को अबीर-गुलाल लगाकर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि होली हमारे समाज में एकता और सद्भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पर्व हमें एक झदूसरे से जुड़ने के साथ-साथ लोगों की समस्याओं से भी अवगत कराता है, ताकि हम उनकी समस्याओं को दूर कर सकें। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं भी सुनीं।

डॉक्टर सोनकर ने समाज को एकता और सद्भावना के महत्व को समझाया और उन्होंने उत्सव के दौरान सभी को बराबरी और समरसता के साथ मिलकर एकजुट होकर खेलने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि होली एक ऐसा त्योहार है जो हर धर्म, जाति और वर्ग के लोगों को एक साथ लाता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में सभी लोग एकजुट होकर इंडिया के सहयोगी दलों को विजयी बनाएं। अगर इस बार हम चूक गए तो भविष्य में हो सकता है संविधान बदलकर चुनाव ही न कराया जाए। इसलिए यह चुनाव देश के लोगों का भविष्य, दशा और दिशा बदलने का कार्य करेगी। इस अवसर पर अजगरा के पूर्व विधायक कैलाश सोनकर ने चुनाव में सभी से बूथस्तर पर संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया। कहा कि होली पर्व पर हम राग-द्वेष भुलाकर सभी कार्यकर्ता और समर्थक एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम करें।

सई नदी में मिला छात्रा का शव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के धनेजा गांव के पास सई नदी के किनारे एक किशोरी का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई है। घटना की जानकारी मिलते ही जफराबाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दिया है। जलालपुर थाना क्षेत्र के बहरीपुर गांव निवासी रामजी यादव की पुत्री अनु यादव अपने बुआ के घर रहकर शिक्षा ग्रहण कर रही थी।इसी बीच मंगलवार की शाम को वह गायब हो गई।जिसे परिजनों द्वारा खोजबीन की गई लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।जिसके बाद परिजनों ने जलालपुर थाने में तहरीर दी।इसी दौरान जफराबाद पुलिस द्वारा परिजनों को सूचना मिली कि एक किशोरी का शव मिला है। घटना की सूचना मिलते परिजन मौके पर पहुंच गए और शव को पहचान अनु यादव के रूप में की।बुधवार की सुबह सई नदी के किनारे शव मिलने के बाद लोगो में तरह तरह के चर्चा का विषय बना हुआ है। सीओ सिटी देवेश सिंह ने बताया कि आज सुबह जफराबाद थाना क्षेत्र के धनेजा गांव में सई नदी के किनारे एक किशोरी के शव मिलने की सूचना मिली।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर शव की पहचान कराने का प्रयास किया गया।जिसके बाद शव की पहचान जलालपुर थाना क्षेत्र के बहरीपुर गांव निवासी रामजी यादव की पुत्री अनु यादव के रूप में हुई।परिजनों को सूचना दी गई और शव को पोष्टमार्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।युवती की मौत कैसे हुई इसकी जांच की जा रही है।

वकीलों ने एसपी से मिलकर रास्ते पर कब्जे की शिकायत की

चंदौली। अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को पुलिस लाइन पहुंचकर एसपी डा.अनिल कुमार से मुलाकात की। इस दौरान अधिवक्ताओं ने बरहनी विकास खंड के बरडिहा गांव के कतिपय लोगों द्वारा सार्वजनिक रास्ते और पोखरी पर कब्जा किए जाने की शिकायत की। इसे एसपी ने गंभीरता से लेते हुए अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि इसकी जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खबरें फटाफट

मुख्तार की मजार पर लगेंगे हर वर्ष मेले : हरेंद्र कुमार

गाजीपुर। मऊ के बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी का नामो निशान भले कब्र में दफन हो गया हो, लेकिन मुख्तार के मजार पर नमन करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई नामी गिरामी हस्तियां मुख्तार के मजार पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी हरेंद्र कुमार ने अपने दर्जनों कार्यकताओं के साथ सांसद अफजाल अंसारी से मिलने के बाद शोक संवेदना व्यक्त की। साथ ही पांच बार विधायक रह चुके मुख्तार के मजार पर पहुंचे और उनको पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी हरेंद्र कुमार ने कहा कि मुख्तार अंसारी मजार पर हर वर्ष लगेंगे मेले, मजार पर आने पर लोगों को एक सुकून महसूस होगी। इस मौके पर मोहम्मद मुस्लिम, संतलाल राम, शरद कुमार, जितेंद्र पटेल ,अलाउद्दीन अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

साइबर फ्राड पीड़ित को पुलिस ने दिलाया 35 हजार

चंदौली। जनपद पुलिस ने मनिहरा निवासी रामबचन पुत्र शिवप्रकाश के बचत खाते से साइबर ठगों द्वारा यूपीआई के माध्यम से पैसे की ठगी कर ली गयी। घटना के बाद पीड़ित ने तीन मार्च को फ्राड होने के सम्बन्ध में साइबर सेल जनपद चन्दौली को आकर प्रार्थना पत्र दिया । इसके बाद एसपी डा. अनिल कुमार के निर्देश पर साइबर क्राइम टीम ने त्वरित कार्यवाही करते पीड़ित रामबचन को कुल 34 हजार 990 रुपये धनराशि वापस कराया। एसपी डा. अनिल कुमार ने बताया कि गत कई वर्षों से चन्दौली पुलिस लगातार साइबर सु?क्षा से सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके जनपदवासियों को साइबर फ्राड के प्रति जागरूक करती चली आ रही है। लगातार स्कूल, कॉलेज व ग्रामों मे गोष्ठी का आयोजन करके लोगों को वर्तमान समय में हो रहे नये-नये तरीके के साइबर क्राइम व हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी जा रही है। कहा कि अनाधिकृत ग्राहक सेवा अधिकारी के फोन कॉल से बचे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा के सूरसदन में प्रबुद्धजनों को किया संबोधित, कहा

तुष्टीकरण बनाम राष्ट्रवाद और भ्रष्टाचार बनाम जीरो टॉलरेंस के बीच है मुकाबला

- केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी प्रो. एसपी सिंह बघेल के लिए सीएम ने किया प्रचार
- बोले मुख्यमंत्री- दो ध्रुवों में विभाजित हो चुका है लोकसभा चुनाव
- इंडी गठबंधन के दलों को ढूंढने से भी नहीं मिल रहे प्रत्याशी : आदित्याथ

केटी न्यूज/आगरा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश में हो रहे लोकसभा चुनाव के परिणाम स्पष्ट हैं और किसी को भी भाजपा की जीत को लेकर कोई संदेह नहीं है। हमारी जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा का चुनाव बहुत स्पष्ट है। ये पहले ही दो ध्रुवों में विभाजित हो चुका है। इस बार फैमिली बनाम नेशन फर्स्ट, तुष्टीकरण बनाम राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार बनाम जीरो टॉलरेंस के बीच मुकाबला है। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की हालत खराब है, उन्हें ढूंढने से भी प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। सीएम योगी बुधवार को सूरसदन में प्रबुद्धजनों को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने पार्टी के प्रत्याशी, वर्तमान सांसद और केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल के समर्थन में प्रचार किया।

अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि 18वीं लोकसभा का चुनाव पहला ऐसा चुनाव है जिसके परिणाम के बारे में उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम कहीं किसी को कोई संदेह नहीं है। हर तरफ से एक ही आवाज आ रही है। उन्होंने कहा कि आगरा में जीत सुनिश्चित है, मगर इस जीत को ऐतिहासिक बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ना है। उन्होंने प्रबुद्धजनों से अपील की कि वे सभी प्रधानमंत्री मोदी के प्रतिनिधि बनकर घर घर जाएं और जनता को एक एक वोट की ताकत समझाएं। उन्होंने कहा कि देश के सम्मान, सुरक्षा और युवा, किसान, महिला, व्यापारी और समाज के प्रत्येक तबके के लिए जो कार्य पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में हुए हैं। उन कार्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए जनता तीसरा कार्यकाल पीएम मोदी को देने जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय क्या गांव, क्या शहर, क्या उत्तर, क्या दक्षिण, क्या पूरब और क्या पश्चिम हर तरफ से एक ही आवाज आ रही है। जो आवाज आप सभी आगरा में सुन रहे हैं वही आवाज पूरे देश में गूंज रही है। दलों को प्रत्याशी नहीं मिल पा रहे हैं। यह स्थिति केवल आगरा की नहीं बल्कि पूरे यूपी और पूरे देश की है। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है। सीएम योगी ने बताया कि आज एक भारतीय दुनिया में कहीं भी जाकर सीना चौड़ा करके बताता है कि वह भारत से आया है तो लोग उससे पूछते हैं कि क्या आप मोदी के भारत से आए हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। कोई भी दुश्मन देश भारत की सीमा में घुसने की हिम्मत नहीं कर सकता, क्योंकि उसे पता है कि भारत की ओर से जो जोरदार प्रतिक्रिया होगी उसकी कीमत हमारी कई पीढ़ियों को चुकानी होगी। सीएम योगी ने बताया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, हाईवे, एयरपोर्ट, एक्सप्रेस वे, आईआईटी, एम्स, आईआईएम वाला ये नया भारत न केवल 140 करोड़ जनता की आवश्यकता, बल्कि दुनिया की आवश्यकता की पूर्ति करने वाला भारत बनकर उभर रहा है। भारत दुनिया को नेतृत्व देगा, इस भाव से कार्य हो रहे हैं। किसी ने भी नहीं सोचा था कि गरीब को रसोई गैस कनेक्शन, गरीबों के घर में शौचालय, हर घर में नल से पानी मिल सकेगा। आज हम सभी की जेब में स्मार्टफोन आ चुका है। यही नये भारत की तस्वीर है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाया है उसका आधार ही मोदी की गारंटी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी ने सोचा भी नहीं था कि आगरा में मेट्रो रेल सेवा शुरू होगी। मगर, देश में कहीं भी शुरू हुई मेट्रो सेवाओं में से आगरा ही वह जगह है जहां सबसे जल्दी ये परियोजना साकार हुई है। यहां एयरपोर्ट की राह में आई रुकावटों को दूर कर लिया गया है। जो कभी सपना हुआ करता था आज वो साकार हो रहा है। सीएम ने कहा कि नया भारत संकल्प ही नहीं करता, बल्कि अपने हर संकल्प को जमीनी धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य भी करता है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न गरीब कल्याण योजनाओं की उपलब्धियों को प्रबुद्धजनों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि प्रो एसपी सिंह बघेल अपने संसदीय क्षेत्र में सबसे ज्यादा समय देने वाले सांसद हैं। सीएम योगी ने कहा कि वो दोनों लोग एक साथ ही सांसद बने थे। बघेल ने केंद्रीय मंत्री के रूप में भी सर्वाधिक समय अपने निर्वाचन क्षेत्र में दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव के दौरान आपको मोदी जी का प्रतिनिधि बनके एसपी सिंह बघेल के रूप में घर घर जाना होगा। हर बूथ पर जितना वोट पिछली बार मिला था, उसमें 370 वोट हमें और जोड़ना होगा। अगर हम ऐसा कर पाए तो हमारे प्रत्याशी रिकॉर्ड वोटों के साथ देश की संसद में जाएंगे। इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता कर रहे सुविख्यात चिकित्सक डॉ आर एस पारेख, भाजपा महानगर अध्यक्ष मनु महाजन, केंद्रीय मंत्री और सांसद प्रत्याशी प्रो एसपी सिंह बघेल, प्रदेश के कैबिनेट मेंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और एमएलसी धर्मेन्द्र सिंह, प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान, महापौर हेमलता दिवाकर, एमएलसी विजय शिवहरे, आदि शामिल थे।

चुनाव : स्वीप के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर आयोजित हुए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत घोसी - 70 लोकसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत में वृद्धि हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण मिश्र के नेतृत्व में प्रतिदिन मतदाता जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।इसी क्रम में आज डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में जिला क्रीड़ा अधिकारी के नेतृत्व में खिलाड़ियों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। इसके अलावा मुख्यालय स्थित विभिन्न स्थलों पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लोगों को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाए गए। डीपीआरओ के नेतृत्व में मदरसों में भी लोगों को मतदान के महत्व को समझाते हुए मतदान प्रक्रिया में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत खैराबाद विकासखंड मोहम्मदाबाद गोहाना में ग्रामीण लोगों मतदान हेतु जागरूक किया गया इस मौके पर एडीपीआरओ भी मौजूद रहे। मतदाता जागरूकता हेतु ग्राम पंचायत सरयान रघुनाथपुर विकासखंड परदहां में भी बैठक कर ग्रामीणों को मतदान में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। जिला प्रशासन का पूरा प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन में मतदान के दौरान भाग ले, जिससे इस लोकसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सके।

कार्यशाला में अनुपस्थित अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई की दी चेतावनी

मतदाता जागरूकता अभियान की जनपद स्तरीय कार्यशाला हुई संपन्न

- समस्त ग्राम पंचायत स्तर पर मतदाता जागरूकता का होना है कार्यक्रम

केटी न्यूज/मऊ

मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर की अध्यक्षता में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के तैयारियों के दृष्टिगत मतदाता जागरूकता अभियान की जनपद स्तरीय कार्यशाला विकास भवन सभागार में संपन्न हुई।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जनपद में 01 अप्रैल 2024 से 30 मई 2024 तक जिला प्रशासन द्वारा तैयार स्वीप योजना के अंतर्गत जनपद स्तर, विधानसभा स्तर एवं बूथ स्तर पर कार्य योजना के अनुसार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कराया जाना है। मतदाता जागरूकता में लगे जिला स्तरीय संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा चिन्हित स्थान, विद्यालयों/महाविद्यालयों ब्लॉक स्तर, समस्त ग्राम पंचायत स्तर पर मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम कराया जाना है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में लगे समस्त विभागाध्यक्षों से अपने विभागों से संबंधित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कराए जाने हेतु कार्य योजना मांगी गई थी, जिसमें कुछ विभागों द्वारा कार्य योजना न दिए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त निर्देश दिए की तत्काल अवशेष विभागाध्यक्ष मतदान के प्रति लोगों को जानकारी दिए जाने हेतु कार्य योजना तैयार कर जिला विद्यालय निरीक्षक को उपलब्ध कराएं। मुख्य विकास अधिकारी ने मतदाता जागरूकता अभियान में लगे समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिम्मेदारी के साथ निर्वाचन कार्यो का निर्वहन करें।किसी भी दशा में लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी गई। इसके अलावा जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र गुप्ता ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में लगे समस्त विभागाध्यक्षों से अपील किया कि कार्य योजना के अनुरूप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कराते हुए फोटोग्राफ्स तथा कार्यक्रम स्थल का नाम उल्लेख करते हुए विभाग को उपलब्ध कराते रहने को कहा।

बैठक के दौरान डीसी मनरेगा उपेंद्र पाठक, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी अनुज कुमार, उपायुक्त उद्योग राजेश रोमन, जिला पंचायत राज अधिकारी विशाल सिंह, समस्त खंड विकास अधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

सुभाषितम्

जिंदगी एक साईकिल की तरह है, अगर आपको बैलेंस बनाकर रखना है तो आपको पैडल मारते रहना होंगा। - अल्बर्ट आइस्टीन

योग गुरु बाबा रामदेव को सफलता ने बनाया अहंकारी

योग गुरु के रूप में बाबा रामदेव ने भारत में अपनी एक नई छवि बनाई थी। योग के जरिए कैसे बड़ी-बड़ी बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। योग से बीमारियों को कैसे ठीक किया जा सकता है। योग गुरु बाबा रामदेव ने योग को नए स्वरूप में आम जनता के सामने पेश किया था। इसका फायदा भी हुआ और बाबा रामदेव की प्रतिष्ठा और लोकप्रियता दोनों ही बड़ी तेजी के साथ बढी। जैसे ही सफलता मिलती है, उसके बाद धीरे-धीरे अहंकार का प्रवेश शुरू हो जाता है। एक समय ऐसा भी आया जब बाबा ने गांव गांव में योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति की। उनकी राजनीतिक अभिलाषा जाग गई। वह अपना खुद का राजनीतिक दल बनाने की सोचने लगे थे। गांव-गांव में जब वह योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति कर रहे थे, उनके ऊपर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नजर पड़ी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उनकी इस मामले में सहायता की। वह संघ और भाजपा के करीब आ गए। बाबा रामदेव की राजनीतिक महत्वकांक्षा को देखते हुए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चिंतित हुए। उन्होंने बाबा को मनाया और अपने साथ मिला लिया। योग गुरु के रूप में बाबा रामदेव की लोकप्रियता की पहली परीक्षा अन्ना हजारे के आंदोलन में हुई। बाबा रामदेव ने अन्ना हजारे के आंदोलन में खुलकर भाग लिया। भाजपा की नीतियों को आगे बढ़ाने में उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से अन्ना आंदोलन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी को सपोर्ट किया। कालेधन, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर कई बयान ?दिये। 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत की बन गई। उसके बाद जैसे बाबा की लॉटरी खुल गई। बाबा ने पतंजलि ब्रांड के माध्यम से योग और आयुर्वे ?दिक दवाईयों से बीमारियों का निदान स्थाई रूप से बीमारियों को ठीक करने का आयुर्वेदिक दवाई का फंडा आयुवेर्दाचार्य बालकृष्ण और बाबा रामदेव ने मिलकर ऐसा जाल फैलाया। ??जिसके कारण बाबा रामदेव आगे चलकर लाला रामदेव बन गए। पतंजलि के नाम से बिस्कुट से लेकर हर वह चीज बेचने लगे। जो जनता की ?निय?मित जरुरतें थीं बाबा रामदेव और पतंजलि की ब्रांडिंग समानांतर दिशा में आगे बढ़ने लगी। उसके बाद बाबा ने पलट कर नहीं देखा। बाबा से बड़ा नेगोशिएटर शायद कोई हो। उन्होंने अपने राजनीतिक संबंधों का पूरा लाभ अपने धंधे के लिए उठाया। आज बाबा की दुकान में वह सब कुछ बिक रहा है जो आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरत है। बाबा राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की दौड़ में शामिल हो गए। निश्चित रूप से आयुर्वेदिक उत्पाद और आयुर्वेदिक चिकित्सा अपने आप में स्थाई रूप से बीमारियों से राहत दिलाने में सहायक है। पतंजली की दवाओं को उन्होंने रामबाण बताकर रोगों का स्थाई इलाज का दावा ?किया। एलोपैथी चिकित्सा अपने आप में महत्वपूर्ण है। एलोपैथी चिकित्सा आज सारी दुनिया में प्रचलित है। विशेष रूप से सर्जरी के क्षेत्र में और त्वरित रूप में एलोपैथी चिकित्सा ही दुनिया के देशों में मान्य है। जिस तरह से बाबा रामदेव ने पतंजलि के उत्पाद बेचने के लिए बिना प्रमाण झूठे दावे करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद में बाबा ने झूठे दावे के विज्ञापनों को जारी रखा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश हो जाने के बाद भी सरकार द्वारा कोई कार्यवाही पतंजलि और बाबा रामदेव पर नहीं की गई। जिसके कारण बाबा रामदेव को यह अहंकार हो गया था कि वह केंद्र सरकार और भाजपा के लिए अति महत्वपूर्ण है। उन पर कोई नियम कानून लागू नहीं होते हैं। वह जो इच्छा करते हैं, सबको उनकी इच्छा को पूरी करना पड़ती है। इसी की परणति अभी सुप्रीम कोर्ट में हुई है। अवमानना याचिका जब जजों के सामने खड़े होकर उन्होंने मौखिक रूप से क्षमा याचना की । सुप्रीम कोर्ट ने बाबा की क्षमा याचना को ठुकराते हुए, अवमानना का प्रकरण चलाने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में जो आदेश किए हैं। उस पर बाबा को शपथ पत्र के साथ जवाब देने के लिए कहा है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है।

गजब है मतदान में लगने वाली स्याही का इतिहास !

- डॉ. श्रीगोपाल नारसन

अमरीकी इतिहास में चार राष्ट्रपति कम मतदान पाने के बावजूद जीत गए थे, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार को इलैक्टोरल वोट्स में बहुमत पाना जरूरी होता है। प्रत्येक अमरीकी राज्य के उसकी आबादी के हिसाब से इलैक्टोरल वोट निर्धारित हैं।और ये सारे के सारे उसी उम्मीदवार को दिए जाते हैं जो राज्य में अधिक मत प्राप्त करता है। जिसे भी 270 इलैक्टोरल वोट मिल जाते है वही राष्ट्रपति बन जाता है। सन 2000 में अल गोर ने जॉर्ज बुश से पांच लाख अधिक मत हासिल किए लेकिन वो इलैक्टोरल वोट्स की गिनती में पीछे रह जाने के कारण राष्ट्रपति नही बन पाए थे। सन 1845 में अमेरिका राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नंवबर महीने के पहले सोमवार के अगले दिन यानी मंगलवार को हुए थे।तब से यही प्रथा बरकार है। 19वीं सदी में अमरीका एक कृषि प्रधान देश था और किसानों को मतदान केंद्र तक पहुंचने में काफी समय लगता था। शनिवार को भी वे काम कर रहे होते थे और रविवार को चलकर सोमवार को वोट देने पहुँचना संभव नहीं था। जबकि बुधवार को मंडियों में अनाज बेचने का दिन होता था और फिर वापस लौटना होता था। सप्ताहांत में मतदान करवाने की कोशिश पहले ही विफल हो चुकी थी।ऐसे में एक ही दिन बचा था, मंगलवार, इसलिए मंगलवार के दिन मतदान की परंपरा आज तक चली आ रही है।जॉर्ज डब्ल्यू बुश को सन 2004 के चुनावों में कम मत मिले थे लेकिन फिर भी वे राष्ट्रपति बन गए थे।अमरीकी चुनावों में दक्षिण के लोगों का बोलबाला होता है। वहां के लोग बहुत बातूनी होते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी अकसर दक्षिण से आए लोगों का बोलबाला रहता है। पाकिस्तान के आम चुनाव में अजीबोगरीब चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए थे, जिनमे मोबाइल फोन चार्जर, सिमकार्ड, गधा गाड़ी, बैंगन, जूते आदि शामिल हैं। कई चुनाव चिन्ह तो ऐसे हैं जो जिसको पाकर कई उम्मीदवार शर्मिंदा तक हो गए थे। पश्तो भाषा में बोतल शब्द का इस्तेमाल किसी मूर्ख इंसान के लिए किया जाता है और एक उम्मीदवार को बोतल चुनाव चिन्ह मिला था। वही भारत मे नीले रंग की स्याही को भारतीय चुनाव में शामिल करने का श्रेय देश के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन को जाता है। जिन्होंने वोट डाल देने के प्रमाण स्वरूप मतदाता की उंगली पर स्याही लगाने की परंपरा शुरू की थी। एक मतदाता द्वारा एक से ज्यादा मतदान को रोकने के लिए चुनाव दौरान मतदाताओं के बाएं हाथ की तर्जनी (अंगूठे के साथ वाली अंगुली) पर स्याही लगाई जाती है। अंगुली पर लगी यह स्याही इस बात का प्रमाण है कि अमुक व्यक्ति ने अपना वोट कर दिया है। यह प्रक्रिया चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49क में प्रतिरूपण (गलत पहचान) के खिलाफ सुरक्षा के रूप में निर्वाचक की बाईं तर्जनी पर अमिट स्याही लगाने का प्रावधान दिया गया है।मतदान स्याही/ चुनावी स्याही बनाने के लिए सिल्वर नाइट्रेट केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। स्याही को लगाये जाने के बाद इसे कम-से-कम 72 घंटे तक त्वचा से नहीं मिटाया जा सकता। चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49क में प्रतिरूपण (गलत पहचान) के खिलाफ सुरक्षा के रूप में निर्वाचक की बाईं तर्जनी पर अमिट स्याही लगाने का प्रावधान है।मतदान स्याही को लेकर कई बार लोगों के मन में यह भी सवाल रहता है कि यह स्याही मिटती क्यों नहीं है? ऐसा इसलिए क्योंकि मतदान स्याही बनाने के लिए सिल्वर नाइट्रेट केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। स्याही को लगाये जाने के बाद इसे कम-से-कम 72 घंटे तक त्वचा से नहीं मिटाया जा सकता। सिल्वर नाइट्रेट केमिकल का इस्तेमाल भी किया जाता है क्योंकि यह पानी के संपर्क में आने के बाद काले रंग का हो जाता है और मिटता नहीं है। जब चुनाव अधिकारी मतदाता की अंगुली पर स्याही लगाते हैं तो सिल्वर नाइट्रेट हमारे शरीर में मौजूद नमक के साथ मिलकर सिल्वर क्लोराइड बनाता है। सिल्वर क्लोराइड पानी में घुलता नहीं है और त्वचा से जुड़ा रहता है। इसे साबुन से नहीं धो सकतें। यह निशान तभी मिटता है जब धीरे-धीरे त्वचा की कोशिकायें पुराने होते जाते हैं और वे उतरने लगते हैं।उच्च गुणवत्ता की मतदान स्याही 40 सेकेंड से भी कम समय में सूख जाती है। इसका असर इतनी तेजी से होता है कि अंगुली पर लगने के एक सेकेंड के अंदर ही यह अपना निशान छोड़ देती है। यही वजह है इस स्याही को जल्दी से मिटाया नहीं जा सकता।सन 1962 के चुनाव से इस स्याही का इस्तेमाल किया जा रहा है।आजादी के बाद से अभी तक मतदान के विभिन्न तरीके अपनाये गए। गांव स्तर से लेकर राज्य और केन्द्र स्तर तक अपना जनप्रतिनिधी चुनने के लिए जो तरीके अपनाये गए उनमें हाथ उठाकर अपना जनप्रतितिधी चुनने से लेकर ईवीएम वोटिंग मशीन तक का उपयोग मतदाताओं के लिए वरदान बना। एक समय ऐसा भी था,जब गांव में लोग अपना प्रधान व ग्राम सदस्यों का चुनाव हाथ उठाकर करते थे। तब न बैलट पेपर का झंझट था ,न वोटिंग मशीन की जरूरत थी, बस हाथ उठाओं और हो गया वोट । ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान व ग्राम सभा सदस्यो के चुनाव सन 1962 तक हाथ उठाकर ही कराये जाते थे। लेकिन जब हाथ उठाकर वोट देने के कारण लोगो के बीच आपसी रंजिश बढने लगी तो हाथ उठाकर वोट देने की सरल व सुगम परम्परा को बन्द करना पडा। हालांकि आजादी के पहले तक तो हाथ उठाकर वोट डालने की परम्परा सामान्य थी।

भद्र राजनीति के शिखर पुरुष मनमोहन जी...

-राकेश अचल

` भारतीय राजनीति में आजकल अदावत का युग चल रहा है, ऐसे में देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मन मोहन सिंह का सक्रिय राजनीति से विदा होना एक भावुक क्षण है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद डॉ मन मोहन सिंह उन प्रधानमंत्रियों में से दूसरे हैं जो लगातार एक दशक प्रधानमंत्री रहे , वो भी बिना किसी बकलोल के, बिना किसी जुमलेबाजी के। ऐसे पूर्व प्रधानमंत्री को नमन। डॉ मन मोहन सिंह जन्मजात राजनीतिज्ञ नहीं हैं। वे मूलतः अर्थशास्त्री हैं और उनकी यही विशेषता राजनीति में कांग्रेस के और देश के काम आयी। डॉ मन मोहन सिंह जनता के सामने लच्छेदार भाषण नहीं दे सकते थे,इसलिए वे कभी लोकसभा का चुनाव नहीं जीते । उन्हें कांग्रेस ने हमेशा राजयसभा भेजकर राजनीति में टिकाये रखा। आप यूं भी कह सकते हैं कि कांग्रेस डॉ मन मोहन सिंह की वजह से सत्ता में बनी रही। लगातार तीन दशक तक देश की सेवा करने वाले डॉ मन मोहन सिंह 2अप्रेल 2024 को राजयसभा के साथ ही देश की सक्रिय राजनीति से भी विदाई डाल गए । डॉ सिंह की उम्र अब 92 साल है। मैंने अपने पत्रकारिता के लम्बे कार्यकाल में डॉ मन मोहन सिंह जैसा दूसरा कोईनेता नहीं देखा । मै उनसे एक वित्त मंत्री के रूप में भी मिला और एक प्र्धानमंत्री के रूप में भी । दोनों भूमिकाओं में वे केवल और केवल डॉ मन मोहन सिंह ही रहे। उनके चेहरे पर सदैव एक स्निग्ध मुस्कान मौजूद रही । उनके संवाद में स्वर सधे हुए रह। न कोई उतार न कोई चढ़ा । न कोई नाटकीयता और न कोई बुनावट। वे स्थितप्रज्ञ राजनीतिज्ञ है। उन्होंने अपने ऊपर कटु से कटु प्रहार सहे किन्तु कभी विचलित नहीं हुये । उनका विचलन उनकी आँखों में ही झलकता रह गया । उत्तेजना उनकी राजनीति का अंग कभी नहीं बन पायी। भले ही उन्हें उत्तेजित और अपमानित करने की कोशिश विपक्ष ने की हो या उनके अपने दल के नेताओं ने। विपक्ष और आज के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी ने डॉ मन मोहन सिंह के बारे में संसद के बाहर और भीतर क्या कुछ नहीं कहा ? कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी ने डॉ मन मोहन सिंह के सामने क्या कुछ उच्छश्रृंखलता नहीं की ? लेकिन डॉ मन मोहन सिंह खामोश रहे। विपक्ष उन्हें डॉ मौन सिंह कहकर अपमानित करता रहा किन्तु उनका काम हमेशा बोलता रहा। मुझे लगता है कि मौन ही डॉ मन मोहन सिंह की असली ताकत है। आज के नेताओं को उनके स्वभाव और आचरण से सीखना चाहिए। लेकिन डॉ मन मोहन सिंह बनकर काम करना ,देशसेवा करना आसान काम नहीं। गाल बजाना और मौन रहना दो अलग-अलग विधाएँ हैं। डॉ मन मोहन सिंह के बारे में गूगल देव मुझसे ज्यादा सूचनाएँ रखते हैं ,लेकिन मै अपनी जानकारी और अनुभव से कहता हूँ कि डॉ मन मोहन सिंह होना आसान नहीं। डॉ मन मोहन सिंह देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनकी उपाधियों को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी गयी। वे चाय बेचते हुए राजनीती में शीर्ष तक नहीं पहुंचे । उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की उपाधि हासिल की । डॉ सिंह ने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की अन्तमुर्खी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है। राजनीति में प्रवेश करने से पहले वे अर्थशास्त्री ही बने रहे। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के यशस्वी अध्यापक रहे । वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने डॉ॰ सिंह की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया । इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। डॉ मन मोहन सिंह अपनी प्रतिभा के बल पर ही भारतीय रिजर्व बैंक के 15 वे गवर्नर बनाये गए। इंदिरा गाँधी ने ही उन्होंने योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में देश की अविस्मरणीय सेवा की । भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों का प्रणेता माना गया है। आम जनमानस में ये साल निश्चित रूप से डॉ॰ सिंह के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। कोई 20 साल पहले जब डॉ मन मोहन सिंह को देश का तेरहवां प्रधानमंत्री बनाया गया ,तब उनकी उम्र 72 साल की थी ।उनके पास राजनीती की की विरासत नहीं थी। वे न नेहरू थे और न गाँधी। मनमोहन सिंह ने 22 मई 2004 से प्रधानमंत्री पद सम्हाला और अप्रैल 2009 में सफलता के साथ पूर्ण हुआ। लोकसभा के चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस की अगुवाई वाला संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन पुनः विजयी हुआ और सिंह दोबारा प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए। प्रधानमंत्री सिंह ने वित्तमंत्री के रूप में पी. चिदम्बरम को अर्थव्यवस्था का दायित्व सौंपा था, जिसे उन्होंने कुशलता के साथ निभाया। लेकिन 2009 की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत में भी देखने को मिला। परन्तु भारत की बैंकिंग व्यवस्था का आधार मजबूत होने के कारण उसे उतना नुकसान नहीं उठाना पड़ा, जितना अमेरिका और अन्य देशों को उठाना पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक की 90 वीं सालगिरह के मौके पर आज के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को भी इस बात की सराहना करना पड़ी। डॉ मन मोहन सिंह केवल प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं बल्कि प्रतिपक्ष के नेता के रूप में भी हमेशा याद किये जायेंगे । वे 1998 और 2004 में लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता रहे ,जो शालीनता का सबसे महत्वपूर्ण काल था। डॉ मन मोहन सिंह को देश -विदेश के अनेक सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं।

बेटियों को भी मिले उचित सम्मान

- रमेश सर्राफ धमोरा

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है। हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है। पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया। अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है। भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा। आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है।

आज का राशिफल

मेष दिन शानदार है और आपको आर्थिक मामलों में लाभ होगा। आपके लिए यात्रा के योग बन रहे हैं।

तुला आज का दिन मिलाजुला प्रभाव रहेगा। किसी भी मामले में फैसला जल्दबाजी में न करें।

वृषभ आज का दिन लाभ देने वाला है और आज आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज लाभ का दिन है और आपकी अपनी साथियों के बीच में लोकप्रियता बढ़ेगी।

मिथुन मामलों में लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होगी। आपके रुके कार्य सरलता से बन जाएंगे।

धनु आपके विरोधी परास्त होंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। राजनीतिक सहयोग भी मिलेगा।

कर्क आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

मकर सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई पुरानी महिला मित्र से अकस्मात् धन लाभ का हर्ष हो सकता है।

सिंह आपके लिए सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी और घर व बाहर हर तरफ सम्मान मिलेगा।

कुंभ संतान पक्ष से हर्ष और लक्ष्मी की बड़ी मात्रा में प्राप्ति से कोष वृद्धि कारक है। आपको लाभ मिलेगा।

कन्या आज आर्थिक लाभ होगा और आज आप किसी प्रकार की भागदौड़ में फंसे रहेंगे।

मीन आज आपकी कार्ययोजनाएं सफल होने से आपके धन में वृद्धि होगी।

विशेष

हिमाचल में विधानसभा के उपचुनाव?

लोकसभा चुनाव के साथ हिमाचल में विधानसभा के उपचुनाव होने जा रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा के लिए यह चुनाव उनके भविष्य का निर्णय करेंगे। दल बदल कानून में हिमाचल ने सारे देश में एक रिकॉर्ड बनाया है। तीन विधायकों को दल बदल कानून के अंतर्गत उनकी सदस्यता एक ही झटके में एक दिन के अंदर समाप्त कर दी गई। तीन निर्दलीय विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। इन छह विधायकों ने सुक्कू सरकार के खिलाफ मतदान किया था। 6 सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। कांग्रेस के नौ विधायक कांग्रेस से विद्रोह कर चुके हैं। यदि यह 6 सीटें बीजेपी जीत लेती है,तो हिमाचल की कांग्रेस सरकार का जाना तय है। यदि यह सीटें कांग्रेस जीत लेती है, तो यह भाजपा के लिए हिमाचल में बहुत बड़ा झटका होगा। इसका करंट राज्य परिवार को भी लगेगा।

भारत का लोकतंत्र रूस की तरह?

भारत सरकार ने अमेरिका और जर्मनी को आंतरिक मामले में दखल नहीं देने की नसीहत दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की संसद में जाकर भारत को मदर ऑफ डेमोक्रेसी बताया था। अमेरिका में जाकर नारा लगवाया था, अबकी बार ट्रंप सरकार, तब अमेरिका के साथ भारत के अच्छे संबंध थे। उस समय ट्रंप राष्ट्रपति थे। अब राष्ट्रपति बदल गए हैं,तो नजरिया भी बदल गया है। सियासी हलकों में कहा जा रहा है, भारत का लोकतंत्र,चुनाव की स्वतंत्रता और निष्पक्षता रूस की तरह हो गई है। रूस को भारत का समर्थन करना चाहिए। रूस को कहना चाहिए, कि भारत में निष्पक्ष चुनाव हो रहे हैं। जिस तरह से रूस में चुनाव हुए हैं। रूस में पुतिन के विरोध में जिन्होंने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1783: बारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ ब्रिटिश संसद ने भ्रष्टाचार के ग्यारह आरोप लगाए. 1858: हागू रोज के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों से भीषण लड़ाई के बाद झांसी की रानी लक्ष्मीबाई झांसी से 'कालपी और ग्वालियर गई. 1889: साहित्यकार माखनलाल चतुवेर्दी का जन्म. 1904: प्रसिद्ध गायक कुंदनलाल सहगल का जन्म. 1942: चीनी गणराज्य की घोषणा तिब्बत में की गई. 1942: बावरिया में बंगाल की खाड़ी में तीन ब्रिटिश जहाजों को डुबा दिया गया. 1942: वाशिंगटन में उत्तर अटालांटिका संधि पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, पुर्तगाल, नार्वे डेनमार्क, आइसलैंड और कनाडा ने हस्ताक्षर किये. 1964: हाउस्ट, टेक्सास के एक अस्पताल में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण किया. 1964 आर्क बिशप मकारियोस ने यूनान, तुर्की और साइप्रस के बीच हुई संधी को रद्द कर दिया.

दैनिक पंचांग

04 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

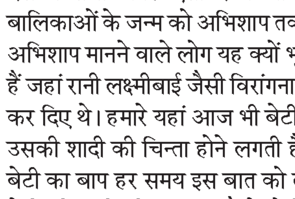

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.22 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	08.02 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.00 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	12.14 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	14.30 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.42 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.52 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.07 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.23 बजे से
राहुकाल		मकर	01.28 बजे से
1.30 से 3.00		कुंभ	03.15 बजे से
बजे तक		मीन	04.48 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 95 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 16.15 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 20.12 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 13.15 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 16.15 बजे तदनन्तर बव 02.55 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 48'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871939
जूलियन दिन 2460404.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान
तारीख 24
विशेष बासौदा, शीतला अष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

चुनावों की घोषणा के बाद बढ़ा सियासी पारा

राजस्थान में लोकसभा चुनावों की तारीख तय होने के बाद सियासी गर्मी तेज हो गई है। प्रदेश के कई सीटें ऐसी है, जहां बीजेपी - कांग्रेस दोनों पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन स्थानों पर भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद राजस्थान की सियासत में हलचल तेज हो गई है। राजस्थान की कुल 25 लोकसभा सीटों को लेकर दो चरण में मतदान होंगे। इनमें 12 सीटों पर पहले चरण में 19 अप्रैल को तथा 13 सीटों पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होंगे। इसको लेकर राजस्थान की कुछ लोकसभा सीटें हाई प्रोफाइल है। जिन पर सब लोगों की नजर टिकी हुई है। इस मुकाबले में मौजूदा चार केंद्रीय मंत्री भी चुनावी मैदान में है। लोकसभा सीटों और वहां की समीकरणों के बारे में...

राजस्थान की इन हाईप्रोफाइल सीटों का समीकरण

उदयपुर लोकसभा सीट

उदयपुर लोकसभा क्षेत्र एक एसटी सीट है। इस सीट पर दो सेवानिवृत अफसरों के बीच मुकाबला है। बीजेपी ने इस सीट पर मन्नालाल रावत को उम्मीदवार घोषित किया है। मन्नालाल रावत राजस्थान परिवहन विभाग में एडिशन कमिश्नर रह चुके हैं।मन्नालाल रावत ने चुनाव लड़ने के लिए वीआरएस लिया है। कांग्रेस ने भी रिटायर्ड आईएएस ताराचंद मीणा को उदयपुर लोक सभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। ताराचंद मीणा ने हाल ही में वीआरएस ली है। ताराचंद और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाते हैं। सियासत में चर्चा है कि गहलोत की वजह से ही ताराचंद मीना को कांग्रेस का टिकट मिला। ऐसे में उदयपुर सीट पर चुनाव दिलचस्प होने वाला है।

चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट

राजस्थान की चित्तौड़गढ़ लोकसभा सेट सियासत के सुर्खियों में है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी को फिर से चुनाव मैदान में उतर रहे हैं। जबकि कांग्रेस ने वहां के लोकल उम्मीदवार पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना को टिकट दिया है। इस दौरान निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने भी गत दिनों निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। लेकिन बीजेपी ने डैमेज कंट्रोल करते हुए बीती रात उन्हें मना लिया। इस दौरान चंद्रभान सिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के सामने बिना किसी शर्त के बीजेपी को समर्थन देने की घोषणा की।

चूरू लोकसभा सीट

चूरू लोक सभा सीट को लेकर राजस्थान की सियासत में जमकर बवाल हुआ। इस दौरान भाजपा ने मौजूदा सांसद राहुल कस्वां का टिकट काट दिया। जिसके कारण उन्होंने बीजेपी से बगावत करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन कर ली। इस पर कांग्रेस ने उन्हें चूरू से लोकसभा सीट का टिकट दे दिया है। जबकि भाजपा की ओर से पैरा ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट देवेंद्र झाझडिया को टिकट दिया। ऐसे में बीजेपी को लगातार दो बार के सांसद रह चुके राहुल कस्वां से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है।

जालौर सिरोही लोकसभा सीट

जालौर सिरोही लोकसभा सीट भी राजस्थान की सियासत की सुर्खियों में हैं। कांग्रेस ने यहां से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को टिकट दिया है। जबकि भाजपा की ओर से लुम्बाराम उम्मीदवार है। गहलोत के बेटे के चुनाव को लेकर राजस्थान की सियासत की नजरे इस सीट पर टिकी हुई है, क्योंकि इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रतिष्ठा दांव पर है। ऐसे में उम्मीद है कि जालौर सिरोही लोकसभा सीट पर रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

अलवर लोकसभा सीट

राजस्थान की अलवर लोकसभा सीट से भाजपा-कांग्रेस में यादव -यादव की टक्कर तय हो गई है। यहां से भाजपा ने राज्यसभा सांसद भूपेंद्र यादव को चुनावी मैदान में उतारा हैं। जिनसे मुकाबले के लिए कांग्रेस ने विधायक ललित यादव को टिकट दिया है। इधर, ललित यादव को टिकट देने को लेकर कांग्रेस में जमकर बवाल हुआ। इसको लेकर शनिवार को पूर्व सांसद करण सिंह यादव समेत 18 कांग्रेस नेताओं ने बीजेपी ज्वाइन कर ली।ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि करण सिंह यादव के बीजेपी में शामिल होने पर कांग्रेस को नुकसान हो सकता है।

कोटा-बूंदी लोकसभा सीट

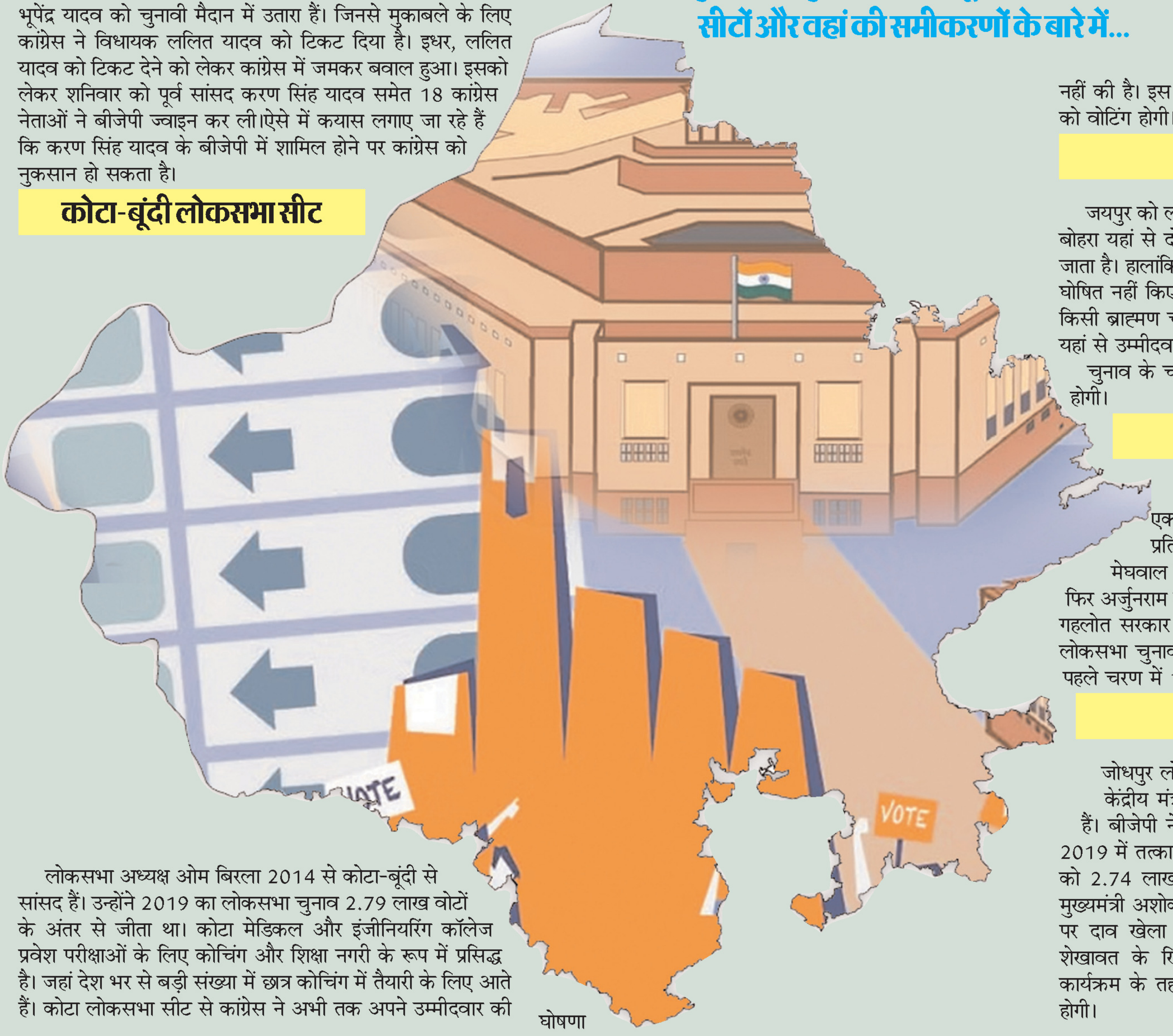

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 2014 से कोटा-बूंदी से सांसद हैं। उन्होंने 2019 का लोकसभा चुनाव 2.79 लाख वोटों के अंतर से जीता था। कोटा मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज प्रवेश परीक्षाओं के लिए कोचिंग और शिक्षा नगरी के रूप में प्रसिद्ध है। जहां देश भर से बड़ी संख्या में छात्र कोचिंग में तैयारी के लिए आते हैं। कोटा लोकसभा सीट से कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। इस लोकसभा चुनाव।कोटा में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोटिंग होगी।

जयपुर लोकसभा सीट

जयपुर को लोकसभा की 'वीआईपी सीट' माना जाता है।।रामचरण बोहरा यहां से दो बार से सांसद हैं। जयपुर को बीजेपी का गढ़ माना जाता है। हालांकि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने ही अभी यहां उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। कयास हैं कि जयपुर लोकसभा सीट से भाजपा किसी ब्राह्मण चेहरे को मौका दे सकती है। दोनों ही राजनीतिक दल यहां से उम्मीदवारों के नाम को लेकर मंथन में जुटे हुए हैं। लोकसभा चुनाव के चलते जयपुर में पहले चरण में 19 अप्रैल को वोटिंग होगी।

बीकानेर लोकसभा सीट

दलित नेता और मोदी मंत्रिमंडल के प्रमुख चेहरों में से एक अर्जुन राम मेघवाल 2009 से बीकानेर सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस चुनाव में यहां मेघवाल वर्सेस मेघवाल की लड़ाई देखने को मिल रही है। भाजपा ने इस बार फिर अर्जुनराम मेघवाल को उम्मीदवार बनाया है तो, कांग्रेस ने पिछ्ली गहलोत सरकार में मंत्री रहे गोविंदराम मेघवाल को टिकट दिया है। लोकसभा चुनाव को लेकर घोषित कार्यक्रम के अनुसार बीकानेर में पहले चरण में 19 अप्रैल को वोटिंग होनी है।

जोधपुर लोकसभा सीट

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर से दो बार से सांसद हैं। बीजेपी ने उन्हें फिर से चुनावी मैदान में उतारा। शेखावत ने 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को 2.74 लाख वोटों के रिकॉर्ड अंतर से हराया था। जोधपुर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गृह जिला है। इधर कांग्रेस ने नए चेहरे पर दाव खेला है। इसके तहत उन्होंने करण सिंह उचियारड़ा को शेखावत के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा। लोकसभा चुनाव कार्यक्रम के तहत जोधपुर में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोटिंग होगी।

कांग्रेस को अपने मजबूत गढ़ में ही छूट रहे 'पसीने'

चुनाव लड़ने से कतरा रहे दिग्गज

लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है लेकिन, कांग्रेस पार्टी की मुश्किल कम होने का नाम नहीं ले रही है। दक्षिण में अपने मजबूत गढ़ कर्नाटक राज्य में कांग्रेस को लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार ढूंढने में पसीना बहाना पड़ रहा है। आलम यह है कि पार्टी के दिग्गज चुनाव में उतरने से कतरा रहे हैं। राज्य में दो फेज के तहत 26 अप्रैल और 13 मई को मतदान होना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में किसी भी मंत्री या विधायक को उम्मीदवार नहीं बनाया। इसके पीछे की वजह यह सामने आई है कि वे चुनाव लड़ने में अनिच्छा जता रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के लिए यहां जीतने योग्य उम्मीदवारों की तलाश करना मुश्किल दिखाई दे रहा है। इससे पहले शनिवार को चुनाव आयोग ने सात चरणों के मतदान का ऐलान किया। 19 अप्रैल को पहला मतदान होगा और 1 जून को आखिरी मतदान होना है। 4 जून को मतगणना होगी। चुनाव के ऐलान के साथ ही सभी दल जुट गए हैं। कर्नाटक में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत के साथ यहां सरकार बनाई है। दक्षिण में कर्नाटक कांग्रेस के मजबूत गढ़ के रूप में उभरकर सामने आया है। हालांकि लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपने उम्मीदवार ढूंढने में पसीने छूट रहे हैं।

कांग्रेस को कर्नाटक में सात सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा किए 10 दिन बीत गए हैं लेकिन बाकी की 21 सीटों पर प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। कांग्रेस ने आठ मार्च को जारी अपनी पहली सूची में किसी भी मंत्री तथा विधायक को उम्मीदवार नहीं बनाया था। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व कुछ मंत्रियों और विधायकों को चुनाव लड़ने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है क्योंकि उन्हें कई निर्वाचन क्षेत्रों में जीतने योग्य उम्मीदवारों को चुनने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

चुनाव क्यों नहीं लड़ना चाहते कांग्रेसी दिग्गज

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने हाल में कहा था कि पार्टी में सात से आठ मंत्रियों को प्रत्याशी बनाने पर चर्चा की जा रही है। कुछ मंत्री खुद चुनाव लड़ने के बजाय अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव लड़ाने पर जोर दे रहे हैं और सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व उनके परिजनों को प्रत्याशी बनाने से जनता के बीच जाने वाले गलत संदेश को लेकर चिंतित दिखायी दे रहा है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि पार्टी को 2019 के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था जबकि वह राज्य में जनता दल (सेक्यूलर) के साथ गठबंधन में सत्ता में थी। इसे देखते हुए कई वरिष्ठ नेता लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की संभावनाएं अब भी आशाजनक नहीं दिख रही हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में एम मल्लिकार्जुन खरगे, वीरप्पा मोइली और मुनियप्पा समेत कई शीर्ष नेताओं को हार का सामना करना पड़ा था।

झारखंड में आगामी लोकसभा चुनाव में चार फेज में वोट डाले जाएंगे। इस रिपोर्ट में हम उन सीटों के बारे में जानेंगे जो झारखंड में राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली हैं। साथ ही इन सीटों पर चुनाव की तारीख क्या होगी यह भी बताया गया है। झारखंड के 14 में से आठ सांसद देने वाले संथाल परगना और उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र का आगामी चुनाव में खासा असर है। राज्य के दक्षिणी भाग में कोल्हान क्षेत्र भी राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में अहम है जिसमें सिंहभूम के अलावा जमशेदपुर सीट आती हैं।

झारखंड की इन सीटों पर क्यों सभी की निगाहें

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग ने चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। देशभर की 543 सीटों पर सात चरणों में मतदान होंगे। झारखंड में आगामी लोकसभा चुनाव में चार फेज में वोट डाले जाएंगे। इस रिपोर्ट में हम उन सीटों के बारे में जानेंगे जो झारखंड में राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली हैं। साथ ही इन सीटों पर चुनाव की तारीख क्या होगी यह भी बताया गया है। झारखंड के 14 में से आठ सांसद देने वाले संथाल परगना और उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र का आगामी चुनाव में खासा असर है। राज्य के दक्षिणी भाग में कोल्हान क्षेत्र भी राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में अहम है जिसमें सिंहभूम के अलावा जमशेदपुर सीट आती हैं।

संथाल परगना

संथाल परगना में भाजपा ने 2019 में दुमका (एसटी) और गोड्डा सीट जीती थीं जबकि भाजपा राजमहल (एसटी) झामुमो से हार गई थी। झामुमो के विजय कुमार हंसदक ने 2019 में राजमहल सीट पर भाजपा के हेमलाल मुर्मू को हराकर जीत हासिल की थी। इस बार भाजपा ने अपने पूर्व झारखंड प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी को राजमहल से मैदान में उतारा है। ताला मरांडी ने 2014 में भाजपा के टिकट पर बोरियो विधानसभा सीट जीती थी, भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद वह 2019 में आजसू में शामिल हो गए थे। हालांकि, 2022 में उनकी भाजपा में वापसी हो गई। दुमका में भाजपा ने मौजूदा सांसद सुनील सोरेन को मैदान में उतारा है। उन्होंने 2019 के चुनाव में झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन को 47,590 मतों के अंतर से हराया था। मौजूदा सांसद निशिकांत दुबे गोड्डा से दोबारा चुनाव लड़ेंगे। निशिकांत ने झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) के प्रदीप यादव को 1,84,227 मतों से हराया था।

किस दिन होगा चुनाव?

संथाल परगना के दुमका, गोड्डा और राजमहल सीट के लिए चौथे चरण के तहत एक जून (शनिवार) को वोटिंग होगी।

उत्तरी छोटानागपुर– उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में कुल पांच सीटें आती हैं, जो राज्य के किसी भी क्षेत्र के लिए संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा हैं। उनमें से प्रमुख सीट शहरी निर्वाचन क्षेत्र हजारीबाग है, जिसका प्रतिनिधित्व कभी पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा और बाद में उनके बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा ने किया था। इस बार भाजपा ने निवर्तमान सांसद जयंत सिन्हा की जगह स्थानीय विधायक मनीष जायसवाल को मैदान में उतारा है। जयंत सिन्हा ने 2019 में कांग्रेस के गोपाल साहू को 4.79 लाख वोटों के अंतर से हराकर यह सीट जीती थी। इस क्षेत्र में हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह और धनबाद आते हैं।

किस दिन होगा चुनाव?

झारखंड में हजारीबाग एक हॉट सीट है। यहां लोकसभा चुनाव के लिए मतदान पांचवें चरण में 20 मई (सोमवार) को होगी।

कोल्हान

इस क्षेत्र की सिंहभूम (एसटी) और जमशेदपुर सीट पर भी चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को इस बार भाजपा ने सिंहभूम से अपना उम्मीदवार बनाया है जो हाल में कांग्रेस छोड़कर केंद्र में सत्तारूढ़ दल में शामिल हुई हैं। निवर्तमान सांसद गीता कोड़ा ने 2019 के चुनाव में यहां से भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मण गिलुआ को हराया था। जमशेदपुर में भाजपा ने बिद्युतबरन महतो को भी मैदान में उतारा है। उन्होंने 2019 में चंपई सोरेन को तीन लाख से ज्यादा मतों के अंतर से हराया था।

किस दिन होगा चुनाव?

सिंहभूम सीट के लिए चौथे चरण में 13 मई (सोमवार) को वोटिंग होगी। वहीं जमशेदपुर सीट पर छठे चरण में 25 मई (शनिवार) को वोट डाले जाएंगे।

दक्षिण छोटानागपुर– दक्षिण छोटानागपुर के खूंटी में चुनावी जंग रोचक होगी जहां से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को मैदान में उतारा है। उन्होंने 2019 के चुनाव में यह सीट 1,445 मतों के मामूली अंतर से जीती थी। भाजपा ने क्षेत्र की लोहरदगा सीट से राज्यसभा सदस्य समीर ओरांव को उम्मीदवार बनाया है। राज्यसभा के लिए उनका कार्यकाल तीन मई को खत्म हो रहा है। वह यहां से निवर्तमान सांसद सुदर्शन भगत की जगह उम्मीदवार बनाए गए हैं।

किस दिन होगा चुनाव?

खूंटी में चौथे चरण में 13 मई (सोमवार) को वोटिंग होगी। वहीं लोहरदगा में भी 13 मई को वोट डाले जाएंगे।

ऑफिस में परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं इमोशंस

खुशी, दुख, चिंता, गुस्साये हर इमोशन आपके किसी न किसी तरह के काम में आपकी परफॉर्मेंस के लिए अच्छे होते हैं। आइए जानते हैं इन इमोशसं का अधिक प्रभावी ढंग से किस तरह उपयोग किया जाए। हालांकि हमने इस बारे में नहीं सोचा होगा कि जो कि काम हम करते हैं, भले ही वह कलिग के ई-मेल का जवाब देना हो या सप्लायर के साथ निगोशिएशन करना हो, हम कई तरह के इमोशंस जैसे खुशी, दुख, चिंता, गुस्सा, गर्व, उत्साह अपने अंदर पाते हैं। कई बार यह इमोशंस हमें हमारी परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं।

चिंता : प्रेजेंटेशन के लिए तैयार

हमें चिंता भले ही निगेटिव इमोशन लगे लेकिन यह एक हाई अलर्ट है और हम अपने राह में आने वाले सभी चीजों के लिए तैयार रहते हैं। अब भले ही वह हमारा प्रेजेंटेशन हो या सेल्स कॉल। आप भले ही इस चिंता के भाव से दूर जाना चाहते हों लेकिन एक बार आप इसके फायदें जान लेंगे तो इसके लिए आभारी रहेंगे। अगले बार जब भी आप नर्वस या चिंता महसूस करें तो यह छुपा हुआ रिएक्शन देखें 'नहीं, मैं नर्वस नहीं हूं। मैं अलर्ट हूं और प्रतिक्रिया के लिए तैयार हूं।'

अच्छा महसूस होना : क्रिएटिविटी में फायदा

एक पॉजिटिव मूड नई बातें सीखने, क्रिएटिव होने और कम क्रिटकिल होने में उपयोगी साबित होता है। पॉजिटिव इमोशन से क्रिएटिविट झलकती है। अगर आप कम महत्वपूर्ण चीजों को आसानी से करना चाहते हैं तो पॉजिटिवि मूड मदद कर सकता है। आपने नोटिस किया होगा कि जब आप कोई फैसला लेने वाले होते हैं तो अच्छे मूड में ही होते हैं। अपनी आंखे बंद कीजिए और उन चीजों को याद करें जो आपको आमतौर पर खुशी देती है जैसे कोई पसंदीदा टीवी शो, दोस्त के साथ बातचीत, किताब पढ़ते हुए रिलेक्सेशन, एक अच्छा जोक।

गुस्सा : एक्शन में तब्दील

पागलपन और गुस्सा आना भले ही निगेटिव इमोशन है लेकिन यह किसी व्यक्ति, वस्तु या आइडिया पर एक्शन लेने के लिए प्रेरित करता है। मान लीजिए एक स्टोर का मालिक लाभ के सामान की कीमतें बढ़ा देता है। लेकिन ऐसा करके वह अपना विश्वास चोटिल कर देता है जो कि उसने अपने ग्राहकों के दिमाग में बनाया था। वह डरता है कि बढ़ती कीमत की वजह से ग्राहकों की नाराजगी बढ़ेगी जो कि वह अवॉइड करना चाहता है। डर की बजाए गुस्से को सोर्स मानना उसकी मदद कर सकता है।

दुख : आलोचनात्मक सोच

इस इमोशन के कई सरप्राइजिंग इफेक्ट्स है। जब हम दुखी होते हैं तो हम डिसीजन मेकिंग में पूर्वाग्रह में रहते हैं। दुख हमें ज्यादा अच्छी सोच और आलोचनात्मक सोच प्रदान करता है। यानी दुख भी एक वास्तविक स्त्रोत हो सकता है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट की फील्ड में होगी लाखों की कमाई

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है। कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

यहां से करें हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

- अपोलो इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- एम्स, नई दिल्ली

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

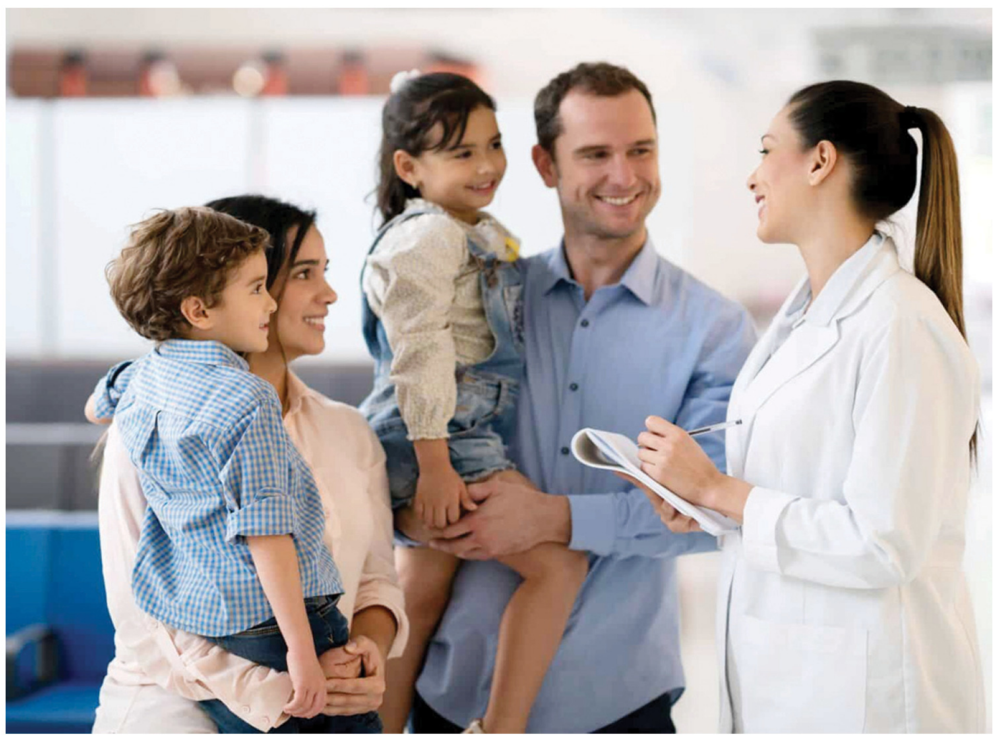

सकारात्मक के लिए करें ये काम

कई बार हम सकारात्मक सोचने का निर्णय लेते हैं, लेकिन कुछ ही समय में हमारा व्यवहार पहले जैसा हो जाता है। आइए जानें ऐसी पांच बातें, जिनसे हमें हमेशा सकारात्मक रहने में मदद मिलेगी।

जो पाना है, उस पर फोकस

हमारी एक गलती से नकारात्मकता हमारी विचार प्रक्रिया में शामिल हो जाती है और वह है एक ही बात के बारे में बार-बार सोचना। किसी भी चीज का परिणाम क्या होगा, यह सोचकर अपना समय बर्बाद करने से अच्छा है कि हम इस बात पर फोकस करें कि हमें क्या अचीव करना है। इससे हमारा काम बेहतर होगा।

समस्या के साथ सीख

हर समस्या में हमारे लिए एक सीख छिपी होती है और हमें उस सीख को समझकर हमेशा के लिए उसे गांठ बांध लेना चाहिए। हम समस्या से घबराकर नकारात्मक सोचना शुरू कर देते हैं और उल्टे-सीधे कयास लगाते हैं, जिससे समस्या वास्तविकता से ज्यादा बड़ी लगने लगती है। अगर हम सीख को याद रखकर आगे उस पर अमल करें, तो यह हमारे अनुभव को समृद्ध करने का काम करेगा।

खुद की सराहना

दूसरों के अच्छे काम की तारीफ तो हम सब करते हैं, लेकिन अपने किए हुए अच्छे काम पर शायद ही हम खुद को शाबाशी देते हों। छोटी-से-छोटी चीजों को भी अचीव करने पर हमें खुद की सराहना करनी चाहिए। इससे हमारी विचार प्रक्रिया पर काफी सकारात्मक असर पड़ता है।

अपनी क्षमताओं पर विश्वास

खुद की क्षमता पर हमेशा भरोसा रखें। खुद पर से आपका विश्वास जितना डगमगाएगा, आपके जीवन में नकारात्मकता भी उतनी ही बढ़ती जाएगी। इसलिए कभी यह मत सोचिए कि कोई काम आप नहीं कर सकते। हमेशा इस पर फोकस करें कि वह काम आप तय समय में कैसे करेंगे।

अपने रवैये का विश्लेषण

अगर आपको खुद की कोई आदत अच्छी नहीं लगती और न चाहते हुए भी आप बार-बार उसे दोहरते हैं, तो उसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। ऐसे व्यवहार से न सिर्फ हमारे अंदर, बल्कि हमारे आसपास भी नकारात्मकता बढ़ती है और लोग हमसे दूर भागते हैं।

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीट्यूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे।

पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स को संरक्षित करता है आर्ट रेस्टोरर

दिन बदलते हैं, सदियां गुजरती हैं, लोग चले जाते हैं, पर तब भी कई चीजें ऐसी होती हैं, जो पुरानी यादों और पुराने लोगों की याद ताजा कराती रहती हैं। ऐसे में आर्ट कंजरवेशन बहुत जरूरी भूमिका निभाता है। इसके तहत एक आर्ट रेस्टोरर पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स आदि को दोबारा उसी रूप में संरक्षित कर देता है, जैसी वे सदियों पूर्व हुआ करती थीं। उदाहरण के लिए आपके घर में कोई पेंटिंग है, जो 100 साल या फिर 50 साल या इससे भी अधिक पुरानी है। उस पर धूल जम गई है, उसकी चमक फीकी पड़ गई है। उसे देख कर ऐसा लगता है कि अब उसका कोई उपयोग नहीं रह गया। पर वह पेंटिंग आपके दिल के करीब है तो ऐसे में आप किसी आर्ट रेस्टोरर के पास जाकर उसे पुन- उसी रूप में ला सकते हैं, जैसे कि वह वर्षों पहले हुआ करती थी। लाल किला, कुतुब मीनार, ताजमहल जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए आर्ट रेस्टोरर अहम भूमिका निभाते हैं।

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे। कुछ प्राइवेट संस्थानों ने भी यह कोर्स शुरू किया है, पर नेशनल म्युजियम के आगे वे कहीं भी नहीं टिकते। इस कोर्स के दौरान आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में ऐसी जानकारी दी जाएगी कि आप इन विषयों के डॉक्टर बन जाएंगे। यह कला से जुड़ा काम है, इसलिए मेहनत इसकी पूंजी है। लकड़ी के फ्रेम तैयार करना या फिर किसी मॉन्यूमेंट की दीवारों पर बांस की बल्ली के सहारे जाकर काम करना, ये सब इसमें शामिल है।

इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्युजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाएगा। शुरू में आपको अनुभव के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ेगा। अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट स्टूडियो शुरू करने के साथ-साथ विदेशों में भी काम कर सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों की लाइब्रेरी भी आपको मौका दे सकती है। हां अब कई बड़ी कंपनियां आर्ट रेस्टोरर को बतौर कर्मचारी भी नियुक्त कर रही हैं। आर्ट रेस्टोरर बन कर आप लाखों रुपये महीने तक कमा सकते हैं। कला के शौकीनों के लिए अहम भूमिका निभाने वाले आर्ट कंजरवेटरों की कमी होने के कारण बहुत से लोग इनसे समय लेकर इंतजार करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जी में छंटनी के बाद अब सैलरी में कटौती, 20 प्रतिशत कम हुआ सीईओ पुनित गोयनका का वेतन

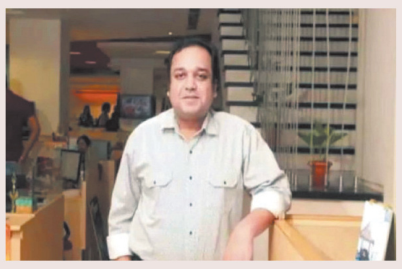

नई दिल्ली, एजेंसी। छंटनी के बाद अब जी एंटरटेनमेंट में सैलरी पर कैंची चलने लगी है। कास्ट कटिंग के तहत सीईओ पुनित गोयनका के वेतन में 20 पर्सेंट की कटौती की गई है। जी एंटरटेनमेंट ने मंगलवार को कहा कि कंपनी के सीईओ पुनित गोयनका अपने वेतन में 20 प्रतिशत की कटौती करेंगे। पिछले साल 31 मार्च तक गोयनका का सालाना सैलरी 35.07 करोड़ रुपये (4.21 मिलियन डॉलर) थी। कंपनी ने लेटेस्ट आंकड़ों के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। कंपनी के कास्ट कटिंग अभियान के तहत कुछ दिन पहले टेक्नोलॉजी और इन्वोशन सेंटर में छंटनी हुई है। जी अपने अंग्रेजी टीवी चैनलों सहित कुछ अन्य बिजनेस में घाटे को कम करने और प्रॉफिट टार्गेट को पूरा करने के लिए छंटनी और वेतन में कटौती के जरिए लागत कम करने की कोशिश कर रहा है। जी ने शुक्रवार को पैनल की सिफारिशों के आधार पर बेंगलुरु में अपने टेक्नोलॉजी और इन्वोशन सेंटर में कर्मचारियों की संख्या लगभग आधी कर दी थी। गोयनका इस साल की शुरुआत में सोनी इंडिया के साथ कंपनी के 10 अरब डॉलर के असफल मर्जर का एक प्रमुख कारण थे। मुख्य रूप से इस बात को लेकर गतिरोध था कि विलय की गई इकाई का नेतृत्व कौन करेगा। जी ने गोयनका को कमान संभालने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन बाजार नियामक सेबी द्वारा जांच का विषय बनने के बाद सोनी पीछे हट गई। सोनी इंडिया के साथ डील विफल होने के बाद से जी के शेयर लगभग 34 प्रतिशत खो टूट गए।

डीमर्जर की खबर के बाद शेयरों को लगे पंख, 17% बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटेल कंपनी आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल के शेयरों में आज तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर चार सालों के हाई पर हैं। शेयर में करीब 17 फीसदी की उछाल देखा गया है। कंपनी के शेयर में ये बढ़त जून 2020 के बाद किसी एक दिन में आई सबसे बड़ी तेजी है। फिलहाल शेयर पर यह 11.95 फीसदी की बढ़त के साथ 237 रुपए के भाव इंट्रा-डे में यह 16.86 फीसदी की मजबूती के साथ 247.40 रुपए के भाव तक पहुंच गया था। कंपनी के शेयरों में ये उछाल आदित्य बिड़ला फैशन से जुड़ी एक खबर के सामने आने के बाद से देखा जा रहा है। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड ने सोमवार को अपने फास्ट फैशन और रिटेल व्यवसाय मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल को एक अलग लिस्टेड इकाई में विभाजित करने की घोषणा की। कंपनी के एक बयान के अनुसार, एबीएफआरएल बोर्ड ने सोमवार को हुई अपनी बैठक में कंपनी के मैनेजमेंट को मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल व्यवसाय के वर्टिकल डीमर्जर का मूल्यांकन करने के लिए अधिकृत किया। इसके अलावा, प्रस्तावित डिमर्जर के पूरा होने के बाद, एबीएफआरएल अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने और बड़े विकास के अवसर को आगे बढ़ाने के लिए ÷12 महीनों के भीतर विकास पूंजी जुटाएगी÷। गौरतलब है कि एमएफएल कारोबार को दिसंबर 1999 में आदित्य बिड़ला ग्रुप फर्म द्वारा कपड़े, जूते और परफॉर्मेंस मैटेरियल बनाने वाली ब्रिटिश मल्टीनेशनल कंपनी कोट्स वियेला की भारतीय इकाई से अधिग्रहित किया गया था।

सोलर प्रोजेक्ट के लिए कंपनी को मिला 520 करोड़ का बड़ा ऑर्डर, शेयर खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। चॉइस इंटरनेशनल के शेयर आज मंगलवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयरों में आज इंट्रा डे में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी थी। यह शेयर 296.55 रुपये पर पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, चॉइस इंटरनेशनल की सहायक कंपनी को 520 करोड़ रुपये के सोलर प्रोजेक्ट का ऑर्डर मिला है। इसके बाद से शेयरों में बंपर खरीदारी देखी जा रही है।

क्या है डिटेल : चॉइस इंटरनेशनल की सहायक कंपनी च्वाइस कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने सोलर91 क्लीनटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम साझेदारी में जोधपुर विद्युत वितरण निगम के लिए एक सोलर प्लांट के विकास के लिए प्रोजेक्ट जीतने का ऐलान किया है। इसकी वैल्यू 520 करोड़ रुपये है। इस परियोजना में चॉइस और सोलर91 मिलकर मुख्य सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे। इसमें डिटेल साइट सर्वेक्षण, डिजाइन की निगरानी, सोलर एनर्जी की सप्लाई और स्थापना समेत कई काम शामिल हैं। चॉइस इंटरनेशनल के सीईओ अरुण पोद्दार ने कहा, रिन्यूएबल एनर्जी तेजी से बढ़ता हुआ सेक्टर है और हम जल प्रबंधन, सड़क और राजमार्ग और शहरी विकास क्षेत्रों में अपनी अपार सफलता के बाद अपने पोर्टफोलियो को व्यापक बनाने के लिए सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहे हैं। बता दें कि पिछले पांच दिन में यह शेयर 12 प्रतिशत और छह महीने में 40 प्रतिशत तक चढ़ गया है। पिछले एक साल में इसमें 105 प्रतिशत तक की तेजी और पिछले पांच साल में 283 प्रतिशत तक की तेजी आई है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 301.90 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 137.48 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 5,752.08 करोड़ रुपये है।

दादा ने खरीदे थे एसबीआई के 500 के शेयर, 30 साल बाद पोते को मिला बड़ा सरप्राइज, अब मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर अचानक 30 साल पुराना एक ऐसा डॉक्युमेंट मिल जाए जो लाखों रुपये का हो, तो आपका क्या रिएक्शन क्या होगा आपके लिए संभवत यह सबसे बड़ा सरप्राइज होगा। ऐसा ही सरप्राइज छत्तीसगढ़ के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. तन्मय मोतीवाला को मिला है। उन्होंने इस सरप्राइज के बारे में अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर बताया है।

क्या है सरप्राइज

डॉ. तन्मय मोतीवाला के मुताबिक वह अपने परिवार के फाइनेंस से जुड़े डॉक्युमेंट को व्यवस्थित कर रहे थे तभी उन्हें भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई का एक शेयर सर्टिफिकेट मिला। इस सर्टिफिकेट को देखने के बाद तन्मय मोतीवाला को पता चला कि उनके दादा ने साल 1994 में 500 रुपये के एसबीआई के शेयर

खरीदे थे। दादा ने ये शेयर कभी बेचे नहीं और इसके बारे में बताना भी भूल भी गए। इस 30 साल की अवधि में एसबीआई के शेयर ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया और अब तन्मय मोतीवाला के पास पड़े शेयरों का वैल्यू 3.75 लाख रुपये है। डॉ. मोतीवाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा- निवेश की बड़ी रकम नहीं थी लेकिन हां 30 सालों में 750 गुना रिटर्न दे चुका है। वास्तव में यह बहुत बड़ी रकम है। इसके साथ ही डॉ. मोतीवाला ने अपने परिवार के स्टॉक सर्टिफिकेट को डीमैट फॉर्मेट में कन्वर्ट करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इसमें होने वाली दिक्कतों का जिक्र करते हुए कहा कि बोझिल प्रक्रिया से निपटने में एक एडवाइजर के मदद की जरूरत पड़ी। हालांकि, लंबी प्रक्रिया के बाद यह शेयर अब डीमैट फॉर्मेट में कंवर्ट हो चुके हैं। डॉ. मोतीवाला ने अपने दादा के इन शेयरों को होल्ड बनाए रखने के इरादे के बारे में भी बताया। बता दें कि एसबीआई के शेयर 767.35 रुपये पर हैं। बीते कारोबारी दिन के मुकाबले शेयर की कीमत में 1.21 प्रतिशत उछाल है। बीते 7 मार्च को यह शेयर 793.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। अप्रैल 2023 को शेयर की कीमत 519 रुपये तक लुढ़क गई थी।

शेयर बाजार के हाई वैल्युएशन पर सेबी चेयरपर्सन ने किया रिएक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने शेयर बाजार के वैल्युएशन पर एक बार फिर प्रतिक्रिया दी है। बुच ने कहा कि भारत के पूंजी बाजार में हाई वैल्युएशन का कारण विदेशी निवेशकों की देश को लेकर उम्मीद और भरोसा है। बुच ने एक कार्यक्रम में कहा- निश्चित रूप से कुछ लोग कहते हैं कि हमारा बाजार महंगा है लेकिन फिर भी निवेश क्यों आ रहा है क्योंकि यह उस आशावाद और विश्वास का प्रतिबिंब है जो दुनिया आज भारत में रखती है। बुच ने कहा कि वह मिली जिम्मेदारियों के तहत नियमित रूप से विदेशी निवेशकों से मिलती रहती हैं। उन्होंने देखा है कि कई साल की मजबूत वृद्धि के बाद देश की अर्थव्यवस्था में जो गति आई है, इस कारण उनमें भारत के प्रति रुचि बढ़ी है।

हाई वैल्युएशन पर जताई थी चिंता

बता दें कि सेबी प्रमुख बुच ने कुछ सप्ताह पहले छोटे और मझोली कंपनियों के शेयर कैटेगरी में हाई वैल्युएशन पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि यह एक बुलबुले में तब्दील हो सकता है। इसके बाद शेयर बाजार बुरी तरह क्रैश हो गए थे। माधबी पुरी बुच ने कहा कि पूंजी बाजार नियामक सेबी सार्वजनिक शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिनिधि के रूप में काम करता है। सेबी प्रमुख ने कहा कि एक नियामक के रूप में हमारे लिए विश्वास का सबसे बुनियादी आधार पारदर्शिता है। उन्होंने कहा कि भरोसा दोतरफा होता है। जहां एक कंपनी को बाजार के साथ भरोसा बनाने के लिए नियामक के साथ विश्वास बनाना होता है, वहीं नियामक सार्वजनिक शेयरधारकों के प्रतिनिधि के रूप में उद्योग के साथ विश्वास बनाने के लिए काम कर रहा है।

मार्केट कैप अब जीडीपी के स्तर पर

माधबी पुरी बुच ने कहा कि बाजार में रुचि के कारण शेयर कैटेगरी में कुल वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में 378 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जबकि एक दशक पहले यह 74 लाख करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि मार्केट कैप अब कुल मिलाकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के स्तर पर है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्थाओं ने वित्त वर्ष 2023-24 में इक्विटी और बॉन्ड जारी कर बाजार से कुल 10.5 लाख करोड़ रुपये जुटाये। इसमें बॉन्ड के माध्यम से आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाये गए।

एचएमएसआई की मार्च में घरेलू बाजार में बिक्री 81% बढ़कर 3,58,151 इकाई

नई दिल्ली, एजेंसी। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) की घरेलू बाजार में थोक बिक्री मार्च में सालाना आधार पर 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,58,151 इकाई रही। कंपनी की मार्च, 2023 में थोक बिक्री 1,97,542 इकाई रही थी। एचएमएसआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, मार्च, 2023 के 14,460 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने निर्यात 95 प्रतिशत बढ़कर 28,304 इकाई हो गया।

पिछले महीने कुल बिक्री बढ़कर 3,86,455 इकाई हो गई, जो 2023 के इसी महीने में 2,12,002 इकाई थी। कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में 43,50,967 इकाइयों की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में उसकी बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 48,93,522 इकाई रही।

30 करोड़ लोगों के लिए जरूरी खबर, सीजीएचएस और आयुष्मान कार्ड को लिंक करना अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारी आमतौर पर इलाज के लिए सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम कार्ड का इस्तेमाल करते हैं जिससे उनका इलाज कम या बिना पैसों के हो जाता है। अगर आप भी सीजीएचएस स्कीम के लाभार्थी हैं तो अब आपको अपने कार्ड को आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट की आईडी बनाकर लिंक करना जरूरी है। सरकार ने 1 अप्रैल 2024 से यह नियम लागू कर दिया है और 30 अप्रैल 2024 तक इसको लिंक करने का समय दिया गया है।

गौरतलब है कि आयुष्माण भारत कार्ड कोई भी बना सकता है, ये एक तरह का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड है। इसको रजिस्टर करने के लिए आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और आधार कार्ड से जुड़ा मोबाइल नंबर होना जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले हेल्थ आईडी पोर्टल पर जाना होगा। वहां ञ्ञ नंबर तैयार करें पर क्लिक करें। आप यह कार्ड डाउनलोड भी कर सकते हैं।

इस हेल्थ आईडी कार्ड में आपका हेल्थ डाटाबेस स्टोर हो सकता है। इस डाटाबेस को डॉक्टर आपकी सहमति से देख सकते हैं। डेटाबेस में डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन, रिपोर्ट वगैरह डिजिटल स्टोर की जाएंगी। इस सिस्टम के माध्यम से सभी अस्पतालों और डॉक्टरों की जानकारी जमा की

जाएगी। फिलहाल आम आदमी अपने स्तर पर रिकॉर्ड फीड कर सकता है, लेकिन मकसद ये है कि पूरे देश के नागरिकों का रिकॉर्ड अस्पताल और डॉक्टर के स्तर पर ही डिजिटल होकर इस सिस्टम में दर्ज होता रहे।

सीजीएचएस योजना

केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) 1954 में केंद्र सरकार के कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को स्वास्थ्य देखभाल सुविधा देने के लिए शुरू की गई थी। वर्तमान में 75 शहरों में 41 लाख से अधिक लाभार्थी इस योजना के अधीन हैं।

आयुष्मान भारत योजना

आयुष्मान भारत को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के रूप में भी जाना जाता है। इस योजना की शुरुआत 23 सितंबर 2018 को हुई थी। इस योजना के तहत लाभार्थी परिवार को सालाना 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा सुविधा देती है। योजना के तहत देश के 12 करोड़ परिवारों के 55 करोड़ से अधिक लोगों को सुरक्षा मिल रही है। इसमें से 30 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

सरकार के आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक का इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाने के लिए एक मंच विकसित करना है। आभा एक 14 अंकों की संख्या है जो लाभार्थी के हेल्थ आईडी के रूप में जानी जाती है। इसे डिजिटल रूप से या हार्डकॉपी के रूप में जारी किया जा सकता है। जनवरी 2024 तक कुल 52 करोड़ से ज्यादा आभा नंबर जारी किए गए हैं।

एफवाय25 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी देश की इकोनॉमी, वर्ल्ड बैंक का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में देश की इकोनॉमी 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह अनुमान वर्ल्ड बैंक ने लगाया है। चालू वित्त वर्ष के लिए यह अनुमान वर्ल्ड बैंक के पिछले अनुमान से थोड़ा अधिक है। वर्ल्ड बैंक ने कहा-वित्त वर्ष 2024/25 में विकास दर धीमी होकर 6.6 प्रतिशत होने की उम्मीद है, बाद के वर्षों में इसमें तेजी आएगी। वहीं, वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की विकास दर 7.5 प्रतिशत आंकी है, जो राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा अनुमानित 7.6 प्रतिशत से थोड़ा कम है।

क्या है इकोनॉमी के बड़े फैक्टर

वर्ल्ड बैंक ने कहा कि भारत में सर्विसेज और इंडस्ट्री में वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद है। इसके तहत मजबूत निर्माण और रियल एस्टेट गतिविधि से सहायता मिलेगी, जबकि मुद्रास्फीति का दबाव कम होने की उम्मीद है, जिससे वित्तीय स्थितियों को आसान बनाने के लिए अधिक नीतिगत गुंजाइश बनेगी। हालांकि, रिपोर्ट में बताया गया है कि निकट अवधि में भारत की विकास गति सार्वजनिक क्षेत्र पर निर्भर है। इसके मुताबिक बढ़े हुए कर्ज, उधार लेने की लागत और राजकोषीय घाटे पर लगाम लगाने के प्रयास अंततः विकास पर असर डाल सकते हैं। इसके साथ ही वर्ल्ड बैंक ने रिपोर्ट में कहा कि एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर पिछले साल के 5.1 प्रतिशत की तुलना में धीमी पड़कर वर्ष 2024 में 4.5 प्रतिशत ही रहने का अनुमान है। एशियाई देशों की अर्थव्यवस्थाएं इस साल उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं जितना वे कर सकती थीं। रिपोर्ट कहती है कि कर्ज, व्यापार बाधाएं और नीतिगत अनिश्चितताएं इस क्षेत्र की आर्थिक गतिशीलता को कमजोर कर रही हैं और सरकारों को कमजोर सामाजिक सुरक्षा जाल और शिक्षा में कम निवेश जैसी दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि एशिया की अर्थव्यवस्थाएं महामारी-पूर्व की तुलना में अधिक धीमी गति से बढ़ रही हैं लेकिन यह रफ्तार भी दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक है।

हेल्थ-एनर्जी ड्रिंक के नाम पर फूड प्रॉडक्ट्स बेच रही हैं ई-कॉमर्स वेबसाइट्स!

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने किया आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सभी ई-कॉमर्स फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को चेतावनी दी है कि वे अपनी वेबसाइटों के जरिए हेल्थ ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक जैसे शब्दों का दुरुपयोग न करें। स्न्नस्स्ड्ढ ने कहा है कि वेबसाइटों के माध्यम से बेचे जा रहे खाद्य उत्पादों का उचित क्लासिफिकेशन तय किया जाए और बिक्री बढ़ाने के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग न किया जाए, जो नियमों के तहत मान्य नहीं है। यह भी कहा गया है कि स्न्नस्स् ऐक्ट 2006 के मुताबिक हेल्थ ड्रिंक शब्द को कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है। लेकिन देखने में आ रहा है कि ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर हेल्थ ड्रिंक और एनर्जी के नाम पर खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे है। प्रॉपराइटरी फूड के तहत लाइसेंस प्राप्त खाद्य उत्पादों को डेयरी-आधारित पेय मिश्रण या अनाज-आधारित पेय मिश्रण या माल्ट-आधारित पेय मिश्रण निकटतम श्रेणी के तहत ई-कॉमर्स वेबसाइट पर हेल्थ ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक आदि की श्रेणी में बेचा जा रहा है। FSSAI ने सभी ई-कॉमर्स फूड बिजनेस ऑपरेटरों को सलाह दी है कि वे अपनी वेबसाइटों पर हेल्थ ड्रिंक्स/ एनर्जी ड्रिंक्स की कैटिगरी से ऐसे पेय पदार्थों को हटाकर या डी-लिंक करके इसे तुरंत सुधारें। ग्राहकों तक कोई भी भ्रामक जानकारी नहीं पहुंचनी चाहिए। स्न्नस्स् ऐक्ट 2006 के प्रावधानों का हर हाल में पालन करना होगा। शब्द एनर्जी

ड्रिंक को केवल फूड कैटिगरी सिस्टम 14.1.4.1 और 14.1.4.2 (कार्बोनेटेड और गैर- कार्बोनेटेड पानी आधारित स्वादयुक्त पेय) के तहत लाइसेंस प्राप्त उत्पादों पर उपयोग करने की अनुमति है।

क्या है प्रॉपराइटरी फूड

'प्रॉपराइटरी फूड' ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जो खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य योजक) विनियमन में मानकीकृत नहीं हैं। इसमें कहा गया है, 'इस सुधारात्मक कार्रवाई का उद्देश्य उत्पादों की प्रकृति और कार्यात्मक गुणों के बारे में स्पष्टता और पारदर्शिता बढ़ाना है ।

दुनिया की सारी दौलत फीकी है... नए अंदाज में दिखे अरबपति गौतम अडानी

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर अरबपति गौतम अडानी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर गंभीर मुद्दों पर बात करते या जानकारी देते नजर आते हैं। हालांकि, इस बार अपने सोशल मीडिया पर गौतम अडानी कारोबारी इमेज से इतर एक नए रूप में नजर आए हैं। दरअसल, अडानी ने अपनी 14 महीने की पोती कावेरी के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने एक प्यारा सा मैसेज भी लिखा है।

गौतम अडानी का क्या है पोस्ट

सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर किए गए पोस्ट में गौतम अडानी, पोती कावेरी को गोद में लिए मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है-इन आंखों की चमक के आगे दुनिया की सारी दौलत फीकी है। यह तस्वीर लंदन के साइंस म्यूजियम में न्यू अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी में ली गई थी। तस्वीर के बैकग्राउंड में गौतम अडानी की पत्नी और कावेरी के माता-पिता भी मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। बता दें कि कावेरी के पिता करण अडानी और मां परिधि हैं। करण, गौतम अडानी के बड़े बेटे हैं।

एक हफ्ते में मिली कई अच्छी खबर

बता दें कि बीते कुछ समय से अडानी समूह को लेकर कई अच्छी खबरें आई हैं। लंदन के साइंस म्यूजियम ने 26 मार्च को अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी की शुरुआत हुई है। वहीं, समूह ने एक सप्ताह के भीतर 1.2 अरब डॉलर का तांबा संयंत्र खोला, ओड़िशा में बंदरगाह खरीदा और सीमेंट कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई। इसके साथ ही प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाली मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ गठजोड़ भी किया है। बता दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च के समूह के खिलाफ रिपोर्ट आने के 14 महीने बाद गौतम अडानी समूह ने बड़े स्तर पर विस्तार की घोषणाएं की हैं। रिपोर्ट समूह पर खुलेआम शेयरों में हेराफेरी और बही-खाते में हेराफेरी का आरोप लगाया गया था। इससे समूह की कंपनियों के शेयरों में शेयर भारी गिरावट आई और बाजार मूल्यांकन में एक समय करीब 150 अरब डॉलर का नुकसान हो गया था।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ऊंची उड़ान, ग्रोथ 16 साल के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोडक्शन और नए ऑर्डर में मजबूत बढ़ोतरी के दम पर मार्च में भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर क्षेत्र की बढ़ोतरी 16 साल के हाई लेवल पर पहुंच गई। इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजमेंट इंडेक्स मार्च में बढ़कर 59.1 पर पहुंच गया जो फरवरी में

56.9 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर इंडेक्स होने का मतलब प्रोडक्शन एक्टिविटीज में विस्तार है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दिखाता है। अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा कि भारत का मार्च मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 2008 के बाद से अपने हाई लेवल पर पहुंच गया। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में मजबूत उत्पादन और नए ऑर्डर से नियुक्तियां बढ़ीं। उत्पादन मार्च में लगातार 33वें महीने बढ़ा। अक्टूबर 2020 के बाद से यह सर्वाधिक बढ़ोतरी है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

क्यों आई तेजी

डोमेस्टिक और एक्सपोर्ट बाजारों से नए काम का इनफ्लो मजबूत हुआ। सर्वे के मुताबिक मई 2022 के बाद से नए एक्सपोर्ट ऑर्डर सबसे तेज गति से बढ़े हैं। कंपनियों ने बिक्री में अपेक्षित सुधार से पहले स्टॉक बनाने की मांग की थी। भारत में निर्माताओं ने मार्च में अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर रखा। सर्वे में कहा गया है कि रोजगार सृजन की गति हल्की थी, लेकिन सितंबर 2023 के बाद से सबसे अच्छी है। कीमतों में मामूली गिरावट रहने के बावजूद लागत दबाव पांच महीनों में अपने उच्चतम स्तर पर था।

संक्षिप्त समाचार

एसपी चौरसिया की टीम ने जीता चंडीगढ़ ओपन 2024 का प्रो-एम इवेंट

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रोफेशनल एसपी चौरसिया और उनकी टीम ने चंडीगढ़ गोल्फ क्लब द्वारा आयोजित निसान द्वारा प्रस्तुत चंडीगढ़ ओपन 2024 का प्रो-एम इवेंट अपने नाम कर लिया है। चौरसिया की टीम में एसपीएस मठारु, दरवेश कुमार और चितवन मान शामिल थे। जिन्होंनें 54.4 का स्कोर बनाया। पेशेवर अजितेश संधू और उनकी टीम में एम्योच्योर अमन चहल, ब्रिगेडियर केजेएस पुरी, संदीप सिंह तूर थे जो कि 54.5 के स्कोर के साथ उपविजेता रहे। 'क्लोजेस्ट टू दी पिन ऑन होल नं 8' कांटेस्ट कर्नल मनबीर हुंडल ने जीता जिन्होंनें पिन के चार फीट के भीतर गेंद लेंड करवाई। जबकि 'क्लोजेस्ट टू दी पिन ऑन होल नं 11' कॉन्टेस्ट कर्नल एसएस गिल के नाम रहा जिन्होंनें गेंद को पिन के दो फीट और दस इंच के भीतर उतारा। प्रीतिंदर सिंह ने 'स्ट्रेटेस्ट ड्राइव ऑन होल नं 5 का खिताब जीता । उनकी ड्राईव फेयरवे के सेंटर से पांच इंच की दूरी पर गिरी। गुरप्रीत सिंह ने लोगेस्ट ड्राईव ने होल नं 16 का कॉन्टेस्ट जीता। उनकी ड्राइव की दूरी 282 यार्ड थी।

बिंदिया ने विश्वकप में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर की लिफ्टर ने स्नैच में अच्छी शुरुआत नहीं की। उन्होंने यहां 83 किलो की सिर्फ एक लिफ्ट पास की। वह छठे स्थान पर थीं। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 113, 116 की लिफ्ट पास की। रजत जीतने के लिए उन्होंने 119 की लिफ्ट का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं रहीं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर बिंदिया रानी देवी ने ओलंपिक क्वालिफायर विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने मंगलवार को 55 भार वर्ग में कुल 196 किलो वजन उठाकर पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से लगातार चोटिल चल रहीं बिंदिया भी मीराबाई के साथ सेंटलुई (अमेरिका) इलाज कराने गई थीं। वह भी मीरा की तरह पुनर्वास से गुजर कर यहां वापसी कर रही थीं। मणिपुर की लिफ्टर ने स्नैच में अच्छी शुरुआत नहीं की। उन्होंने यहां 83 किलो की सिर्फ एक लिफ्ट पास की। वह छठे स्थान पर थीं। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 113, 116 की लिफ्ट पास की। रजत जीतने के लिए उन्होंने 119 की लिफ्ट का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं रहीं। बिंदिया ने कांस्य जरूर जीता है, लेकिन उनका पेरिस ओलंपिक का टिकट मुश्किल है। वह अगले माह जारी होने वाली ओलंपिक क्वालिफिकेशन की रैंकिंग में नीचे हैं।

21 साल की उम्र में ही मयंक ने रचा इतिहास

मेरा लक्ष्य देश के लिए खेलना है-मयंक यादव

नईदिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने आरसीबी को 28 रनों से हरा दिया। इस मैच में आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। लखनऊ की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए आरसीबी की टीम को 182 रनों का टारगेट दिया, जिसके जवाब में आरसीबी की टीम सिर्फ 153 रन ही बना पाई। इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मयंक यादव ने कमाल की गेंदबाजी की और वह टीम के लिए हीरो साबित हुए। मैच के बाद उन्होंने फास्ट बॉलिंग करने के कई अहम कारण बताए हैं।

मैच के बाद मयंक यादव ने कहा कि वास्तव में अच्छा लग रहा है, दो मैचों में दो प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार। मुझे इस बात की ज्यादा खुशी है कि हमने दोनों मैच जीते। मेरा लक्ष्य देश के लिए खेलना है।

मुझे लगता है कि ये तो बस शुरुआत है। मैंने कैमरुन ग्रीन के विकेट का सबसे अधिक आनंद लिया। तेज गेंदबाजी करने के कई कारण हैं। आहार, नींद, ट्रेनिंग। मैं अपने आहार और रिकवरी पर बहुत फोकस कर रहा हूं।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने जीता मैच

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ के लिए क्विंटन डि कॉक ने 81 रन और निकोलस पूरन ने 40 रन बनाए। इन प्लेयर्स की वजह से ही लखनऊ की टीम 181 रन बना पाई। इसके बाद मयंक यादव ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी का नमूना पेश करते हुए अपने चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया

शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। मयंक यादव आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते हैं। उनसे पहले ऐसा कोई भी नहीं कर पाया था। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू किया था और प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता अपने नाम किया। इसके बाद आरसीबी के खिलाफ भी उन्होंने ये अवॉर्ड जीत लिया है।

डिकॉक के आईपीएल में 3000 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में लखनऊ के सलामी बल्लेबाज क्विटन डि कॉक ने अपनी टीम को तेज शुरुआत दिलाई। इसी पारी के दौरान उन्होंने आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए। 31 साल के डि कॉक ने 2013 में सनराइडर्स हैदराबाद के लिए लीग में डेब्यू किया था। वह दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस का भी हिस्सा रह चुके हैं।

डिकॉक आईपीएल में सबसे तेज 3000 रन पूरा करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। हम आज आपको टॉप-5 की लिस्ट बताते हैं।

वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के आईपीएल में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सिर्फ 75 पारियों में यह कारनामा किया था। गेल ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए डेब्यू किया था। फिर वह आरसीबी और पंजाब किंग्स के लिए भी खेले।

केएल राहुल लीग में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। राहुल ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपने करियर की शुरुआत की थी। वहां प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। लेकिन आरसीबी में आने के बाद से वह अलग बल्लेबाज बनकर सामने आए। वह लीग में ऑरेंज कैप भी जीत चुके हैं।

जोस बलटर ने आईपीएल से भी ओपनिंग शुरू की थी। तब से इस फॉर्मेट के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज बनकर सामने आए हैं। पहले मुंबई इंडियंस और फिर राजस्थान रॉयल्स के लिए उन्होंने कमाल का क्रिकेट खेला। बटलर ने 85 पारियों में 3000 आईपीएल रन पूरे किए थे।

डेविड वॉर्नर आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेश बल्लेबाज हैं। वॉर्नर अपनी कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल का खिताब जीता चुके वॉर्नर ने 94 पारी में अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किए थे। वॉर्नर अभी दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं।

फाफ डु प्लेसिस ने भी 94 पारियों में ही 3000 रन पूरे किए थे। अभी आरसीबी की कप्तानी कर रहे फाफ ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू किया था। वह राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेल चुके हैं। अभी तक 126 आईपीएल पारी में वह 4179 रन बना चुके हैं।

कोहली का दोहरा शतक पूरा, पराग से छीनी ऑरेंज कैप

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के 17वें सीजन में विराट कोहली ने सबसे पहले रनों के मामले में दोहरा शतक पूरा किया है। वे आईपीएल 2024 में सबसे पहले 200 रनों का आंकड़ा पार करने वाले बल्लेबाज बने हैं और इस तरह फिर से ऑरेंज कैप उनके सिर पर सज गई है। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग को उन्होंने पीछे छोड़ दिया है। टॉप 5 में निकोलस पूरन और क्विंटन डिकॉक ने एंट्री कर ली है। वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स के नई पेस सनसनी यानी मयंक यादव ने पर्पल कैप की रेस में धमाकेदार एंट्री मारी है।

रायुडू ने बताया -16 साल से क्यों खिताब नहीं जीती आरसीबी

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम चार मैच खेल चुकी है जिसमें से वह केवल एक ही मुकाबला जीती है। आरसीबी अपने घर पर दो मुकाबले हारी है। टीम के प्रदर्शन के बाद उसके फैंस को डर सताने लगा है कि कहीं इस बार भी आरसीबी खिताब से चूक न जाए। आरसीबी बीते 16 सालों में कभी भी खिताब नहीं जीत पाई है। दिग्गज खिलाड़ी अंबाती रायुडू ने बताया कि आखिर क्या वजह है कि सितारों से सजी आरसीबी खिताब क्यों नहीं जीत पाती।

रायुडू ने बताया कि आरसीबी में बड़े नाम दबाव के समय युवाओं को आगे कर देते हैं। वह खुद ऊपर बल्लेबाजी करते हैं और युवाओं को मिडिल ऑर्डर में भेजते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि गेंदबाजी हमेशा पार स्कोर से ज्यादा रन देती है और उनकी बल्लेबाजी दबाव में परफॉर्म करती है। जब भी आरसीबी दबाव में होती है कोई बड़ा नाम खेलता हुआ नजर नहीं आता। ऐसी टीमें कभी नहीं जीत पाती। इसी कारण उन्होंने बीते इतने सालों से खिताब नहीं जीता है।'

उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, 'जितने भी युवा खिलाड़ी हैं वह निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं और जो भी बड़े नाम हैं वह ऊपर खेलते हैं। अनुभवी खिलाड़ी केक की क्रीम खाकर निकल जाते हैं। आप देखिए दबाव में कौन खेल रहा होता है। भारत के युवा खिलाड़ी और दिनेश कार्तिक। आपके बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को दबाव लेना चाहिए, लेकिन वह कहां होते हैं? वह ड्रेसिंग रूम में होते हैं। यह आज नहीं हो रहा है। पिछले 16 साल से टीम की यही कहानी है।'आरसीबी की सीजन की शुरुआत हार के साथ हुई थी। पहले मुकाबले में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स का सामना किया और छह विकेट से मैच हारी। वहीं इसके बाद उन्होंने अपने घर पर पंजाब किंग्स का सामना किया और चार विकेट से मैच हार गई। इसके बाद आरसीबी को केकेआर ने सात विकेट से मात दी वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ भी उसे 28 रन से मात मिली।

मुरली गावित डोप में फंसे, गोआ राष्ट्रीय खेल के दौरान ईपीओ के लिए पॉजिटिव पाए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। गोआ में 5000 मीटर में रजत जीतने वाले गावित और कांस्य जीतने वाले अजय कुमार दोनों पॉजिटिव पाए गए हैं। गावित लंबे समय तक भारतीय एथलेटिक्स दल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2019 की दोहा एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत जीता था। बीते वर्ष ही उन्होंने राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स में भी इसी इवेंट का स्वर्ण जीता था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरने वाले लंबी दूरी के एथलीट मुरली गावित डोप में फंस गए हैं। एशियाई चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत पदक जीतने वाले मुरली बीते वर्ष गोआ में हुए राष्ट्रीय खेल केदौरान डोप पॉजिटिव पाए गए हैं। राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) की ओर से लिए गए उनके सैंपल में एरिथ्रोपोएटिन (ईपीओ) पाया गया है। मुरली ने गोआ राष्ट्रीय खेल में रजत पदक जीता था, जो भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने उनसे छीन लिया है। मुरली के डोप में फंसने के साथ गोआ राष्ट्रीय खेल में डोप में फंसने वाले खिलाडियों की कुल संख्या 26 हो गई है।

गोआ में 5000 मीटर में रजत जीतने वाले गावित और कांस्य जीतने वाले अजय कुमार दोनों पॉजिटिव पाए गए हैं। गावित लंबे समय तक भारतीय एथलेटिक्स दल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2019 की दोहा एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत जीता था। बीते वर्ष ही उन्होंने राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स में भी इसी इवेंट का स्वर्ण जीता था। ईपीओ का प्रयोग मध्यम और लंबी दूरी के एथलीट रेस से ठीक पहले करते हैं। इससे खून में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ जाता जो उन्हें रेस के दौरान मदद करता है। भारतीय एथलेटिक्स में ईपीओ के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

एशियाड पदक विजेता भास्कर भी डोप पॉजिटिव

1998 के बैंकॉक एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता और विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के उपविजेता भास्कर बालचंद्र भी गोआ राष्ट्रीय खेल के दौरान डोप में फंसे हैं। उनके सैंपल में बीटा ब्लॉकर पाया गया है। क्यू स्पोर्ट्स में डोप में फंसने का यह देश में पहला मामला है। गोआ राष्ट्रीय खेल में सर्वाधिक 10 डोप पॉजिटिस मामले एथलेटिक्स और उसके बाद सात वेटलिफ्टिंग में पाए गए।

सलमान ने नहीं छोड़ी द बुल

अगले वर्ष फरवरी में शुरू होगी शूटिंग

सलमान खान को लेकर कहा जा रहा है कि उन्होंने करण जौहर के साथ बनने वाली फिल्म द बुल से अपने कदम वापस खींच लिए हैं। सिने गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि इसका कारण करण जौहर और निर्देशक विष्णुवर्धन का आपस में सहमत न होना है। यह दोनों अभी तक इस फिल्म की शूटिंग तारीखों को तय नहीं कर पाए हैं। ऐसे में सलमान खान ने बार-बार बदलती तारीखों के चलते इस फिल्म से हाथ खींच लिए हैं और अब उन्होंने जो तारीखें करण जौहर को दी थी, वे उन्होंने साजिद नडियाडवाला की फिल्म को दे दी हैं। इस फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पूर्व ही सलमान खान ने की थी और कहा था कि ईद पर उनकी यह फिल्म प्रदर्शित होगी। गौरतलब है कि 1998 में रिलीज हुई करण जौहर की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म कुछ कुछ होता है में सलमान खान का एक्सटेंडेड कैमियो था।

अब इस फिल्म के 25 साल बाद करण जौहर ने अपने प्रोडक्शन की फिल्म द बुल में सलमान खान की कास्टिंग की है। पिछले कई दिनों से फिल्मी गलियारों में चर्चा थी की डेट्स फाइनल न होने पर सलमान खान ने फिल्म छोड़ दी है, हालांकि अब प्रोडक्शन के सूत्रों की मानें तो ये खबर सरासर अफवाह है। बीते साल टाइगर 3 के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने कन्फर्म किया था कि वो करण जौहर की फिल्म द बुल का हिस्सा हैं। दिसंबर 2023 में वो फिल्म के मुहुर्त का भी हिस्सा थे। हालांकि बीते कुछ दिनों से खबर है कि बार-बार शूटिंग डेट्स बदलने से परेशान होकर सलमान ने फिल्म करने से इनकार कर दिया है। बॉक्स ऑफिस इंडिया ने फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा है कि सलमान अब भी करण की फिल्म द बुल का हिस्सा हैं। उनके द्वारा फिल्म छोड़ने की खबर अफवाह है। फिल्म द बुल की तैयारी शुरू हो चुकी है और सलमान अगले साल फरवरी से फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

फिल्म द बुल में सलमान में सलमान खान ब्रिगेडियर फारुख बुलसारा के रोल में नजर आएंगे, जो साल 1988 में मालदीव में हुए ऑपरेशन केकटस के लीड थे। फारुख बुसलारा पैरमिलिट्री ऑफिसर थे, जिन पर फिल्म बनेगी। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2025 से शुरू होगी। इस फिल्म को विष्णु वर्धन निर्देशित करने वाले हैं। ज्ञातव्य है कि इन दिनों सलमान खान साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन की अनटाइटल फिल्म पर काम कर रहे हैं, जो आगामी वर्ष ईद पर प्रदर्शित होगी। इस फिल्म को ए.आर. मुरुगादास निर्देशित कर रहे हैं, जिन्होंने हिन्दी सिनेमा को पहली 100 करोड़ी फिल्म गजनी दी थी।

मेगन फॉक्स ने बताया

कितनी बार करवाई प्लास्टिक सर्जरी

अमेरिकन एक्ट्रेस मेगन फॉक्स ने अब बताया है कि उन्होंने कौन-कौन सी सर्जरी करवाई हैं। मेगन फॉक्स ने बताया कि उन्होंने ब्रेस्ट की कब-कब सर्जरी करवाई और क्या वजह रही। मेगन फॉक्स ने उन प्लास्टिक सर्जरी का भी जिक्र किया, जो उन्होंने कभी भी नहीं करवाई।

हॉलीवुड स्टार मेगन फॉक्स को लेकर अकसर ही ऐसी चर्चाएं होती रही हैं कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। एक्ट्रेस की तस्वीरों पर भी अकसर यूजर्स सर्जरी को लेकर सवाल करते नजर आते। हीरोइनें खूबसूरत और ग्लैमरस दिखने के लिए अकसर ही सर्जरी का सहारा लेती हैं और मेगन फॉक्स की तस्वीरों को देखकर कई बार यह चर्चा होती रही है। साल 2022 में जब मेगन फॉक्स ने बेयॉन्से के बर्थडे पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की थीं, तो उस वक्त भी एक्ट्रेस की प्लास्टिक सर्जरी की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। लेकिन अब मेगन फॉक्स ने इस पर खुलकर बात की है। 37 वर्षीय एक्ट्रेस ने एक पॉडकास्ट में बताया कि उन्होंने कौन-कौन सी और कितनी प्लास्टिक सर्जरी करवाई हैं। एलेक्स कूपर को पॉडकास्ट शो कॉल हर डैडी में अपनी प्लास्टिक सर्जरी के बारे में बताया। उन्होंने न सिर्फ वो प्रोसिजर बताए, जो करवाए हैं, बल्कि उनके बारे में भी डिटेल दी, जो कभी नहीं करवाए। साथ ही मेगन फॉक्स ने कहा कि वह सबकुछ ईमानदारी से बता भी देंगी, तो भी लोग उन्हें ट्रोल करेंगे।

मेगन फॉक्स ने बताया कौन-कौन सी सर्जरी करवाई

मेगन फॉक्स ने बताया कि उन्होंने कौन-कौन सी प्लास्टिक सर्जरी करवाई और कब। वह बोलीं, जब मैं 21 या 22 साल की थी तब मैंने अपने ब्रेस्ट की सर्जरी करवाई थी। मैंने बच्चों को ब्रेस्टफीडिंग करवाने के बाद इनकी दोबारा सर्जरी करवाई। इसके बाद अब हाल ही मैंने सर्जरी इसलिए करवाई क्योंकि मेरी बॉडी पर इतना फैट नहीं था कि इम्प्लांट को छुप सके। इसलिए मुझे बदलवाकर ऐसे इम्प्लांट लगवाने पड़े, जो सेट हो सकें।

मेगन फॉक्स ने नहीं करवाई ये सर्जरी

मेगन फॉक्स ने फिर बताया कि उन्होंने कौन-कौन सी प्लास्टिक सर्जरी कभी नहीं करवाई। उन्होंने बताया, मैंने कभी भी किसी भी तरह का फेस लिफ्ट नहीं करवाया। न कोई मिड लिफ्ट और ना ही लेटरल ब्रो लिफ्ट। हालांकि मैं एक रेगुलर आइब्रो लिफ्ट चाहूंगी या शायद नहीं भी। मैंने कभी थ्रेडिंग नहीं करवाई और मैंने उस पर काफी रिसर्च भी किया है। मुझे ऐसा लगता है कि इसका कोई फायदा नहीं है। मुझे यह भी लगता है कि अगर मैं फेसलिफ्ट करवाऊंगी तो फिर उससे परेशानी होगी।

मेगन फॉक्स ले सकती हैं ऐक्टिंग से संन्यास

मेगन फॉक्स ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी बक्कल फैट रिमूवल या लाइपोसक्शन सर्जरी भी नहीं करवाई क्योंकि वह पहले से ही बहुत दुबली हैं। हालांकि उन्हें फिलर्स लेने से कोई परहेज नहीं है। मेगन फॉक्स कई इंटरनेशनल मैगजीन के कवर पर छा चुकी हैं।

सोनारिका ने बिकिनी में फ्लॉन्ट की टोन्ड बॉडी

समंदर में नहाकर और भी नमकीन हो गई हो ये लाइन आज देवों के देव महादेव की पार्वती यानि सोनारिका भदौरिया पर एक दम फिट बैठ रही है। सोनारिका भदौरिया ने दिनों पहले अपनी लाइफ का नया चैप्टर शुरू किया था। वो शादीशुदा जिंदगी को खूब इंजॉय कर रही हैं। हाल ही में पति विकास पराशर संग वेकेशन पर गईं जहां जमकर एंजॉय किया। इस दौरान की तस्वीरें उन्होंने इंस्टा पर शेयर की हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि कभी रेत पर अठखेलियां करतीं तो कभी समंदर के किनारे बिकिनी पहनकर अपने हुस्न का जलवा बिखेरतीं सोनारिका इंटरनेट पर छाई हुई हैं। 31 साल की सोनारिका भदौरिया ने टीवी के अलावा तेलुगू, तमिल और हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। हालांकि उन्हें पार्वती बनकर घर-घर में पहचान मिली। सोनारिका में साल 2011 में तुम देना साथ मेरा में अभिलाषा बनकर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिर 2018 में सलीम अनारकली में नजर आईं। उन्हें इश्क में मरजावां सीरियल में देखा गया। टीवी पर यही उनका आखिरी सीरियल था।

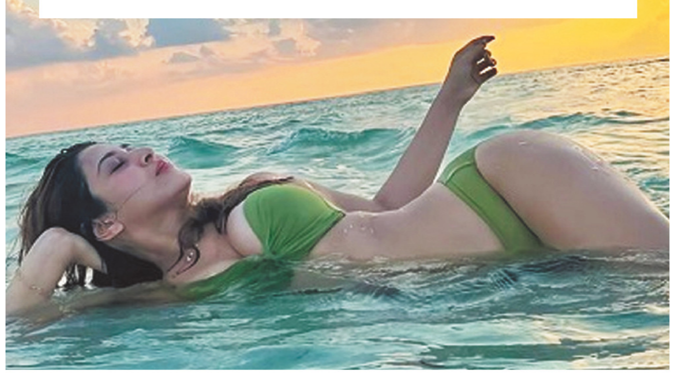

रवीना टंडन

आश्रम के भोपा स्वामी की क्रश है

वेब सीरीज 'आश्रम' में भोपा स्वामी का रोल प्ले कर लाइमलाइट में आने वाले एक्टर चंदन रॉय सान्याल को हालिया रिलीज फिल्म 'पटना शुक्ला' में देखा गया था। इसमें उन्होंने रवीना टंडन के अपोजिट फेमस वकील की भूमिका में देखा गया था। ऐसे में एक्टर ने एक्ट्रेस के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया है। साथ ही ये भी बताया है कि एक्ट्रेस पर उनको बचपन से ही क्रश रहा है। चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कहा। 'आश्रम' फेम एक्टर चंदन बताते हैं कि रवीना टंडन पर उन्हें बचपन से ही क्रश रहा है। उनका मानना है कि एक दौर था, जब वो नेशनल क्रश थीं। ऐसे में वो उनके साथ काम करना काफी बेहतरीन अनुभव मनते हैं। चंदना का मानना है कि एक्ट्रेस के साथ कोर्ट में खड़े होकर बहस करना उनके लिए काफी बड़ी बात है। उन्होंने इस जर्नी को काफी इन्जॉय किया।

एक्ट्रेस हुमा ने दिखाया अपना कातिलाना अंदाज

शो मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे में नजर आने वाली एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर हुमा के 8.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। फोटोज में उन्हें गहरी नेकलाइन वाली काली ब्रालेट, मैचिंग लेदर पैंट और नीली डेनिम जैकेट पहने देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने इस ड्रेस के साथ सुनहरे झुमके, पारदर्शी धूप का चश्मा और चेरी ब्राउन रंग के जूते पहने हुए हैं। मेकअप के लिए हुमा ने पिंक लिप्स और ग्लॉसी मेकअप को चुना। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा। पोस्ट को शीर्षक दिया गया, गैंगस्टर मोड ऑन। उन्होंने अपनी पोस्ट में डार्क बॉय के गैंगस्टा ट्रैक की धुन दी। हुमा को पिछली बार सीरीज महारानी के तीसरे सीजन में रानी भारती के रूप में देखा गया था। इसमें अमित सियाल, विनीत कुमार, प्रमोद पाठक, कानी कुसरुति, अनुजा साठे, सुशील पांडे, दिब्येंदु भट्टाचार्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एक्ट्रेस अगली फिल्म पूजा मेरी जान में नजर आएंगी।

रणदीप हुड्डा ने कंगना रनौत को छोड़ आलिया भट्ट का किया सपोर्ट

रणदीप हुड्डा और आलिया भट्ट साथ में फिल्म हाइवे में काम कर चुके हैं। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। बता दें कि कंगना ने

आलिया को एक आम एक्टर कहा था। रणदीप ने इस पर आलिया को सपोर्ट किया था। अब रणदीप ने एक बार फिर आलिया के साथ अपने बॉन्ड पर बात की है। रणदीप का कहना है कि उन्हें बेवजह टारगेट किया जाता था। सिद्धार्थ कनन से बात करते हुए रणदीप ने कहा, हाइवे के दौरान काम करते हुए मेरा आलिया के साथ स्प्रिचुअल बॉन्ड बन गया था। मुझे नहीं पता उनकी तरफ से कैसा था। यह उन पर है। मैं सिर्फ अपने लिए बोल सकता हूं। मैंने उन्हें हमेशा नई चीजें करता देखा है। मैं उनके लिए असल में खड़ा रहा क्योंकि उन्हें बेवजह टारगेट कर दिया जाता है।

सामंथा ने कहा

सिटाडेल हनी बन्नी और द फैमिली मैन में अलग तरह का एक्शन है

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने आगामी सीरीज सिटाडेल- हनी बन्नी और द फैमिली मैन को लेकर कहा कि इनमें एक्शन बहुत अलग तरह का है। सामंथा ने द फैमिली मैन में राजी के किरदार में जो एक्शन सीन किए, उसके लिए उन्हें काफी सराहना मिली है। अपने द्वारा किए गए स्टंट पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने सीन की तैयारियों को लेकर खुलकर बात की। सामंथा ने कहा, मैंने द फैमिली मैन में राजी के किरदार के लिए जो किया, वह एक्शन के मामले में बहुत अलग है। मैं सिटाडेल में एक्शन को लेकर बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से यह कुछ ऐसा है जो मैं अपने किरदार राजी के लिए चाहती थी। सीरीज में कुछ मुख्य आकर्षण एक्शन बिट्स हैं और मैं वास्तव में उन्हें स्क्रीन पर देखने के लिए उत्सुक हूं।

डिज्नी प्लस पर प्रदर्शित होगी

प्रियंका की टाइगर

ग्लोबल एक्ट्रेस बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने सोमवार (1 अप्रैल) को अपने अगले प्रोजेक्ट 'टाइगर' की उसके पोस्टर के साथ घोषणा की। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'टाइगर' की रिलीज डेट की घोषणा कर शेयर किया कि इस अविश्वसनीय कहानी को आवाज देना और फिल्म के माध्यम से जंगलों की खोज करना कितना मजेदार था। प्रियंका ने एक लंबे नोट से भावनाएं व्यक्त कीं।

प्रियंका ने लिखा, 'टाइगर... एक कहानी जो जंगली को पकड़ती है और उसके भीतर होने वाली हर चीज को सामने लाती है - प्यार, संघर्ष, भूख, अस्तित्व और बहुत कुछ की कहानियां। भारत के हलचल भरे जंगलों में, जहां बड़े और छोटे, डरपोक और राजसी जीव घूमते हैं, वहां अंबा है - एक कालातीत विरासत वाली बाघ। वह अपने शावकों की इतने प्यार से देखभाल करती है कि माँ और बच्चे के बीच का खूबसूरत रिश्ता बहुत शानदार ढंग से चमकता है।

मनीषा रानी बनीं करोड़पति !

मनीषा रानी दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रही हैं। झलक दिखला जा 11 का विनर बनने के बाद उन्होंने अपने होमटाउन बिहार में नई प्रॉपर्टी खरीदी है। उन्होंने अपने व्लॉग में इसकी झलक फैंस के साथ शेयर की है। ये भी बताया कि अब इस पर उनका घर बनेगा। बिहार की मनीषा रानी जब रिएलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में आई थीं, तब अपनी पहचान बनाने के लिए स्ट्रगल कर रही थीं। अपने चुलबुलेपन से उन्होंने दर्शकों का दिल जीता और घर-घर में उनका नाम हुआ। ये शो भले ही ना जीता हो, लेकिन वो जो काम करने आई थीं, वो कर लिया, यानी अपना नाम बना लिया। इसके बाद वो एक और शो में नजर आईं। झलक दिखला जा सीजन 11। अपनी मेहनत और लगन के दम पर इसकी विनर बनीं।